बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia   /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
रविवार 13 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 288
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

अहमदाबाद विमान हादसा... जांच रिपोर्ट में खुलासा..

फ्यूल स्वीच ऑफ... दोनों इंजन बंद होने से विमान गिरा

अहमदाबाद। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान के ब्लैक बाक्स की जांच में पता चला है कि विमान का फ्यूल कटआफ स्वीच बंद होने से विमान के दोनों इंजनों को ईंधन सप्लाय बंद हो गया और टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान की स्पीड धीमी हुई और क्रैश हो गया।

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने हादसे के कारणों की अब 15 पेज की शुरुआती रिपोर्ट जारी की। इसमें तकनीकी कारणों का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उड़ान भरने के ठीक बाद दोनों इंजन के फ्यूल कटऑफ स्वीच रन से कटऑफ की स्थिति में आ गए थे, वो भी सिर्फ एक सेकंड के अंतराल में। इसके बाद दोनों इंजनों की थ्रस्ट क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई और विमान अहमदाबाद स्थित मेडिकल कॉलेज के होस्टल पर जा गिरा।

फ्यूल कट आफ स्वीच कैसे बंद हुआ

विमान दुर्घटना में फ्यूल स्वीच बंद होने का कारण पता लगने के बाद अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि फ्यूल कटआफ स्वीच कैसे बंद हुआ। कहीं इसमें फ्यूल रिफील करने वाले कर्मचारियों की गलती तो नहीं है। हालांकि वर्ष 2018 में विमान की जांच के दौरान तकनीकी विशेषज्ञों ने इस बारे में एयर इंडिया को सचेत किया था, लेकिन उन्होंने इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस मामले की भी जांच हो सकती है।

दोनों पायलटों की चंद सेकंड की बात... एक ने दूसरे से पूछा...फ्यूल क्यों बंद किया

इस दौरान दोनों पायलटों के बीच बातचीत होती है। एक पायलट ने पूछा- आपने फ्यूल क्यों बंद कर दिया? इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया- मैंने ऐसा नहीं किया। इस बातचीत के कुछ सेकंड बाद ही प्लेन की स्पीड धीमी होने लगती है और यह विमान मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराता है।

आपातकालीन बिजली सप्लाय भी काम नहीं कर पाई

रिपोर्ट के अनुसार दोनों इंजन में रीलाइट की प्रक्रिया शुरू हुई। विमान के एक इंजन ने थोड़ी देर के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन दूसरा इंजन पूरी तरह से स्पीड रिकवर नहीं कर पाया। इस दौरान पावर यूनिट भी ऑटोस्टार्ट मोड में सक्रिय हुआ, लेकिन वह भी विमान को स्थिर नहीं कर पाया। एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद यह सामने आया कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान का आपातकालीन पंखा बाहर आ गया। आमतौर पर यह तभी बाहर निकलता है, जब विमान की बिजली सप्लाई में समस्या आती है। इसका मतलब है कि इंजन बंद होने के कारण विमान की मेन पावर सप्लाई भी प्रभावित हुई थी। रैम एयर टर्बाइन एक छोटा प्रोपेलर जैसा उपकरण होता है, जो दोनों इंजन के बंद होने या पावर सप्लाई बंद होने अथवा हाइड्रोलिक विफलता पर स्वचालित रूप से तैनात हो जाता है। यह विमान को ऊंचाई बनाए रखने में मदद करता है। आरएटी आपातकालीन शक्ति उत्पन्न करने के लिए हवा की गति का उपयोग करता है।

पायलट कोशिश के बाद क्रैश से नहीं बचा पाए

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली।

खास खबर

मराठा काल के 12 किले यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल

नई दिल्ली। भारत को उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। यूनेस्को की 47वीं बैठक में मराठा काल के 12 किलों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित कर दिया गया है। यह ऐलान पेरिस में आयोजित सम्मेलन में हुआ। जिससे भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मान्यता मिली है। इन 12 किलों में महाराष्ट्र के 11 और तमिलनाडु का एक जिंजी किला शामिल है। ये सभी किले 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच मराठा साम्राज्य के उत्थान और रक्षा से जुड़े रहे हैं। इसमें से कुछ किले छत्रपति शिवाजी महाराज की राजधानी, जन्मस्थली, और रणनीतिक केंद्र रहे हैं। वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल 12 किले इसप्रकार है- रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, सालहेर किला,लोहगढ़ किला, राजगढ़ किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, सुवर्णदुर्ग, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग, खंडेरी किला और तमिलनाडू का जिंजी किला शामिल है।

कलकत्ता में रेप, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता में शनिवार को एक स्टूडेंट से बलात्कार का मामला सामने आया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर दोनों की जान-पहचान हुई थी। स्टूडेंट किसी निजी मामले में सलाह के लिए आरोपी से मिलने आईआईएम थी। इसके बाद उसे बॉयज हॉस्टल ले जाया गया, जहां उससे रेप हुआ। घटना बिजनेस स्कूल के बॉयज हॉस्टल में शुक्रवार को हुई थी। आरोपी स्टूडेंट को शुक्रवार रात हिरासत में ले लिया गया था, शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

आतंकी पन्नू की कपिल शर्मा को धमकी

अमृतसर। खालिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को कनाडा में कैफे खोलने पर धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा कि कपिल खुद को हिंदूवादी बताता है। उसके कैफे पर फिर गोलियां चलाई जा सकती हैं और खालिस्तानी समर्थकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं। पन्नू ने कहा कि भारत के लोग कनाडा के सर्रे शहर में निवेश कर रहे हैं। क्या कपिल का कैफे सिर्फ एक कॉमेडी कैफे है या हिंदुत्व का वैश्विक विस्तार करने की एक रणनीति का हिस्सा है? ये लोग कनाडा में बिजनेस कर रहे हैं, भारत में क्यों नहीं? जब वो कनाडा के कानून को नहीं मानते तो यहां क्यों आ रहे हैं, ये कोई खेल का मैदान नहीं है।

चार मंजिला इमारत ढही, 2 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। इमारत के सामने वाले घर में रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि जैसे ही इमारत गिरी, उसका मलबा हमारे घर पर आ गिरा। इस वजह से मैं भी घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में इमारत गिरने की सूचना मिली थी।

दिल्ली में गिरी चार मंजिला इमारत, दो की मौत, मासूम समेत 8 लोग घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि इमारत ढहने से घायल हुए लोगों में इमारत में रहने वाले एक ही परिवार के 10 लोग और उसके आसपास रहने वाले कुछ अन्य लोग शामिल हैं। आठ लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि मलबे में फंसे अन्य लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। मौतों की पुष्टि नहीं हो पाई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वेलकम थाने में शनिवार सुबह करीब 7 बजे ईदगाह, वेलकम के पास चार मंजिला इमारत के ढहने की सूचना मिली। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि इमारत की तीन मंजिलें ढह चुकी थीं। उन्होंने कहा कि अब तक आठ घायलों को बचाया गया है। सात को अस्पताल और एक अन्य अस्पताल भेजा गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पूर्वी) ने कहा कि इमारत के मालिक मतलूब अपने परिवार के साथ इसी इमारत में रहते थे। भूतल और पहली मंजिल खाली है। सामने वाली इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। घायलों में परवेज (32), उनकी पत्नी सिज़ा (21), बेटा अहमद (14 माह) और भाई नावेद (19) इमारत के ढहने के समय यह भी अंदर थे, जिन्हें बचा लिया गया है। वहीं, गोविंद (60) और उनके भाई रवि कश्यप (27) और उनकी दो पत्नियां दीपा (56) और ज्योति (27) दुर्घटना के वक्त इमारत के बाहर थे उन्हें हल्की चोटें आईं हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी के मुताबिक गिरी इमारत के सामने वाली इमारत में रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि जैसे ही इमारत गिरी, मलबा उनकी इमारत पर गिरा और वह घायल हो गया। इमारत उस समय गिरी जब स्थानीय लोग सुबह की सैर पर निकले थे। उनमें से कई लोगों ने बचाव कार्य में मदद की और दमकल विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही फंसे हुए लोगों को बचाने का प्रयास किया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख ने कहा कि सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर पांच में एक इमारत गिर गई जिसके बाद बचाव कार्य के लिए सात दमकल गाड़ियां घटनास्थल भेजी गई हैं।

फिर मिली पटना एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, तलाशी में कुछ नहीं मिला

पटना। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी एयरपोर्ट डायरेक्टर के आधिकारिक ईमेल पर मिली। ईमेल मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और पुलिस टीम ने एयरपोर्ट पर सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बता दें 1 जुलाई को भी इसी तरह की धमकी एयरपोर्ट को मिली थी। उस समय भी सुरक्षा बलों ने छानबीन की थी, लेकिन धमकी झूठी निकली थी।

सामने कांच पर फास्टैग नहीं लगाने वाले ब्लैकलिस्ट होंगे

हाथ से फास्टैग दिखाने वालों पर सरकार सख्त

नई दिल्ली। लूज फास्टैग रखने वाले यूजर्स को अब ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी की विंडस्क्रीन पर न लगाने वाले हाईवे यूजर्स को लूज फास्टैग या टैग-इन-हैंड कहा जाता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार, इससे ई-टोल कलेक्शन सिस्टम में गड़बड़ी आती है और बाकी यात्रियों को परेशानी होती है। गौरतलब है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फास्टैग के दुरुपयोग को रोकने के लिए कुछ नियम लागू किया है। अब अगर कोई ड्राइवर फास्टैग को गाड़ी की विंडशील्ड पर नहीं चिपकाता और उसे हाथ में रखकर टोल प्लाजा पर दिखाता है, तो उसका फास्टैग ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

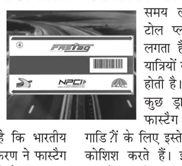

दरअसल, कुछ ड्राइवर जानबूझकर फास्टैग को विंडस्क्रीन पर नहीं चिपकाते। वे इसे हाथ से दिखाकर स्कैन कराते हैं। इससे ज्यादा समय लगता है और टोल प्लाजा पर जाम लगता है। इससे दूसरे यात्रियों को भी परेशानी होती है। इसके अलावा कुछ ड्राइवर एक ही फास्टैग को कई गाडि?ों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। इससे टोल से गुजरने वाली गाडि?ों का डेटा मिस मैच होता है। यह गैर कानूनी है। एनएचएआई ने 11 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। टोल कलेक्शन एजेंसियों को तुरंत ऐसे फास्टैग की रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है, जिसके आधार पर एनएचएआई फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करेगी। एनएचएआई जल्द ही एनुअल पास सिस्टम और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग शुरू करने वाली है। इन नए सिस्टम्स में फास्टैग की सही स्थिति बहुत जरूरी है, ताकि टोल कलेक्शन बिना रुकावट हो और सिस्टम की विश्वसनीयता बनी रहे। एनएचएआई ने टोल कलेक्शन एजेंसियों को एक खास ईमेल आईडी दी है, जिसके जरिए वे तुरंत ऐसे फास्टैग की जानकारी दे सकते हैं। इसके बाद एनएचएआई उस फास्टैग को ब्लैकलिस्ट या हॉटलिस्ट कर देगी, जिससे वह काम करना बंद कर देगा।

14 को शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से करेंगे वापसी, नासा करेगा सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के वहां से धरती पर वापस आने का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। एक्सियम मिशन-4 की वापसी 14 जुलाई को सुबह 7-05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए हो सकती है। धरती में प्रवेश के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

नासा की कवरेज सुबह 4-30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा समेत कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4-55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6-45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7-05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की धरती पर वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा। इस मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों में पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पेगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के ईएसए प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोस उजनांस्की-विसनेव्स्की और हंगरी के हुनोर अंतरिक्ष कार्यक्रम से टिबोर कपू शामिल हैं। ये सभी अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में करीब दो सप्ताह का समय बिता चुके हैं और अब यह मिशन अपनी समाप्ति की ओर है। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए अंतरिक्ष से 580 पाउंड से ज्यादा वजन का वैज्ञानिक उपकरण और डेटा वापस लाया जाएगा, जिसमें नासा के हार्डवेयर के अलावा 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों से जुड़े डेटा शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि यह नासा और इसरो के बीच सहयोग का हिस्सा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा की गई उस घोषणा का क्रियान्वयन है जिसमें यह वादा किया गया था कि एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भेजा जाएगा।

कानपुर में रेलवे ट्रैक धंसा, मप्र के मंडला में बाढ़, 7 की मौत, राजस्थान के 13 जिलों में 4 इंच बारिश

बाणसागर और रनगुवां डैम के गेट खोले गए

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देश में मानसून की बारिश जोरों पर है। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। कानपुर में बारिश से रेलवे ट्रैक धंस गया। इसके चलते कालिंदी एक्सप्रेस को रोका गया। लखनऊ की सड?ों पर घुटनों तक पानी भर गया। मप्र में बारिश अब आफत बनकर बरस रही है। मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। सिवनी, छतरपुर समेत 10 जिलों में बाढ़ जैसे हालात रहे। शहडोल में बाणसागर डैम के 7 गेट और छतरपुर के खजुराहों में रनगुवां वांध के 14 गेट खोले गए हैं।

राजस्थान में भी इस बार मानसून जमकर बरस रहा है। बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में 4 इंच तक बरसात हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। श्रीमाधोपुर में दुकानों में पानी घुस गया। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में लगातार तेज बारिश जारी है। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड में दबने से 57 साल की महिला की मौत हो गई। वहीं, हिमाचल में लैंडस्लाइड से 184 सड?ं बंद हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। 33 लोग अभी भी लापता हैं।

रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी

रीवा में जिस एयरपार्ट का 10 महीने पहले लोकापर्ण हुआ था, उसकी बाउंड्री वाल गिर गई। जिले के गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह के घर में पानी घुस गया। शहडोल के ब्योहारी में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 10 इंच पानी गिर गया। चित्रकूट में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश से मंदाकिनी नदी में रामघाट, भरतघाट सहित सभी प्रमुख घाट जलमग्न हो गए हैं। घरों-दुकानों में भी पानी घुस गया है। लोग नाव से सुरक्षित जगह पर पहुंच रहे हैं। शहडोल में बाणसागर डैम के 2 गेट खोले गए हैं। डैम का जलस्तर 339.13 मीटर तक पहुंच गया है। यहां अलर्ट अलार्म बजा दिया गया है। शनिवार दोपहर 1 बजे रेडियल गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। मैहर में मां शारदा माता मंदिर के मार्ग पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया है। उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। एक गेट एक मीटर और दूसरा आधा मीटर तक खोला गया है। वहीं, मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। खजुराहो में खूडर नदी के पुल पर एक ग्रामीण तेज बहाव में फंस गया। नदी के बीच में मौजूद पेड़ को पकड?र लटका रहा। स्थानीय लोगों ने रस्सी बांधकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

8 वर्षीय मादा चीता नाभा की मौत

श्योपुर। श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क से एक बार फिर दुखद खबर सामने आई है। यहां नामीबिया से लाई गई 8 वर्षीय मादा चीता नाभा की मौत हो गई है। कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों के अनुसार, नाभा को एक हफ्ते पहले सॉफ्ट रिलीज बोमा के अंदर घायल अवस्था में पाया गया था। पार्क की मेडिकल टीम ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन ने प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी है। इस घटना के बाद कूनो नेशनल पार्क में चीतों की कुल संख्या घटकर 26 रह गई है। इनमें 9 वयस्क चीते हैं, जिनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं।

केरल में बीजेपी मुख्यालय का उद्घाटन कर शाह ने भरी हुंकार....

विकसित केरल अब बीजेपी का मिशन

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन किया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी इस मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि केरल एक पवित्र भूमि है, क्योंकि यहीं श्री आदि शंकराचार्य जैसी महान आत्मा का जन्म हुआ था। आज, मैं श्री आदि शंकराचार्य की पुण्य आत्मा को नमन करता हूँ। आज केरल में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन कर मैं उन सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद कर रहा हूँ जिन्होंने अपनी लगन और निष्ठा से हमारी पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूँ।

शाह ने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक सम्मेलनों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं, भ्रष्टाचार रहित शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियाँ हैं, लेकिन दोनों ही दलों में एक बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है।

शाह ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता है। शक्तिशाली दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना, एक विकसित भारत संभव नहीं हो सकता है। विकसित केरल अब भारतीय जनता पार्टी का मिशन बन गया है। शाह ने इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया।

बालाघाट से नैनपुर मार्ग बदहाल

एनएच 543 सड़क पर नजर आ रहे जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे, सड़क हादसों के बाद भी जागा नही प्रशासन

लामता(पदमेश न्यूज)। बारिश के इस सीजन में बालाघाट से नैनपुर मार्ग बदहाल हो चुका है।जहां लामता क्षेत्र से नैनपुर जाने वाली सड़क जर्जर हो गई है जगह-जगह सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं बरसात में पानी भरे होने के कारण यहां दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। सड़क की इस स्थिति से नागरिक खासे नाराज हैं कई बार संबंधित अधिकारियों के पास गुहार लगाने के बावजूद भी सड़क में सुधार कार्य नही किया गया है।जिसका खामियाजा इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरो को भुगतना पड़ रहा है।

दुर्घटना को आमंत्रण दे रही जर्जर सड़क

जिले में सड़कों का जाल बिछा कर विकास के दावे किए जा रहे हैं।उधर गांव-गांव में आवागमन के साधन के लिए सड़कें बनाई जा रहीं हैं पर देख रेख के अभाव एवं गुणवत्ता में कमी के चलते सड़कें लगातार जर्जर हो रही हैं।जिसपर सम्बधितों का कोई ध्यान नही है। ये सड़कें जनता के लिए परेशानी का सबब बनकर आए दिन दुर्घटना को आमंत्रित कर रही हैं मजबूरी में जनता उन बदहाल सड़कों पर जान जोखिम में डाल कर यात्रा करने को मजबूर हो जाती है। इन सड़कों पर विकास का वादा करने वाले जनप्रतिनिधि भी यात्रा करते हैं पर वे भी पद में आने के बाद अपने वादे भूल जाते हैं।

करीब 12 किमी बनाए थे सड़क उसमे भी हो गए बड़े बड़ गड्ढे

जानकारी के अनुसार लामता से नैनपुर मार्ग वाली सड़क काफी इंतजार के बाद बनी थी। ग्रामीणों ने बताया कि बीच में करीब 11-12 किलोमीटर की सड़क का काम घटिया तरीके से किया गया है। जिसके कारण उक्त मार्ग पर 4 फिट चौड़े, और एक फिट गहरे गड्ढे हो गए हैं सड़क पर सही तरीके से डामर गिट्टी ना डालने से कुछ ही महीनों बाद सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी थीं वर्तमान में इस सड़क की हालत यह है कि कई स्थानों पर सड़क है या नहीं, इसका पता ही नहीं चलता। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं यह सड़क यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।बताया गया कि इस मार्ग पर प्रतिदिन लगभग 5 हजार वाहनों का आवागमन होता है।बावजूद इसके भी इस मार्ग की मरम्मत पर जिम्मेदारो का कोई ध्यान नही है।

15 दिन कि बारिश ने खोली प्रशासन पोल

बताया गया कि हाल ही में तेज बारिश के कारण बालाघाट से नैनपुर जाने वाले मार्ग पर जगह जगह गड्ढे हो गए है।इस मार्ग पर 50 से अधिक नदी नाले पड़ते हैं भारी बारिश के वजह से पुल के ऊपर से पानी जानें के वजह से रहागिर व यात्रियों को सफर करने में परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। छोटे छोटे पुल की वजह से पानी पुल के ऊपर से जाता है कई पुल कि हालत इतनी खराब है जिसका कोई अंदाजा नहीं लगा सकता।कभी भी किसी भी समय पर बड़ा हादसा हो सकता है।वही कुछ पुल टूटने कि कगार पर है वर्तमान विधायक मधु भगत ने प्रदेश के मुखिया मोहन यादव को चिट्ठी भेज कर क्षेत्र कि समस्या को तो रख दिया दी है। लेकिन अभी तक कुछ भी नही हुआ है।

आए दिनों होते है हादसे- राम

स्थानीय ग्रामीण राम साकुरे ने बताया कि नेशनल हाईवे एनएच 543 बालाघाट नैनपुर मार्ग की हालत लामता क्षेत्र में काफी जर्जर हो चुकी है। आए दिन यहां सड़क दुर्घटना होती रहती हैं।इसका तत्काल मरम्मतीकरण किया जाना चाहिए।उन्होंने बताया कि लामता क्षेत्र में इस सड़क की हालत कुछ ज्यादा ही खराब है जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं वहीं बारिश के दिनों में लोगों को आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

1 दिन भी नहीं नही टिकी सड़क की मरम्मत- सरपँच कोचर

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत लामता सरपंच हुलासमल कोचर ने बताया कि बालाघाट नैनपुर मार्ग एनएच 543 मार्ग में लामता मस्जिद के पास से पेट्रोल पंप तक बहुत सारे गड्ढे हो गए हैं। उन गड्ढे में बरसात के समय पानी भर जाता है। आने-जाने में लोगो के साथ साथ वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि बारिश के समय में इन गड्ढो को भरा गया था। लेकिन गड्ढो को सुखाकर नहीं भरा गया।जिसके चलते मरम्मतीकरण का वह कार्य एक दिन भी नहीं टीका और सड़क उखड़ गई। संबंधित विभाग ने इस पर ध्यान देकर तत्काल मरम्मतीकरण का कार्य कराना चाहिए।

सर्ववर्गीय कलार समाज युवा संगठन की बैठक में कार्यक्रम को लेकर हुई चर्चा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला क्षत्रिय कलचुरी कलार समाज सर्ववर्गीय बालाघाट के द्वारा 13 जुलाई को दोपहर 12 बजे से भटेरा चौकी स्थित शीतल पैलेस में प्रतिभा सम्मान समारोह व कैरियर गाईडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार की रात वार्ड नंबर 33 गायखुरी सहस्त्रबाहु मंदिर में युवा संगठन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें

कार्यक्रम में उपस्थिति को लेकर स्वजातीयजनों को आमंत्रण पत्र भी दिया गया। इस संबंध में सर्ववर्गीय कलार समाज युवा संगठन जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के वर्ष 2025 में कक्षा 10 वीं व कक्षा 12 वीं में 75 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं व खेल गतिविधियों एवं अन्य किसी विधाओं में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावानों एवं 75 वर्ष व उससे अधिक आयु के वरिष्ठजनों का भी सम्मान किया जाएंगा। युवा संगठन के द्वारा पुलिस विभाग में साइबर सेल में पदस्थ प्रधान आरक्षक शोभेन्द्र डहरवाल के अकस्मात निधन पर शोक व्यक्त कर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धाजंली दी गई।आयोजित कार्यक्रम में युवा संगठन के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल सहित आशीष गड़पांडे, अखिलेश मंडलेकर, रोहित केकतीकर, शेखर सोनगड़े, प्रकाश बोरीकर, आशुतोष डहरवाल, रवि डहरवाल, अरविंद डहरवाल, सारांश हिरवाने, हिमांशु चौकसे, राहुल डहरवाल, सुजीत डहरवाल, विशाल बघेल, सागर बिठले, अरविंद गड़पांडे, दीपक डहरवाल, डालेश डहरवाल, विक्की पालेवार, योगेश डहरवाल, दीपक तेलासे, श्रेयांश जायसवाल, हिमांशु डहरवाल, संदीप डहरवाल, जयकृष्णा डिंगरू, रोमांशु बोरीकर, हिमांशु जायसवाल, शिवम धुवारे, शशांक जायसवाल, विशाल बारेवार, अनुप चौरीवार, अभिषेक पिपलेवार, शुभम बिजेवार, हर्षित पिपलेवार, कुणाल पिपलेवार, देवानंद उके, आयुष जायसवाल, कुणाल सहारे, संजय तिलासे, पीयूष बिजेवार, बंटी हिरवाने सहित अन्य उपस्थिति की अपील की है।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 12 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधि कारियों की बैठक लेकर राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर मायाराम कोल, श्री एम आर धुर्वे, तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख, सहायक संचालक कृषि श्री राजेश खोब्रागड़े एवं मत्स्योद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में वारासिवनी, कटंगी, बैहर, लांजी,किरनापुर एवं परसवाड़ा के एसडीएम एवं सभी तहसीलदार वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से बैठक में उपस्थित थे।

सीत नदी का पुल हुआ क्षतिग्रस्त

आवागमन में हो रही भारी परेशानी, डेडवा और टिकरिया की ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें, स्कूल जाने से बच्चे हों रहे वंचित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत परसवाडा के खुरमुंडी पंचायत स्थित सीत नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने से डेडवा और टिकरिया के ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है, बताया जा रहा है कि इस पुल को प्रधानमंत्री सड़क योजना

अंतर्गत विगत चार साल पहले बनाया गया था।जो पिछले वर्ष हुई मूसलाधार बारिश ,बाढ़ व पानी के तेज बहाव के चलते क्षतिग्रस्त हो गया है।जहा आवागमन के लिए अन्य कोई मार्ग ना होने के चलते लोग इसी क्षतिग्रस्त पुल से जान जोखिम में डालकर आवागमन करने के लिए मजबूर है।जहा पुल पार करते समय अक्सर यहां दुर्घटनाए होती रहती है।जहां के स्थानीय निवासियों ने यथाशीघ्र पुल की मरम्मत कराकर आवागमन की सुगम व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है।

पिछले वर्ष की भारिश में क्षतिग्रस्त हुआ था पुल, आज तक नही बना

बताया गया कि पिछले वर्ष के बारिश के दौरान पुल क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे पंचायत द्वारा मुरूम डालकर मरम्मत किया गया था, लेकिन अभी हुई बारिश से पानी के बहाव से पुल फिर क्षतिग्रस्त हो गया है। साथ ही पुल का पुरा मलमा किसान के खेत में पट गया है, जिससे किसान की करीब दो एकड़ खेती की भूमि खराब हो गई है।

आवेदन निवेदन का भी नही हो रहा असर

स्थानियजनो के अनुसार क्षतिग्रस्त इस पुल की मरम्मत के लिए कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया है। लेकिन आवेदन निवेदन के बाद भी सम्बधितों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पुल क्षतिग्रस्त होने से डेडवा से टिकरिया का संपर्क टूट गया है, इसी पुल को पार कर बच्चे स्कूल भी जाते हैं, जों पुल क्षतिग्रस्त होने से स्कूल जाने से वंचित हो रहे हैं,जिससे स्कूली बच्चे सहित ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने जिला प्रशासन से सीत नदी का पुल को शीघ्र बनाने की मांग की है।

जल्द से जल्द बनाया जाए पुलिया - ग्रामीणजन

स्थानीय ग्रामीण संत्री बाई और बुधराम परते ने संयुक्त रूप से बताया कि पुल टूट जाने से बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। बच्चे दूसरे गांव के स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। पुल टूटने से खेती में भी बहुत नुकसान हुआ है। हमारी करीब 2 एकड़ कृषि भूमि में मिट्टी घुस गई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बारिश में यह पुल टूटा था जिसकी मरम्मत स्थानीय स्तर पर की गई थी। लेकिन इस बारिश में वहां की भी मिट्टी लोगों के खेतों में घुस चुकी है। लोगों को यहां से आवागमन में दिक्कत हो रही है हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द इस पुलिया का निर्माण किया जाए ताकि यहां से आवागमन हो सके।

किसानों को मिले मुआवजा, पुल का हो जल्द निर्माण-भुमेश्वर आर्मो

वही इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सरपंच प्रतिनिधि भुमेश्वर आर्मो सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पुल के टूट जाने से बहुत ज्यादा परेशानी है। बच्चे दूसरे गांव में पढ़ने के लिए नहीं जा पा रहे हैं। स्थानिय किसानों के खेतों में मिट्टी घुस गई है। उन्हें भी नुकसान हुआ है इस नुकसान का मुआवजा प्रशासन द्वारा किसानों को दिया देना चाहिए। हमारी मांग है कि इस पुल का जल्द से जल्द मरम्मतीकरण किया जाए। ताकि आवागमन की इस समस्या से हर किसी को निजात मिल सके।

15 महीने बाद फिर से शुरू होंगा 3 पैसेंजर ट्रेनों का संचालन

गोंदिया- कटंगी के बीच 2, तो तुमसर से बालाघाट ट्रेन 15 जुलाई से शुरू, ट्रेनों के 6 फेरों की बढ़ोतरी, कोरोना कल से बंद थी पैसेंजर ट्रेने

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट से विगत समय से बंद पड़ी मेमो ट्रेनों का परिचालन पुनः शुरू कराए जाने की मांग लगातार की जा रही थी।जिसको ध्यान में रखते हुए रेलवे मण्डल द्वारा 11 जुलाई को एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है।जारी किए गए इस नोटिफिकेशन में कोरोना काल से बंद तीन ट्रेनों को पुनः शुरू किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। जिसमें बालाघाट से प्रातः चलने वाली और गोंदिया से देर रात वाली मेमू ट्रेनो पुनः संचालन किए जाने के आदेश दिए गए है।साथ ही तुमसर से बालाघाट के लिए लंबे समय से बंद ट्रेन को भी शुरू करने कहा गया है।जानकारी के अनुसार गोंदिया से कटंगी, और तुमसर से बालाघाट के लिए चलाई जाने वाली यह तीनो ट्रेनें करीब 15 महीनों से बंद पड़ी थी। कोरोना काल से ही बंद इन तीनों ट्रेनों को 15 जुलाई से दोबारा शुरू किए जाने के आदेश दिए गए है। इन तीनो ही ट्रेनों के पुनः संचालन से जहा एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों की जिला मुख्यालय से कनेक्टिविटी बढ़ेगी तो वही दूसरी ओर जिलेवासियो को इससे बड़ी राहत भी मिलेगी।

तुमसर से बालाघाट, तो बालाघाट से तुमसर के लिए फिर दौड़ेगी डेमू ट्रेन

रेलवे द्वारा जारी किए गए नए नोटिफिकेशन के अनुसार करीब 15 महीनो से बंद ट्रेनो को फिर से शुरू किया जाएगा।15 जुलाई 2025 से यह ट्रेन सेवा बहाल होगी। यह ट्रेन तुमसर रोड होते हुए गोबरवाही, तिरोड़ी, कटंगी और वारासिवनी से बालाघाट तक जाएगी। वापसी में यह ट्रेन बालाघाट से होकर तिरोड़ी, गोबरवाही होते हुए तुमसर रोड आएगी। यात्रियों की सुविधा के अनुसार ट्रेन सुबह 10 बजे तुमसर रोड से रवाना होकर दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुंचेगी। वहीं वापसी की 78814 नंबर की डेमू ट्रेन दोपहर 3 बजे बालाघाट से चलकर शाम 5:30 बजे तुमसर रोड पहुंचेगी। यह सुविधा आमजन मानस के लिए उपयोगी साबित होगी।

तुमसर तक ट्रेन को इतवारी तक बढाने की है योजना

बताया गया कि तुमसर ट्रेन को पुनः शुरू किया जा रहा है, जिसे आगामी समय में इतवारी तक टाइम टेबल में संशोधन कर बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।जानकारी के अनुसार बालाघाट से इतवारी का भी टाइम टेबल में सुधार करने रेल बोर्ड को भेजा गया है।

कोरोना काल मे बंद की गई थी ट्रेने

आपको बताए कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा कोरोना कॉल के पहले डेमु ट्रेन, गोंदिया से रात्रि 10 बजे छूटने वाली गोंदिया से कटंगी, कटंगी से प्रातः 6 बजे छूटने वाली कटंगी से गोंदिया और दोपहर 2.45 बजे गोंदिया से कटंगी, कटंगी से 5 बजे छूटने वाली कटंगी से गोंदिया तथा तुमसर से बालाघाट के बीच चलने वाली तुमसर से प्रातः 10 बजे और वापसी में बालाघाट से दोपहर 3 बजे छूटने वाली को डेमु ट्रेन, को बंद कर दिया गया था। कोरोना कल में बंद की गई यह ट्रेन अब तक शुरू नहीं हो पाई है। जिसके कारण इन मार्गो पर यात्रा करने वाले, यात्रियों को परेशानियो का सामना करना पड़ रहा था। 15 जुलाई से पुनः शुरू करने के आदेश जारी किए गए हैं।

रात्रि में कटंगी के लिए नहीं मिलती थी ट्रेन

कोरोना कॉल में बंद हुई, गोंदिया से कटंगी ट्रेन रात्रि ट्रेन के नहीं होने से गोंदिया से कटंगी की ओर आने वाले लोगों को भारी परेशानियां होती थी। जिसके कारण, वह अधिक किराया देकर बस से सफर करने मजबूर थे। वहीं इसी ट्रेन के दूसरे दिन सुबह बालाघाट से प्रस्थान करने से यात्रियों को गोंदिया से महाराष्ट्, वंदेभारत, गीतांजली और भगत की कोठी जैसी अन्य ट्रेनों की सीधे कनेक्टिविटी मिलती थी। जो अब तक बंद पड़ी थी, लेकिन 15 जुलाई से इन ट्रेनो के प्रारंभ होने से यात्रियो को खासी सुविधा होगी और गोंदिया से लंबी दूरी की ट्रेनो की सीधी कनेक्टिविटी मिलने से रेल का सफर आसान होगा।

बालाघाट-गोंदिया नेशनल हाईवे के संबंध मे नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने वस्तुस्थिति स्पष्ट की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-गोंदिया नेशनल हाईवे क्रमांक-543 के उद्घाटन के पूर्व ही पहली बारिश में क्षतिग्रस्त होने संबंधी सूचनाओं पर नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया, परियोजना क्रियान्वयन ईकाई छिंदवाड़ा द्वारा वस्तु स्थिति सामने रखी गई है और इस संबंध में आम जन से अपील की गई है कि गलत सूचनाओं पर ध्याान न दे। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया, परियोजना क्रियान्वयन ईकाई छिंदवाड़ा द्वारा बताया गया है कि बालाघाट-गोंदिया एनएच-543 का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, और केवल सहायक कार्य बाकी हैं। इस कार्य को पूर्ण करने की निर्धारित पूर्णता तिथि 30 जनवरी 2026 है। इस वर्ष जल्दी और भारी मानसून बारिश के कारण बनाये गये हाईवे के उच्च तटबंध ढलानों पर बारिश के पानी के प्रवेश को रोकने और फुटपाथ के किनारों को कटाव से बचाने के लिए अस्थायी रूप से सादा सीमेंट कंक्रीट (पीसीसी) की परत लगाई गई थी। यह इस कार्य की एक मानक प्रथा है और अंतिम ढलान संरक्षण का हिस्सा नहीं है। 07 जुलाई 2025 को बालाघाट और आसपास के क्षेत्र में 230 मिमी की भारी बारिश (औसत दैनिक बारिश से 642प्रतिशत से अधिक) ने अस्थायी पीसीसी परत को नुकसान पहुंचाया, जिसके कारण पहुंच मार्ग में धंसाव हुआ। मिट्टी और (आरई) दीवार और संरचनाएं पूरी तरह से बरकरार व सुरक्षित हैं और उनमें कोई क्षति नहीं हुई है। सभी निर्माण कार्य अनुबंध समझौते, स्स्नत्रक्ष्ज्ञ× ॥ विनिर्देशों, द्धत्रष्ट दिशा निर्देशों और अच्छी इंजीनियरिंग मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं। इसकी निगरानी प्राधिकरण इंजीनियर द्वारा की जा रही है । प्राधिकरण इंजीनियर की तकनीकी निगरानी में नेशनल हाईवे के पहुंच मार्ग में हुए धंसाव को ठीक करने के लिए ईपीसी ठेकेदार ने प्रभावित क्षेत्रों में संसाधनों को तैनात किया है और इसका कार्य किया जा रहा है। यह सुधार कार्य जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा। मुख्यालय द्वारा तैनात तीन सदस्यों की गुणवत्ता नियंत्रण टीम वर्तमान में साइट पर है, जो नियमित निरीक्षण कर रही है और स्थिति का सभी पहलुओं से विश्लेषण कर रही है । ताकि सभी सुधार उपाय मानकों के अनुसार हों। टीम की सिफारिशों के आधार पर अतिरिक्त उपाय भी लागू किए जाएंगे। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया, परियोजना क्रियान्वायन ईकाई छिंदवाड़ा ने जनता से अनुरोध किया है कि गलत सूचनाओं पर ध्यान न दें और सटीक जानकारी के लिए आधिकारिक अपडेट पर भरोसा करें। उल्लेखनीय है कि भारतमाला परियोजना के तहत मध्यप्रदेश राज्य में ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) मोड में एनएच-543 बालाघाट-गोंदिया खंड के 41 किलोमीटर 210 मीटर में 4 लेन हाईवे का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण के लिए मेसर्स शिवबिल्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड-मेसर्स कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (जे.वी.) से 29 मार्च 2023 को अनुबंध किया गया है। इस 04 लेन हाईवे का निर्माण 547.48 करोड़ (पांच सौ सैंतालीस करोड़ अड़तालीस लाख रुपये) की लागत से किया जा रहा है। इस हाईवे को पूर्ण करने की नियत तिथि 30 जनवरी 2026 है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र.

ईस्तहार

रा.प्र.क्र.००/१३ ड-१५४/२०२४-२५

मौजा खैरी तहसील खैरलांजी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम खैरी प.ह.न. तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका रामदयाल तुरकर पिता/पति कान्हु तुरकर जाति पंवार निवासी खैरी तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता कान्हु तुरकर पिता/पति गोपाल गोपाल जाति पंवार का मृत्यु दिनांक १८/०६/२००६ पंजीयन किये जाने बबाद आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। अतः प्रस्तुत आवेदन पत्र के सबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक १४/०७/२०२५ तक स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि पश्च्यात प्राप्त आपत्ति अविचारणीय होगी ।

जारी दिनांक २५/०६/२०२५

सक्षम प्राधिकारी तहसीलदार
खैरलांजी

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है
पता-ललित इंटरप्राइजेस आजाद चौक, बालाघाट
मो. 7987292226

बेचना है
पूर्णतः सुसज्जित दुकान
(कास्मेटिक्स गारमेंट्स ज्वेलरी)
का सामान फर्नीचर सहित बेचना है
क्वीन्स फैशन
गौली मोहल्ला, बालाघाट
मो. 9926329401, 7746881529

आवश्यकता है
ऐश्वर्य कम्पयुटर में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-ऐश्वर्य कम्प्युटर
पानी टंकी के पास, पुराना रोजगार कार्यालय के सामने बूढ़ी, बालाघाट (म.प्र)
7691909255, 9424663575

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भरवेली के पंचों ने बुलाया सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

15 दिन के भीतर पंच चुनेगें नया सरपंच, एसडीएम ने कहा अविश्वास प्रस्ताव बुलाने पर होगी कार्रवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। **ग्राम पंचायत भरवेली के 14 पंचों द्वारा एसडीएम कार्यालय में ग्राम पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव लाने आवेदन दिया गया है । जहां अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने पर एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा बताया गया की पंचगणों द्वारा जो आवेदन दिया गया है , उस पर 15 दिनों के अंदर ग्राम पंचायत में विशेष सम्मेलन बुलाकर पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर कार्रवाई की जायेगी ।**

आपको बता दे की भरवेली ग्राम पंचायत में बीते कुछ महीनो से ग्राम पंचायत सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ तख्तापलट की तैयारी चल रही थी। आए दिन ग्राम पंचायत के कुछ पंचों द्वारा सरपंच पर अनियमितता करने सहित कई आरोप लगाए जा रहे थे। जिसमे पंचों का कहना था कि ग्राम पंचायत की सरपंच उन्हें आय व्यय की जानकारी नहीं देती। उनके कई वार्डों में मूलभूत सुविधाएं पर ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा ध्यान नहीं दिए जाते। अधिकतर ग्राम पंचायत में सरपंच पति का ही दखल होता है। जिस कारण वह ग्राम पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव बुलाएंगे। इसके लिए उन्होंने कई बार जिला मुख्यालय पहुंचकर आवेदन और ज्ञापन भी दिया था। बीते दिनों हुए ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण के बाद, बात और अधिक बिगड़ गई । जब मंत्री प्रहलाद पटेल ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण करने वाले थे, उस समय कुछ पंच इसका विरोध शांतिपूर्वक तरीके से करना चाहते थे। किंतु ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण के पहले ही सुबह के समय ग्राम पंचायत के लगभग 14 से 15 पंचों को पुलिस ने उठाकर थाने में नजर बंद कर दिया । कार्यक्रम खत्म होने के बाद पंचों को थाने से छोड़ दिया गया। जिसको लेकर स्वयं बालाघाट विधायक ने भी इस प्रकार पंचों को थाने में बिठाने का विरोध किया था और थाने परिसर में ही कुछ घंटों तक पंचों के साथ बालाघाट विधायक ने धरना दिया था। जिसके बाद 11 जुलाई की देर शाम पूरे पंच और विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में एक बैठक कर रणनीति बनाई गयी की ग्राम पंचायत में सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना है। इसको लेकर 11 जुलाई की रात्रि 9:00 बजे 14 पंचों द्वारा ग्राम पंचायत भरवेली के सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए एक आवेदन एसडीएम बालाघाट को दिया गया । अविश्वास प्रस्ताव लाने आवेदन को स्वीकार भी कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि अब 15 दिन के अंदर ही ग्राम पंचायत भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव बुलाते हुए विशेष सम्मेलन बुलाया जाएगा । अब पुन: यहां संभवत- एक नया सरपंच बन सकता है।

पहले भी बुलाया जा चूका है अविश्वास प्रस्ताव

अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई यह पहली बार नहीं बुलाई गई है। इसके पहले भी ग्राम पंचायत भरवेली के कुछ पंचों द्वारा ग्राम पंचायत भरवेली के सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बुला लिया गया है, किंतु आपसी सहमति के बाद अविश्वास प्रस्ताव बुलाने के बाद कार्रवाई पूरी नहीं हुई थी । पुन: गीता अनिल बिसेन ही ग्राम पंचायत भरवेली का प्रतिनिधित्व कर रही हैं । यह दूसरी बार पंचों द्वारा ग्राम पंचायत भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव बुलाया गया है। अब देखना होगा कि इस बार अविश्वास प्रस्ताव के तहत विशेष सम्मेलन बुलाया जाता है या फिर पुन: एक बार फिर सभी की सहमति से यह कार्रवाई बीते दिनों के तरह ही ठंडे बस्ते में चली जाती है।

15 दिनों में बुलाया जायेगा विशेष सम्मेलन - गोपाल सोनी

जब हमारे द्वारा ग्राम पंचायत भरवेली में बुलाये जा रहे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत भरवेली के 14 पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने आवेदन दिया गया है और इस आवेदन के तहत वह 15 दिनों के भीतर ग्राम पंचायत भरवेली में पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर विशेष सम्मेलन बुलाने की कार्रवाई पूरी की जायेगी ।

मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने एक व्यक्ति से की मारपीट और चाकू मारकर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने हाथ बुक्के से मारपीट किया और गले में चाकू मार कर फरार हो गए। मारपीट और चाकू के वार से घायल व्यक्ति परदेसी पिता उदय सिंह वाड़ीवा 40 वर्ष ग्राम कोचेवाही थाना लांजी निवासी है। 12 जुलाई को 12:30 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने दो दोस्तों के साथ कार में अपने गांव से बालाघाट न्यायालय पेशी पर आ रहा था। इस व्यक्ति का इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार परदेसी वाड़ीवा मजदूरी करता है। 11 जुलाई को परदेसी अपने दोस्त काशी यादव और आकाश टिकेश्वर के साथ फोर व्हीलर कार में बालाघाट न्यायालय पेशी में आ रहे थे। 12:30 बजे करीब रास्ते में हट्टा नाला के पास परदेसी ने लघु शंका के लिए कार रूकवाई और वह कार से उतरकर रोड किनारे लघु शंका के लिए जा रहा था तभी पीछे से मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग आये और परदेसी को अश्लील गालियां देने लगे, दो लोगों ने परदेसी को पकड़ कर रखे और तीसरे व्यक्ति शैलेंद्र गजभिए परदेशी को हाथ बुक्के से मार कर उसके गरधन में चाकू से तीन वार कर दिए। परदेसी के चिल्लाने पर कार में बैठे उसके दोनों दोस्त आकाश टिकेश्वर और काशी यादव कार से उतरकर दौड़ते आए। उतने में तीनों युवक परदेसी को पुन: मिलने पर जान से मार डालने की धमकी मोटरसाइकिल से फरार हो गई। इसके बाद घायल परदेसी अपने दोनों दोस्त के साथ कार में जिला अस्पताल पहुंचा। जिला अस्पताल में परदेसी का इलाज किया गया वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने परदेसी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

खेत गया व्यक्ति घर नहीं लौटा नदी में बहने की संभावना

एसडीआरईएफ की टीम ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं मिला परसराम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खुर्सीपार अपने घर से खेत गया व्यक्ति, घर वापस नहीं लौटा। परसराम पिता समारु पंजरे 58 वर्ष की बैनगंगा नदी में डूबने की संभावना को देखते हुए एसडीआरईएफ की टीम ने नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर इस व्यक्ति की खोजबीन की किंतु यह व्यक्ति नहीं मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार परसराम पंजरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। बताया गया है कि 11 जुलाई को सुबह परसराम पंजरे अपने घर से खेत जाने निकला था किंतु वह 1 बजे तक वह अपने घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने खेत जाकर परसराम की खोजबीन किये। किंतु वह नहीं मिला किंतु खेत समीप बहने वाली वाली बैनगंगा नदी किनारे परसराम पंजरे के का पेंट गमछा चप्पल देखे जाने पर इस व्यक्ति की नदी में डूबने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस व्यक्ति के गुम होने की रिपोर्ट उसके परिजनों ने रामपायली पुलिस थाना में की है। 12 जुलाई को जिला मुख्यालय से पहुंची एसडीआरईएफ की टीम बैनगंगा नदी में रेस्क्यु ऑपरेशन चलाकर इस व्यक्ति की खोजबीन किये। किंतु देर शाम तक इस व्यक्ति का नदी में कोई पता नहीं चला। संभावना व्यक्ति गई है कि इस व्यक्ति शौच के दौरान नदी में फिसल गया और नदी के तेज बहाव में बह गया।रामपायली पुलिस ने गुम इंसान कायम कर इस व्यक्ति की तलाश शुरू की है।

भारी बारिश के कारण गायखुरी में कच्चा मकान हुआ धराशायी

बुजुर्ग महिला ने लगाई सरकारी मदद की गुहार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मानसूनी सीजन में हुई मुलाधार बारिश ने जगह जगह तबाही मचाई है।जहां भारी भारिश के चलते नगर के वार्ड न.33 गांधी

नगर, गायखुरी निवासी 61 वर्षीय बुजुर्ग फूलमती पति स्व. कन्हैया मड़ावी का मकान अत्यधिक बारिश के चलते पूरी तरह से ढह गया है। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।बताया गया कि फूलमती का कच्चा मकान मोक्षधाम बायपास क्षेत्र में था।जो बारिश के चलते गिर गया।

तो जान माल का हो सकता था नुकसान

मामले को लेकर बुजुर्ग महिला फूलमती मड़ावी ने बताया कि बारिश के शुरुआती दिनों से ही मकान की हालत काफी खराब हो चुकी थी, जिसके कारण उन्होंने सावधानी बरतते हुए परिवार सहित मकान को खाली कर दिया था। उन्होंने कहा, अगर हमने समय रहते जरूरी सामान निकालकर घर नहीं छोड़ा होता, तो आज हमारा पूरा परिवार इस मलबे में दब गया होता। यह तो बड़े देव की कृपा है जो हम सब सुरक्षित हैं।

सरकारी मदद की लगाई गुहार

उन्होंने आगे बताया कि यह मकान उन्होंने वर्षों की मेहनत और कठिनाइयों के बाद बनवाया था, लेकिन अब यह पूरी तरह टूट चुका है। वर्तमान में उनके पास रहने का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है और उन्हें किराए के मकान में बहुत कठिनाई से गुजारा करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन,प्रशासन से अपील की है कि उन्हें पुन: मकान निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, जिससे वे दोबारा से एक सुरक्षित जीवन शुरू कर सकें।

मुख्य वन संरक्षक अधिकारी और दक्षिण वन मण्डल उत्पादन का कार्यालय होगा अरण्य संवाद केंद्र में संचालित

12 जुलाई को भी दोनों ही कार्यालय नजर आए सील बंद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 11 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद बालाघाट का मुख्य वन संरक्षक अधिकारी का कार्यालय और दक्षिण वन मंडल उत्पादन का कार्यालय सील बंद कर दिए गए हैं । जिसके बाद इन दोनों ही कार्यालय की वैकल्पिक व्यवस्था विभाग ने अरण्य संवाद केंद्र में कर दी है । हालांकि 12 जुलाई को भी यह दोनों कार्यालय सील बंद ही नजर आए। कोई भी वन विभाग के बड़े अधिकारी ने इस विषय पर कोई जानकारी मीडिया से साझा नहीं की है। बताया जा रहा है कि शनिवार और इतवार को छुट्टी होने के कारण विभाग सोमवार को ही अपना पक्ष रखेगा। हालांकि इन दो बड़े कार्यालय के सील बंद होने से यह चर्चा अभी भी विभागों और आमजन में चल रही है। आपको बता दे की वन विभाग के दो बड़े शासकीय कार्यालय के सील होने के बाद वन विभाग में 11 जुलाई को हड़कम मच गया था। मुख्य वन संरक्षक अधिकारी कार्यालय और दक्षिण वन मंडल उत्पाद कार्यालय के सील बंद होने के बाद सभी कर्मचारी कार्यालय के बाहर दिखाई दिए थे । किंतु सूत्रों की माने तो दोनों ही कार्यालय की व्यवस्था इन दिनों अरण्य संवाद केंद्र में की गई है । किंतु शनिवार और रविवार 2 दिन छुट्टी होने के कारण इन दिनों कार्यालय में सन्नाटा छाया रहा और बताया यह

भी जा रहा है कि सोमवार को ही वन विभाग इस पूरे मामले में अपना पक्ष रखेगा। किंतु कोई भी बड़ा अधिकारी का अभी तक मीडिया में इस विषय को लेकर बयान नहीं आया है । वन विभाग के कर्मचारी भी इस सील बंद की कार्रवाई से आश्चर्यचकित थे और अभी भी इस पूरे विषय को लेकर विभाग में चर्चाओं का दौर चल रहा है। सभी अब इस पूरे मामले को 20 वर्ष पुराना मामला बता रहे हैं। जनचर्चाओं में कहा जा रहा है कि वर्ष 2005 में बालाघाट में पश्चिम उत्पादन वनमंडल नामक कार्यालय सक्रिय था, जो वर्ष 2013 में बंद कर दक्षिण उत्पादन में विलय कर दिया गया। इस दौरान कल्पतरू एग्रो कोलकाता नामक फर्म ने विभाग से बड़ी मात्रा में बांस की खरीदारी की थी। फर्म ने बकायदा भुगतान भी किया, लेकिन कार्यालय के बंद हो जाने के बाद वह बांस उठाव नहीं कर सका। समस्या तब खड़ी हुई जब फर्म द्वारा भुगतान की गई राशि विभाग ने वापस नहीं की। फर्म के संचालक ने न्यायालय में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने 20 जून 2025 को आदेश दिया कि वन विभाग फर्म को करोडो की राशि लौटाए। माना यह भी जा रहा हैं कि जब विभाग द्वारा इस विषय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो पुन: फर्म के संचालक द्वारा न्यायालय में अग्रिम कार्रवाई की गई और कार्रवाई के बाद संभवत: और वन विभाग ने इस पर कोई जवाब ना दिया हो, तो कार्यालय को कुर्क कर सील बंद करने की कार्रवाई की गई है। हालांकि सूत्र यह भी बता रहे हैं कि जल्द ही विभाग अब इस पूरे मामले में न्यायालय में अपना पक्ष रखेगा और सील हुए इन कार्यालय पर विभाग अपना पक्ष रखते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए पत्राचार करेगा । जब हमारे द्वारा इस विषय को लेकर मुख्य वन संरक्षक अधिकारी गौरव चौधरी से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया गया।

अरण्य संवाद केंद्र में संचालित होंगे कार्यालय

विभागीय सूत्रों की माने तो अब दोनों ही कार्यालय के सील बंद होने के बाद विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए अरण्य संवाद केंद्र में इन दोनों ही कार्यालय का संचालन किया जाएगा, हालांकि शनिवार और इतवार दोनों ही दिन छुट्टी है जिस कारण शनिवार 12 जुलाई को वैकल्पिक व्यवस्था बनाए गये कार्यालय में भी सन्नाटा दिखाई दिया ।

बालाघाट में होंगी राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता

अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता का जिले को मिला मौका, देश के 16 राज्यो की टीम दिखाएगी पैरों का जादू, 16 जुलाई से 5 अगस्त तक 5 मैदानों में होंगा आयोजन, जिला फुटबॉल संघ ने बैठक का आयोजन कर दी जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेल के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुके बालाघाट जिले को राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन का मौका मिला है। जहां इस बार बालाघाट में अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 5 अलग अलग मैदानों में कराया जाएगा। यह आयोजन 26 जुलाई से 5 अगस्त तक चलेगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल टीम के खिलाड़ी बालाघाट पहुंचकर अपने पैरों का जादू दिखाएंगे।जिसकी तमाम जानकारी शनिवार को नगर पालिका में आयोजित एक बैठक में जिला फुटबाल संघ के पदाधिकारियो द्वारा दी गई। नपा सभागार में खेल आयोजन को लेकर हुई बैठक में प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, लता एलकर, अभय सेठिया, महेन्द्र सुराना, पूरनसिंह भाटिया, श्रीमती हेमा वाधवानी, हीरासिंह भाटिया, आशीष मिश्रा, राजेन्द्र शुक्ला, नपा सभापति कमलेश पांचे, वकील वाधवा, उज्जवल आमाडारे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मंच का संचालन टूर्नामेंट कमेटी संयोजक तपेश असाटी ने किया।

बालाघाट में ही होगा ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता की टीम का चयन

अखिल भारतीय फुटबाल संघ द्वारा बालाघाट जिले में अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप का आयोजन 26 जुलाई से 5 अगस्त तक किया जा रहा है। जो जिले के लिये गौरव व हर्ष का विषय है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से भारत की फुटबॉल टीम का भी चयन बालाघाट में किया जाएंगा। टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर शनिवार की शाम नपा परिषद बालाघाट के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।जहा आयोजित इस बैठक के दौरान प्रतियोगिता को सफल बनाने किस तरह तैयारियां की जाएगी इस बात पर विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारी व प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में चर्चा की गई।

प्रतियोगिता के लिए इन 16 राज्यो की टीम पहुचेगी बालाघाट

फुटबॉल संघ से मिली जानकारी अनुसार इस प्रतियोगिता में शामिल सभी 16 टीमों को चार ग्रुप में रखा गया है। जिसमें ग्रुप में त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, अंडमान-निकोबार और हिमाचल प्रदेश है। इसी तरह ग्रुप बी में हरियाणा, जम्मु कश्मीर, आसाम और राजस्थान, ग्रुप सी में आंघप्रदेश, पांडीचेरी, गुजरात और मध्यप्रदेश तथा ग्रुप डी में बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश और उत्तराखंड की टीमो को रखा गया है। जो अपने-अपने ग्रुप की टीमों से लीग मैच में भिड़ेगी। जिसमें सभी चार ग्रुप में उच्चतम अंक हासिल करने वाली टीमें सेमीफायनल में खेलेगी और सेमीफायनल की विजेता टीमो के बीच फायनल मैच खेला जाएगा। बताया गया कि इस टूर्नामेंट में करीब 16 राज्यों की टीमें शामिल होगी, जिनके बीच लीग पद्धति से करीब 27 मैच खेले जाएंगे। जिनके ठहरने खाने-पीने व अन्य दैनिक दिनचर्या के इंतजाम को लेकर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं जिसकी तमाम जानकारी जिला फुटबाल संघ द्वारा बैठक के दौरान दी गई।

पांच मैदानों में खेला जाएंगा मैच- यादव

इस संबंध में जिला सचिव फुटबाल संघ बालाघाट सुनिल यादव ने बताया कि राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप के करीब 27 मैच खेले जाएंगे। मैचों के आयोजन के लिये पांच खेल मैदानों को चयनित किया गया है। इसमें स्थानीय मुलना स्टेडियम, रेंजर कॉलेज मैदान, पुलिस लाईन स्थित खेल मैदान व ग्राम निलजी फुटबाल एकेडमी मैदान में मैच खेला जाएंगा। खिलाडियों के प्रशिक्षण के लिये उत्कृष्ट स्कूल मैदान, सतपुड़ा वेली पब्लिक स्कूल को शामिल किया गया है। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 5 अगस्त को खेला जाएंगा। जहां उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन भी किया जाएगा।

नक्शा तरमीम में कम प्रगति पर तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान बताया गया कि तिरोड़ी, बैहर,बिरसा, लामता, परसवाड़ा एवं वारासिवनी तहसील में 100 प्रतिशत से फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कटंगी,किरनापुर, बालाघाट, लालबर्रा, खैरलांजी एवं लांजी तहसील में 96 से 99 प्रतिशत तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य होना बताया गया। इस पर कलेक्टर श्री मीणा ने बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी एवं लांजी एसडीएम को इसकी समीक्षा कर एक सप्ताह के भीतर शेष फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ पाने से शेष रह गये किसानों परविशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये । नक्शा तरमीम के कार्य में ऋणात्मक रिपोर्ट रहने पर बैहर को छोड़कर शेष सभी तहसील के तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्री मीणा ने सभी तहसीलदारों को सख्त चेतावनी दी कि इस कार्य में प्रगति नहीं आने पर उनकी गोपनीय चरित्रावली में इसका उल्लेख किया जायेगा। उन्होंने इसमें कम प्रगति के लिए के वारासिवनी एवं कटंगी एसडीएम को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

एक महिला और उसके पिता को दो चचेरे भाई ने मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जालदा में धान के रोपा गाय के द्वाराचरने के विवाद को लेकर एक महिला और उसके पिता को उसके चचेरे भाइयों ने हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए। मारपीट में घायल पिता पुत्री का इलाज जिला अस्पताल में किया गया वहीं मलाजखंड पुलिस में जैवंती बाई पति फागुलाल उइके 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके चचेरे भाई दवन मेरावी और सुखराम मेरावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैवंती उइके खेती मजदूरी करती है और ग्राम जालदा में अपने पिता शंकर मेरावी के साथ में रहती है। जैवंती उइके के पिता शंकर मेरावी का उसके भतीजे दवन मेरावी ,सुखराम मेरावी के साथ घरेलू विवाद के चलते बोलचाल बंद है। 10 जुलाई को दमन मरावी के खेत का रोपा शंकर मरावी की गाय ने चर गई थी। शाम 5:30 बजे करीब जब जैवती उइके अपने घर में थी उसका पिता शंकर मेरावी घर में ही काम कर रहे थे। उसी समय दवन मेरावी अपने भाई सुखराम मेरावी के साथ शंकर मेरावी के घर के सामने आकर बोलने लगे कि तुम्हारी गाय ने हमारे खेत में आकर धान के रोपा को खो गई हैं, तुम लोग अपने गाय बैल को बांधकर नहीं रखते इसी के साथ ही दोनों भाई शंकर मेरावी को अश्लील गालियां देते हुए शंकर मरावी को हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे जमीन पर पटक दिए जैवती उइके झगड़ा छुड़ाने गई तो उसे भी दवन मेरावी और सुखराम मेरावी दोनों भाई ने मिलकर अश्लील गालियां देकर लकड़ी से मारपीट करने लगे।हल्ला सुनकर जेवती का पति ?गूलाल उइके तथा गांव के कलम सिंह परते दौड़कर आए और बीच बचाव कर झगड़ा छुड़ाएं ।मारपीट करने से जैवंती उइके और उसके पिता शंकर मेरावी को चोंटे आई। इसके बाद दवन मेरावीऔर सुखराम मेरावी दोबारा जानवर खेत तरफ दिखाई देने पर शंकर मेरावी को जान से मार डालने की धमकी देकर चले गये। 12 जुलाई को जैवती उइके अपने पिता शंकर मेरावी के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंचे। दोनों बाप बेटी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं मलाजखंड पुलिस ने जैवंती उइके 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके चचेरे भाई दवन मेरावी और सुखराम मेरावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

3 माह बीत जाने के बाद भी हितग्राहियों को नहीं मिली विवाह सहायता राशि

80 नवयुगल जोडों का महाविद्यालय परिसर में हुआ था विवाह, राशि के लिए जनपद पंचायत का लगा रहे है चक्कर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के महाविद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत गत 23 अप्रैल को सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इस अवसर पर 80 नवयुगल जोड़ों का पूरे विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न करवाया गया था। साथ ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुए 3 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत मिलने वाली विवाह सहायता राशि नही मिल पाई है। वहीं जिन 80 नवयुगल जोड़ों ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अपना विवाह करवाये है वे लोग विवाह सहायता राशि लेने के लिए जनपद पंचायत का चक्कर काट रहे है। लेकिन अब तक राशि नही मिलने के कारण खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जिम्मेदारों के द्वारा कब तक राशि मिलेगी उसके बारे में भी संतोषप्रद जवाब उन्हे नही दिया जा रहा है। जबकि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना शासन की महत्वकांक्षी योजना है और इस योजना के तहत विवाह करने पर शासन के द्वारा 55 हजार रूपये की राशि दी जाती है। जिसमें से 6 हजार रूपये विवाह खर्च में होता है एवं शेष 49 हजार रूपये का चेक लड़की को मिलता है और यह राशि गरीब व मध्यम परिवार के लोगों के लिए आर्थिक सहयोग होता है। लेकिन लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत 3 माह पूर्व मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत हुए सामूहिक विवाह के 80 वर-वधु को अब तक विवाह सहायता राशि नही मिल पाई है। वहीं विवाह के दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने वर-वधु को आर्शीवाद देने के लिए पहुंची थी। जिन्होने हितग्राहियों को संबोधित करते कहा था कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत 55 हजार रूपये की राशि शासन से मिलेगी जिसमें से 6 हजार विवाह खर्च एवं 49 हजार रूपये खाते में आयेगें। लेकिन सामूहिक विवाह हुए तीन माह बीत जाने के बाद भी अब तक हितग्राहियों के खाते में विवाह योजना की राशि नहीं पहुंची है। इस समस्या की ओर विधायक महोदया को भी ध्यान देना चाहिए ताकि हितग्राहियों को समय पर विवाह सहायता राशि मिल सके। वहीं विवाह सहायता राशि नही मिलने से मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना के 80 हितग्राहियों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना के तहत मिलने वाली विवाह सहायता राशि जल्द दिलवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

समय पर विवाह सहायता राशि नही मिलने से हितग्राहियों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि म.प्र. शासन के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या/निकाह विवाह योजना के तहत पूर्व में गरीब परिवार के युवतियों का विवाह करने के लिए शासन के द्वारा 55 हजार रूपये की राशि दिये जाते थे। जिसमें 11 हजार रूपये वधु के खाते में, 6 हजार रूपये आयोजन समिति एवं 38 हजार रूपये की गृहस्थी की सामग्री प्रदान किये जाते थे। लेकिन शासन के द्वारा इस नियम में संशोधन करते हुए अब गृहस्थी की सामग्री नही दी जाती है। उसके बदले में 49 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाती है जिससे नवयुगल जोड़े गृहस्थी की सामग्री खरीदी कर सकते है। वहीं लालबर्रा जनपद पंचायत के द्वारा करवाये गये सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुए जिसे 3 माह बीत जाने के बाद भी वर-वधु को सामूहिक विवाह के तहत 49 हजार रूपये की विवाह सहायता राशि वर्तमान समय तक नही मिल पाई है। जिसके कारण जिन लोगों ने सामूहिक विवाह में विवाह किये है वे विवाह सहायता राशि के लिए जनपद पंचायत कार्यालय का चक्कर काट रहे है। जबकि इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान 80 जोड़े परिणत्र सूत्र में बंधे थे। जिसमें 5 बौध्द धर्मावलंबियों की व 27 आदिवासी समुदाय की शादी तथा 48 जोड़ों का हिन्दू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ था। लेकिन विवाह हुए 3 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी विवाह सहायता राशि नही मिल पाई है। ऐसी स्थिति में नवयुगल जोड़ों व उनके अभिभावकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिन्होने शासन-प्रशासन से जल्द विवाह सहायता की राशि दिलवाने की मांग की है।

विवाह सहायता राशि नही मिलने से हितग्राही परेशान है - दीपक

जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर जनपद पंचायत लालबर्रा में विवाद के बाद बमुश्किल से मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हो पाया था। जिसमें क्षेत्र के अनेक गरीब परिवार के वर-बधुओं ने इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अपना विवाह करवाकर दांपत्य जीवन में बंधे थे परंतु विवाह को संपन्न हुए तीन माह बीत चुके हैं। लेकिन अब तक वर-वधु के खाते में सामूहिक विवाह के तहत मिलने वाली सहायता राशि नही मिल पाई है। जिसके कारण हितग्राही जनपद का चक्कर लगा रहे हैं परंतु वहां से भी उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है यानि की निराशा ही हाथ लग रही है। श्री कावरे ने बताया कि संबंधित अधिकारी से चर्चा की जाती है तो उनके द्वारा कहा जाता है कि प्रकरण तैयार करके भेज दिया गया है जैसे ही राशि आयेगी तो खातों में डाल दी जायेगी परंतु आज दिनांक तक 80 वर-वधु के खाते में सहायता राशि नहीं मिल पाई है जो कि वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि सरकार एवं प्रशासन को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और जल्द से जल्द सामूहिक विवाह के हितग्राहियों के खातें में विवाह सहायता राशि डाले।

समय पर राशि नही मिलने पर योजना पर प्रश्नचिन्ह लगते है - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि जिले के विभिन्न जनपद क्षेत्रों में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत हमारे गरीब भाई-बहनों के द्वारा विवाह किया गया है परंतु इन सामूहिक विवाह कार्यक्रम को तीन से चार माह बीत चुके हैं। लेकिन अब तक हितग्राहियों के खातों में विवाह सहायता राशि नहीं डल पाई है। इस संबंध में लालबर्रा सहित जिले के अन्य क्षेत्र के हितग्राहियों की भी शिकायत मिली है कि उन्हे अब तक विवाह सहायता राशि नही मिली है। श्री पालीवाल ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री व सामाजिक न्याय विभाग के मंत्री से निवेदन है कि जल्द से जल्द हमारे गरीब बहनों के खाते में विवाह सहायता राशि का भुगतान करें क्योंकि उनके द्वारा बड़ी उम्मीद व आशा के साथ मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत अपनी पुत्री के हाथ पीले करवाये गये और उन्हें आशा थी कि उन्हें विवाह सहायता राशि समय पर मिलेगी। जिससे उन्हें आर्थिक सहयोग मिल सकेगा। यह गरीबों के लिए एक बहुत बड़ी योजना है, यदि समय पर योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि का भुगतान नहीं होता है तो योजना पर प्रश्न चिन्ह लगने वाली बात होती है।

इनका कहना है-

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत लालबर्रा जनपद पंचायत के द्वारा 23 अप्रैल को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें 80 वर-वधु का विवाह संपन्न करवाया गया है। लेकिन अब तक शासन स्तर से विवाह सहायता राशि नही मिल पाई है। जबकि हमारे द्वारा जल्द विवाह सहायता राशि प्रदाय करने की मांग को लेकर शासन-प्रशासन को पत्र लिखा गया है, राशि प्राप्त होते ही हितग्राहियों को दे दिये जायेगें।

आकाश बोकड़े
ब्लाक समन्वयक
सामाजिक नि:शक्त न्याय विभाग लालबर्रा।

फिजिकल क्लब के पदाधिकारियों ने नवागत बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे से की मुलाकात

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओ.पी. बिसेन ने अपने सहयोगियों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा पहुंचकर गत दिवस नवागत ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. रितु धुर्वे एवं दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र गोहिया से मुलाकात की। साथ ही इस दौरान उन्होंने क्लब द्वारा संचालित सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी साझा की है। वहीं श्री बिसेन ने बीएमओं से स्वास्थ्य सेवाओं को जनसहयोग से और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में क्लब की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विभाग से अपेक्षित सहयोग की मांग की है। जिस पर नवागत बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाजहित में कार्य कर रही संस्थाओं को हरसंभव सहयोग किया जायेगा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ढांडे, फिजिकल क्लब औल्याकन्हार के चेयरमैन ओपी बिसेन, समाजसेवी दीपक तोमर उपस्थित रहे।

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया जल आवर्धन योजना का निरीक्षण

जाम में जनदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन, विधायक ने क्षेत्रीयजनों की सुनी समस्या, किया निराकरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे 12 जुलाई को लालबर्रा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होने 104 गांवों को प्रदाय करने वाली समूह पेयजल योजना के तहत जल आवर्धन योजना जाम का निरीक्षण किया। साथ जाम पंचायत में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा ग्रामीणों से भेंट कर उनकी समस्या सुनी और मौके पर ही अधिकांश शिकायत व मांगों का निराकरण किया। साथ ही कुछ मामलों में आवश्यक कार्यवाही हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है। विधायक के इस जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और उन्होने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के साथ ही मांग से संबंधित जानकारी विधायक श्रीमती मुंजारे के समक्ष रखे। जिसका विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सुनवाई कर उसके निराकरण का प्रयास किया है। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने शनिवार को लालबर्रा ब्लॉक की सबसे बड़ी जल आवर्धन योजना। जिसके माध्यम से 104 गांव के ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है। जिसका आकस्मिक निरीक्षण किया है। आपकों बता दे कि जल आवर्धन योजना विगत चार दिनों से बंद पड़ी थी। जिसके कारण क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिलने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था और आम जनता द्वारा विधायक से इस संबंध में शिकायत भी किये थे। जिसके बाद विधायक क्षेत्रीयजनों की समस्या को देखते हुए शनिवार

को जाम पहुंचकर जल आवर्धन योजना का निरीक्षण किया और उपस्थित उपयंत्री को निर्देशित किया है कि जल आवर्धन योजना का पानी क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की बात कही, बंद नही होना चाहिए। इसके अलावा कुछ खामियां सामने आने पर उसे दुरूस्त करने के लिए निर्देशित किया। वहीं विधायक ने जल आवर्धन योजना का निरीक्षण में देखा कि कुछ लोहे की रॉड पानी के ऊपर थी, जिसके संबंध में रंग पेंट करने के साथ ही आने वाले समय में फिल्टर प्लांट में साफ सफाई रखने के लिए निर्देशित किया है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ विधायक प्रतिनिधि सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनदर्शन के माध्यम से सुनी गई समस्या

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा ग्राम पंचायत जाम (ला.) पंचायत भवन में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस जनदर्शन कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने क्षेत्रीयजनों से आत्मीय मुलाक़ात कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। वहीं विधायक के जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीयजन शामिल हुए। विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि क्षेत्र में पेयजल की समस्या को लेकर जानकारी मिलने पर जल आर्वधन योजना का निरीक्षण किया है। जहां पर कुछ समस्या सामने देखी गई। जिसके निराकरण के लिये निर्देशित किया गया है। साथ ही पेयजल की आपूर्ति नियमित रखने के लिए पीएचई विभाग से कहा गया है। विधायक ने बताया कि इसी तरह से जनदर्शन के माध्यम से भी लोगों ने कुछ समस्याएं आई थी जिसका निराकरण किया गया और कुछ को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित भी किया गया है।

डीएपी खाद की तीन बोरी चोरी करते हुए ट्रक चालक को कर्मचारियों ने पकड़ा

चालक पर कार्यवाही करने की मांग, पूर्व में ट्रक चालकों ने खाद एवं धान की भी चोरी कर चुके है

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली सेवा सहकारी समिति साल्हे ला. में किसानों को वितरण करने के लिए इफकों कंपनी का डीएपी खाद की खेप ट्रक के माध्यम से 12 जुलाई को पहुंची थी जिसे गोदाम में खाली करवाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक के द्वारा डीएपी खाद की तीन बोरी चोरी करने का प्रयास किया गया। जिसे समिति के कर्मचारियों के द्वारा पकड़ लिया गया और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। जिसके बाद तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा इस संबंध में अपने जिला मुख्यालय के अधिकारियों व परिवाहनकर्ता को सूचित किया गया। साथ ही डीएपी खाद की चोरी करते पकड़ाये ट्रक चालक पर कार्यवाही करने की मांग की है। इस तरह से ट्रक चालक खाद लेकर सोसायटी आते है या फिर धान का परिवहन करते समय दो से तीन बोरी धान व खाद की चोरी कर लेते है और गिनती करने पर कम होने पर समिति को उसकी भरपाई करनी पड़ती है। इसी तरह से शनिवार को डीएपी खाद लेकर आये ट्रक चालक के द्वारा साल्हे ला. सोसायटी में तीन बोरी डीएपी खाद चोरी करने का प्रयास किया गया किन्तु समिति के कर्मचारियों के द्वारा उसे चोरी करते हुए पकड़ लेने पर वह चोरी करने में सफल नही हो पाया। अगर चोरी कर लेता तो समिति को 4050 रूपये का नुकसान हो सकता था। जबकि वर्तमान समय में डीएपी सहित अन्य खाद की कमी बनी हुई है। समिति के कर्मचारियों ने ट्रक चालक पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

ट्रक में आया था 560 बोरी डीएपी खाद, चालक ने 3 बोरी खाद चोरी कर केबिन में छुपा दिया था

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 जुलाई को जिला मुख्यालय से डीएपी खाद की 560 बोरी लगभग 28 टन खाद ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 7477 में सेवा सहकारी समिति साल्हे ला. में किसानों को वितरित करने के लिए भेजी गई थी और ट्रक चालक 560 बोरी डीएपी खाद लेकर दोपहर में समिति पहुंचा था। जिसके बाद समिति के कर्मचारियों के द्वारा हमालों के माध्यम से गोदाम में खाली करवाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक के द्वारा चालाकीपूर्वक डीएपी खाद की 3 बोरी को ट्रक के केबिन में छुपाकर चोरी करने का प्रयास कर रहा था तभी कर्मचारियों ने उसे देख लिया। वहीं जब उन्होने गिनती की तो 560 बोरी में से 557 ही बोरी पाई गई। जिसके बाद 3 बोरी डीएपी खाद कम पाये जाने पर पूछताछ की गई तो ट्रक चालक ने कहा कि पूरी 560 बोरी खाली हो चुकी है और वह झूठ बोलने लगा तो ट्रक में चढ़कर कर्मचारियों ने देखा तो ट्रक में सामने में बने केबिन में तीन बोरी डीएपी खाद पाई गई। जिसके बाद उन्होने अपनी वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दिये। जबकि एक बोरी डीएपी खाद की कीमत 1350 रूपये है, अगर समिति के कर्मचारी नही देखते तो वहां 4050 रूपये की समिति को चपत लगा देता जिसकी भरपाई समिति को करनी पड़ती। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सामने ट्रक को रोकने का समिति के कर्मचारियों ने प्रयास किया किन्तु ट्रक चालक तेज गति से वाहन चलाते हुए सीधे बालाघाट की ओर चले गया। इस दौरान सेवा सहकारी समिति साल्हे ला. का कर्मचारी एवं समीप में खड़े दो महिला ट्रक की चपेट में आ सकते थे। इस तरह से ट्रक चालक की लापरवाही के चलते बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती थी। समिति के कर्मचारियों ने बताया कि आये दिन ट्रक चालकों के द्वारा डीएपी सहित अन्य खाद किसानों एवं विभिन्न खाद्यान्न जो हमें जिला मुख्यालय से गरीबों को वितरण के लिए प्राप्त होता है उसमें भी इस तरह की चोरियां की जाती है जिसके कारण कई बार डिमांड के अनुसार खाद्यान्न सामग्री व खाद-बीज नहीं मिल पाता है। जबकि जिला मुख्यालय से सीमित मात्रा में सारे सामान लोड करके समिति के लिए भेजा जाता है परंतु इन ट्रक चालकों की चोरी के कारण पूरा माल हमारे गोदाम तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे हमें कई बार इसकी राशि स्वयं के जेब से भरनी पड़ती है एवं नुकसान सहना पड़ता है। इसको ध्यान में रखते हुए शनिवार को साल्हे ला. समिति में डीएपी खाद की बोरी पूरी सतर्कता से खाली करवाई जा रही थी। तभी कर्मचारी की नजर पड़ी की ट्रक चालक के द्वारा चालाकी से केबिन में कुछ बोरियां छुपाई जा रही थी जिसे हमने पास में जाकर देखा तो वह डीएपी खाद की बोरी थी। इस तरह से ट्रक चालक खाद की चोरी कर रहा था। प्रशासन से मांग है कि ट्रक चालक पर सख्त कार्यवाही करें ताकि इस तरह की घटनाओं की पुर्नावृत्ति न हो और ईमानदारी से समान गोदाम तक पहुंच सके।

कर्मचारियों से की जाती है वसूली - ठाकरे

म.प्र. सहकारी कर्मचारी महासंघ बालाघाट सचिव एमपी ठाकरे ने बताया कि साल्हे ला. सोसायटी में 560 बोरी डीएपी खाद ट्रक में आई थी, जिसे गोदाम में रखवाया जा रहा था। इसी बीच समिति के कर्मचारी के द्वारा गिनती की गई तो तीन बोरी कम खाद पाई गई। जिसके बाद ट्रक चालक से पूछा गया तो वह कुछ नही बोला, उसके बाद ट्रक के केबिन में देखा गया तो तीन बोरी डीएपी खाद पाया गया। इस तरह से ट्रक चालक ने डीएपी खाद चोरी कर लिया था लेकिन कर्मचारी के देख लेने के कारण वह सफल नही हो पाया और चोरी करते हुए पकड़ा गया। श्री ठाकरे ने बताया कि ट्रक चालक धान, खाद्यान्न व खाद की परिवहन करते समय चोरी करते है और कर्मचारियों से वसूली की जाती है, खाद कम पाये जाने पर उसकी भरपाई समिति को करनी पड़ती, चोरी करने वाले चालक पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

केबिन में तीन बोरी डीएपी खाद छुपा लिया था ट्रक चालक - लिल्हारे

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि साल्हे ला. सोसायटी में शनिवार को 560 बोरी डीएपी खाद की खेप आई थी और कर्मचारियों के द्वारा खाली करवाया जा रहा था एवं 10-10 बोरियों की छल्ली लगाई जा रही थी। इस दौरान हमालों के द्वारा 9-9 बोरी की तीन छल्ली लगा दी गई और बताया गया की 560 बोरी गोदाम में खाली कर दी गई है। जबकि हमारे कर्मचारियों के द्वारा देखा गया था कि ड्राइवर के द्वारा केबिन में चढ़कर तीन बोरी डीएपी की खींचकर ढक दिया गया था। इस तरह से ट्रक चालक तीन बोरी खाद चोरी करने का प्रयास किया था जिसे कर्मचारियों के द्वारा पकड़ लिया गया। जब उससे पूछताछ की गई तो वह झुठ बोलने लगा। जिसके बाद लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सामने ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया किन्तु वह तेज गति से चले गया। श्री लिल्हारे ने बताया कि चालक की लापरवाही के चलते कर्मचारी व दो महिला दुर्घटना का शिकार हो सकते थे, प्रशासन से मांग है कि वाहन चालक पर कठोर कार्यवाही करें ताकि इस तरह की घटना की पुनर्रावृत्ति न हो।

सरंडी अंडरब्रिज में जलभराव से ग्रमीणजन परेशान

ग्रामीण एवं राहगीर रेलवे ट्रैक से कर रहे आना.जाना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सरंडी पहुंच मार्ग पर वारासिवनी कटंगी मार्ग पर बने अंडरब्रिज में लंबे समय से जल भराव की समस्या बनी हुई है। जहां पर वर्तमान में पानी के साथ कीचड़ का अंबार लगा हुआ है । जहां से आवागमन करने में लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोटर साइकिल या छोटे बड़े वाहन वाले व्यक्ति बड़ी मुश्किल से आवागमन कर रहे हैं, तो वहीं साइकिल एवं पैदल चलने वाले राहगीर एवं ग्रामीण रेलवे ट्रैक के ऊपर से आना जाना कर रहे हैं। जहां पर जान का खतरा बना हुआ है किंतु अंडरब्रिज में समस्या होने के कारण उन्हें यह समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा अंडरब्रिज में पानी की निकासी एवं कीचड़ की सफाई किए जाने की मांग की जा रही है ताकि हर कोई सुरक्षित आवागमन कर सके।

आधा दर्जन से अधिक ग्राम के ग्रामीण मार्ग का करते हैं उपयोग

वारासिवनी कटंगी मार्ग स्थित ग्राम सरंडी के लिए रेलवे ट्रैक के नीचे से अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। यह मार्ग सरंडी से होते हुए लालबर्रा क्षेत्र के लिए निकलता है जहां से लोहारा, टेकाडी ,बड़गांव ,पिपरिया ,नेवरगांव सहित विभिन्न ग्राम के ग्रामीण प्रतिदिन वारासिवनी मुख्यालय के लिए एवं कटंगी रोड़ के लिए आना जाना करते हैं। यह अंडरब्रिज का निर्माण ब्रॉडगेज रेलवे लाइन के दौरान किया गया था जिसमें प्रारंभ से ही जल भराव की समस्या बनी हुई है। जहां से पर्याप्त रूप से पानी बाहर नहीं निकल पाता है ऐसे में कई बार पानी की मोटर लगाकर पानी निकासी की व्यवस्था करनी होती है। तो वहीं भारी मात्रा में मिट्टी जमा होने से कीचड़ की स्थिति हो जाती है ,ऐसे में हर साल ग्रामीणों को बारिश के मौसम में यह समस्या बनी रहती है। जिसको लेकर अनेकों बार ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से व्यवस्था बनाने की मांग की गई है किंतु वर्तमान तक स्थाई रूप से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में मूसलाधार बारिश के समय अंडरब्रिज में ५ फीट पानी भर जाने पर आवागमन बंद हो जाता है, तो वहीं वर्तमान में थोड़ा बहुत पानी है । किंतु कीचड़ अत्यधिक रूप में होने से छोटे बड़े वाहन आना जाना कर पा रहे हैं। साइकिल और पैदल चलने वाले लोग नहीं जा पा रहे हैं जिसमें अधिकांश विद्यार्थी शामिल है जो शिक्षा अध्ययन करने के लिए वारासिवनी आते हैं। जिन्हें रेलवे ट्रैक के ऊपर से आना जाना पूरे बारिश के दौरान करना होता है क्योंकि अंदर पानी भरा रहता है। तो वहीं मोटर साइकिल के चलने से पानी और कीचड़ के छींटे उनके ऊपर उड़ते हैं। साइकिल कीचड़ में फंस जाती है जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ कपड़े भी खराब हो जाते हैं ऐसे में वह लोग रेलवे ट्रैक के ऊपर से आना जाना कर रहे हैं। जबकि वाहन भी जान का जोखिम बना हुआ है यह परेशानी बीते कई वर्षों से बनी हुई है। जिसका आज तक निराकरण नहीं किया गया है और ना ही समस्या पर ध्यान दिया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

स्कुल के विद्यार्थियों को अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से आना जाना करना पड़ रहा है-लिकेश आड़े

छात्र लिकेश आड़े ने बताया कि अभी हम स्कूल से घर जा रहे हैं अंडरब्रिज में नीचे पानी और कीचड़ भरा हुआ है। उससे हमारे कपड़े जूते खराब हो जाते हैं साइकिल फंसने पर गिरने का डर लगा रहता है। जहां से आना जाना मुश्किल होने के कारण हम रेलवे ट्रैक के ऊपर से आना जाना कर रहे हैं। नीचे अभी पानी कम है परंतु बारिश होने पर यह पानी बढ़ जाता है दिक्कत हमेशा बनी हुई है । रोज हम स्कूल के लिए अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से आना जाना कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं कि अंदर से पानी निकल जाए सफाई हो अभी हम ऊपर से आना जाना करते हैं तो डर तो लगा रहता है।

सरंडी के अंडरब्रिज में सभी को हो रही आने जाने की परेशानी-शिवप्रसाद ठाकरे

ग्रामीण शिवप्रसाद ठाकरे ने बताया कि अंडरब्रिज में बहुत समस्या है पानी भर जाता है मिट्टी वहां पर जमा है स्कूल के बच्चों को अव्यवस्था होती है। जिससे बचने के लिए वह ऊपर से जाते हैं गाड़ियों से लोग निकालते हैं ,किंतु कीचड़ से स्लिप हो जाती है या फंसकर गिर जाती है बहुत ज्यादा समस्या यहां पर है। हर बार सफाई करने के लिए मांग की जाती है पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं पानी निकासी की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इस अंडरब्रिज में बारिश प्रारंभ होने से दिवाली तक समस्या रहती है । यह मार्ग अकेला एक गांव के लिए नहीं लोहारा,टेकाड़ी ,बड़गांव जैसे आधा दर्जन से अधिक ग्राम के लोग यहां से आना जाना करते हैं। पहले यह रोड़ के लेवल में था फिर यहां पर अंडरब्रिज सरकार ने जबरदस्ती बना दी जबकि उन्हें ओवरब्रिज बनाना था यही कारण है की समस्या बनी हुई है।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि अंडर ब्रिज की समस्या हर समय बनी हुई है यहां के पानी निकासी के लिए विभाग के अधिकारियों को बोला गया है। जिनके द्वारा पानी की मोटर से पानी निकासी का काम प्रारंभ कर दिया गया है। हमारे द्वारा इसके स्थाई समाधान के लिए विभाग से मांग की जा रही है।

राजेश गौतम
सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत सरंडी

हत्या के आरोपी निकेश लिल्हारे को आजीवन कारावास

मामला सवारी में सुंदरलाल बिरनवार की हत्या का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलाँजी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत सावरी में १४ अप्रैल २०२३ को

शराब की उधारी नही देने पर सुंदरलाल बिरनवार की हत्या के मामले में १२ जुलाई को वारासिवनी न्यायालय ने फैसला सुनाया है। जिसमें प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा के द्वारा आरोपी निकेश उर्फ लिकेश उर्फ पांडा लिल्हारे का आरोप सिद्ध होने पर उसे आजीवन कारावास एवं २००० रूपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है तो वहीं चार आरोपियों को दोष मुक्त किया गया है। उक्त प्रकरण में पीड़ित की ओर से पैरवी शासकीय अधिवक्ता संतोष लिल्हारे के द्वारा की गई हैं।

डंडे की मार से हुई थी सुंदरलाल बिरनवार की मौत

खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत सावरी के लोधीटोला निवासी छन्नालाल पिता पुरनलाल बिरनवार के द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसका भाई सुंदरलाल पिता पूरनलाल बिरनवार नागपुर कमाने खाने जाता है। वह विशेष अवसर पर अपने घर आता है ऐसे में सुंदरलाल बिरनवार नागपुर से अपने घर आया हुआ था। जिसके ठेकेदार के द्वारा ऑनलाइन रुपये उसके खाते में भेज दिए गए थे । जिसकी जानकारी मिलने के बाद सुंदरलाल बिरनवार रुपये निकाल कर लाने के लिए जाता हूं बोलकर घर से निकला था। जो ग्राम में गोमासे की दुकान में रुपये निकालने के लिए जा रहा था। तभी रास्ते में निकेश उर्फ लिकेश उर्फ पंडा पिता तुलाराम लिल्हारे उम्र २७ वर्ष के द्वारा सुंदरलाल बिरनवार को रोककर शराब की उधारी ६० रुपये देने की बात कहते हुए गाली गलौज की जाती रही। वहीं विवाद बढ़ गया जिस पर निकेश लिल्हारे के द्वारा लकड़ी के डंडे से सुंदरलाल बिरनवार को मारना प्रारंभ कर दिया। जिसके द्वारा सुंदरलाल के सर पर डंडे मारे गए वहीं राजेश पिता तुलाराम लिल्हारे ,सुखराम पिता आसाराम लिल्हारे ,पदमलाल पिता सुखमन दमाहे ,तुलाराम पिता सोनू लिल्हारे के द्वारा भी सुंदरलाल से मारपीट की गई। जिससे सुंदरलाल पिता पूरनलाल बिरनवार की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस के द्वारा भादवि की धारा ३०२,३४ के तहत अपराध क्रमांक ७६/२०२३ कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

यह सुनाई गयी सजा

अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने के उपरांत यह प्रकरण वारासिवनी न्यायालय के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में विचाराधीन था। जिसमें विद्वान न्यायाधीश कमलेश मीणा के द्वारा निकेश उर्फ लिकेश उर्फ पंडा पिता तुलाराम लिल्हारे उम्र २७ वर्ष लोधी टोला सावरी निवासी का अपराध सिद्ध होने पर उसे भादवि की धारा ३०२ के तहत आजीवन कारावास एवं २००० रुपये के अर्थ दंड से दंडित किया गया। वहीं अर्थदंड की अदायगी ना करने पर ६ माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई। वहीं प्रकरण में चार आरोपी राजेश लिल्हारे ,सुखराम लिल्हारे ,पदमलाल दमाहे ,तुलाराम लिल्हारे को संदेही का लाभ देते हुए दोष मुक्त किया गया।

फिर खाद के गोदाम खाली किसान परेशान

सोसायटी एवं मारफेट गोदाम के किसान लगा रहे चक्कर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में फिर से खाद का संकट उत्पन्न हो गया है। जिसको लेकर किसान चिंतित नजर आ रहे हैं तो वहीं किसानों के द्वारा समिति एवं मारफेट के गोदाम के चक्कर लगाए जा रहे हैं। परंतु कहीं भी उन्हें कोई खाद प्राप्त नहीं हो पा रहा है । ऐसे में दूर दराज से आ रहे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा समस्या राष्ट्रीयकृत बैंक के किसानों को उठानी पड़ रही है। हालांकि बीते दिनों जिला प्रशासन के द्वारा खाद की आपूर्ति की गई थी परंतु दो दिन बाद फिर सभी गोदाम खाली हो गए हैं। ऐसी स्थिति में किसानों के द्वारा खाद के लिए इधर.उधर भटक रहे हैं जिनके सामने एक बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। उनके द्वारा जल्द सोसायटी मारफेट फेडरेशन के माध्यम से खाद उपलब्ध कराने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

किसानो को डीएपीए २०२००१३ एवं यूरिया की हैं जरुरत

प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ का मौसम प्रारंभ हो गया है लोगों के द्वारा बारिश होने के बाद परहा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। तो वहीं कई लोग प्रारंभ करने की तैयारी कर रहे हैं पर प्रारंभ करने के पहले किसानों को खाद की नितांत आवश्यकता बनी हुई है। जिसकी व्यवस्था में किसान इधर उधर घूम रहे हैं बीते दिनों खाद की पूर्ति की गई थी परंतु आवश्यकता से बहुत कम खाद प्राप्त होने पर दो दिनों में ही गोदाम खाली हो गए। कुछ किसानों के द्वारा खाद ले जा लिया गया किंतु फिर भी कई किसान खाद नही मिलने से परेशान है। वर्तमान में मारफेट का गोदाम पूरी तरह खाली पड़ा हुआ है जहां पर डीएपी २०२००१३ और यूरिया पूरी तरह समाप्त हो गया है। जहां पर राष्ट्रीयकृत बैंक से कर्ज लेकर खेती करने वाले किसानो के साथ समिति के किसान लगातार चक्कर लगा रहे हैं जहां से उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। इस दौरान देखने में आ रहा है कि २५ किलोमीटर दूरी तक के लोग भी आना जाना कर रहे हैं। जहां पर जल्द खाद आने का आश्वासन तो दिया जा रहा है परंतु निश्चित समय नहीं बताया जा रहा है खाद की कमी बनी हुई है। जिससे किसान खाद नही मिलने से अपना परहा कार्य रोक दिया है की जल्दी खाद मिलती है तो पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

समय रहते किसानों को खाद नही मिला तो फसल होगी कम

किसान अर्जुन डहरवाल एवं सुरेश बांगरे ने बताया कि हम बुदबुदा के रहने वाले हैं हमें यूरिया और डीएपी की सख्त जरूरत है। क्योंकि हमारा परहा अब चालू होने वाला है जिसके लिए हम यहां गोदाम में आए हुए थे । परंतु यहां पर बताया जा रहा है कि डीएपी ,२०२००१३ और यूरिया तीनों खाद अभी हमारे पास नहीं है। यह खाद समय रहते मिल जाता है तो व्यक्ति खेती कार्य ठीक से कर पाते। हमारे यहां सोसायटी है वहां पर भी खाद खत्म हो गया है बहुत समय से आया नहीं है इस कारण से हमें इतनी दूर आना पड़ रहा है। हमारे गांव के आसपास की सभी सोसायटी हमने देख लिए है कहीं भी खाद नहीं है मेरे जैसे कई किसान परेशान हो रहे हैं। अभी सभी लोग खाद की रास्ता देख रहे हैं कुछ लोगों के पास पहले खाद रखा था या अभी आया था तो कुछ लोगों को मिला है वह पर आकर प्रारंभ कर चुके हैं परंतु अभी भी बहुत से किसान रुके हुए हैं। प्रशासन को जल्द व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि समस्या का समाधान हो सके हमें परेशान ना होना पड़े।

प्रशासन की लापरवाही के चलते क्षेत्र के तीन ग्रामों के तालाब की टूटी पार

विधायक पटेल ने ग्रामीणों से की चर्चा, घटना स्थल का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बकेरा,उमरवाडा और लालपुर में बारिश के कारण तालाब की पार फूटने से आसपास के खेतो में पानी घुस गया। जिससे सैकड़ों किसानों की खेती बर्बाद हो गई स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की लापरवाही पर आरोप लगाया है। यह सब प्रशासन की निगरानी और रखरखाव की कमी के कारण हुआ तालाब का उचित रखरखाव और निगरानी नही होने से तालाब की पार टूट गई । जिसकी शिकायत ग्रामीणों के द्वारा कई बार उच्च अधिकारी से भी की गई थी। मगर किसी भी अधिकारी ने तालाब की ओर ध्यान नहीं दिया जिसका परिणाम यह रहा की तालाब का पूरा पानी खेतो में बह गया और खेती की फसलें पूरी नस्ट हो गई। वहीं तालाब की सारी मछली भी बह गई जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा । घटना की सुचना मिलने पर विधायक विवेक पटेल मौके पर पहुँचे और कलेक्टर से चर्चा कर किसानो को हुए नुकसान का सर्वे करवाकर जल्द मुआवजा दिलाने की बात कही। ग्राम बकेरा,उमरवाड़ा और लालपुर में प्रशासन की लापरवाही के कारण तालाब उपेक्षा का शिकार हो गया। इस तालाब का निर्माण कई वर्ष पूर्व कराया गया था लंबे समय से तालाब का सोंद्रीयकरण नहीं होने से तालाब की पार टूट गई और पूरा पानी सहित पूरी मछलियां बह गई। ऐसी स्थिति में आने वाले दिनों में लोगों को पानी की काफी परेशानी उठाना पड़ सकता है। अगर जल्द ही इस तालाब

का मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया तो बाकी बचा पानी भी पूरा बह जाएगा। सरपंच प्रताप सिंह बिसेन ने कहा कि बारिश के पूर्व ही सिंचाई विभाग को तालाब की कमियोँ के बारे में अवगत करा दिया था। पिछले वर्ष भी बड़े.बड़े भूरके लग गए थे ग्रामीणों और विभाग की मदद से भुरके लगवाई गई थी। मगर इस बार विभाग ठीक नहीं करवाया उन्ही की लापरवाही की वजह से तालाब की पार टूट गई। जिससे तालाब से सटीक किसानो की खेती में लगी फसल पूरी नष्ट हो गई जिससे लगभग सैकड़ों किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं तालाबों से जीवन यापन करने वाले मछुआरे का भी जीवन आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विधायक विवेक पटेल ने कहा की प्रदेश सरकार हर वर्ष पानी की बूंद.बूंद बचाने के कवायद करती है उसके बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में जल संकट की समस्या खड़ी हो जाती है। जिसकी पूर्ति करने के लिए नगरी निकाय संसाधनों पर लाखों रुपये खर्च करती है। इसके बाद भी प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है इन तालाबों की मरम्मत कार्य और रखरखाव नहीं होने कारण आलम यह है। ग्राम बकेरा,उमरवाड़ा और लालपुर में तालाब की पार फूट गई। वहीं तालाब का पूरा पानी और मछलियां बह गई वहीं किसानों की खेती पर भी बुरा असर पड़ है।

सडक हादसे में जमनाबाई घायल जिला चिकित्सालय रिफर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वारासिवनी कटंगी मार्ग पर स्थित खंडवा मार्ग के पास सड़क हादसे में जमनाबाई मेश्राम घायल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमना बाई पति देवेंद्र मेश्राम ४५ वर्ष खंडवा निवासी वारासिवनी अपने जरुरी काम से आई हुई थी। जो कार्य के पश्चात् पैदल

ग्राम खंडवा जा रही थी। तभी वारासिवनी कटंगी मार्ग पर अज्ञात वाहन उन्हें टक्कर मार कर फरार हो गया। घटना की जानकारी घायल ने अपने परिवार को दी जिन्होंने उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया। जहाँ जमना बाई मेश्राम का प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय बहेतर इलाज के लिये रिफर कर दिया गया है।

बचपन में दिल का दर्द- क्या हमारी जीवनशैली मासूम धड़कनों की दुश्मन बन गई है?

भारत में बच्चों में हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका संबंध बच्चों की बदलती जीवनशैली, खान-पान, मानसिक तनाव और स्क्रीन टाइम से है। स्कूलों में नियमित हेल्थ जांच, योग, पोषण शिक्षा और अभिभावकों की जागरूकता से ही इस खतरे को रोका जा सकता है। यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतावनी है। जब भी हम हार्ट अटैक शब्द सुनते हैं, हमारे ज़ेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है—भागदौड़ भरी ज़िंदगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे कार्डियक अरेस्ट या सडन हार्ट फेल्योर बता देते हैं। क्या यह केवल संयोग है? या फिर हमारी जीवनशैली ने नन्हे दिलों पर हमला बोल दिया है? पिछले कुछ महीनों में देशभर से कई ऐसी घटनाएं सामने आईं हैं, जो इस खतरे की गंभीरता की पुष्टि करती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का है, जहां आठ साल की मासूम बच्ची स्कूल गेट पर पहुंचते ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। इससे पहले गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से भी स्कूली बच्चों की हार्ट अटैक से हुई मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंडियन मेडिकल जर्नल्स के अनुसार, 2021 और 2022 के बीच 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत के मामलों में 35त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में अकेले भारत में 32,457 युवाओं की मौत हृदयाघात से हुई। इनमें बड़ी संख्या 10 से 18 वर्ष के बीच के किशोरों की थी। सवाल यह है कि ऐसा हो क्यों रहा है? क्या यह सिर्फ अनुवांशिकता का मामला है? क्या बच्चों में जन्मजात हृदय रोग अचानक सक्रिय हो रहे हैं? या फिर इसके पीछे हमारी बदलती जीवनशैली, खान-पान, स्क्रीन टाइम, मोटापा, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता का कोई बड़ा योगदान है? विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका कारण मल्टी फैक्टोरियल है—अर्थात यह कई कारकों का मिश्रण है। आज के बच्चे ब्रेड-बर्गर, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर हैं। पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियाँ, दालें, फल, दूध अब उनके भोजन का हिस्सा नहीं रह गया है। पहले बच्चे गली-मोहल्ले में दौड़ते-खेलते थे। अब मोबाइल और गेमिंग कंसोल्स ने उनका बचपन छीन लिया है। खेल के मैदानों की जगह टैबलेट ने ले ली है। स्कूलों में अत्यधिक होमवर्क, कोचिंग की दौड़, माता-पिता की अपेक्षाएं और हर क्षेत्र में 'बेस्ट' बनने का दबाव बच्चों में मानसिक तनाव पैदा कर रहा है। यह तनाव शरीर में कोर्टिसोल और अन्य हॉर्मोन को असंतुलित कर देता है, जिससे हृदय पर असर पड़ता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, रील्स देखना और ऑनलाइन गेम खेलना बच्चों की नींद को प्रभावित करता है। नींद की कमी सीधे दिल की सेहत से जुड़ी है। बाल हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में हार्ट अटैक आमतौर पर कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज, कार्डियोमायोपैथी, इलेक्ट्रिकल डिसऑर्डर्स या मायोकार्डिटिस के कारण होता है। लेकिन इनका समय पर पता न चलने के कारण बच्चे अचानक मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में बाल स्वास्थ्य की जांच प्रणाली बहुत कमजोर है। अधिकतर स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप नहीं होते, और माता-पिता भी बच्चों के थकान या सांस फूलने जैसे लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस संकट से निपटने के लिए हमें एक बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी।

देश के सेना और वैज्ञानिक को सम्मान करना चाहिए

आज सब अपना देखते हैं यही खर्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रूपये का आज क्या वैल्यू है उसपर सव्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, जेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल खराब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान को बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट को ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और कोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अत: खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दु:ख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सीजफायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत खराब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ कोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गढ़ा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान

और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं। न्सरकार द्वारा अधिक पैसा छापना या खर्च करना भी महंगाई का कारण बन सकता है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएं-युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई का प्रभावन्खरीद शक्ति में कमीन्महंगाई से लोगों की खरीद शक्ति कम हो जाती है, क्योंकि वे अब एक ही राशि में कम सामान खरीद पाते हैं। बचत पर प्रभावन्महंगाई से बचत का मूल्य कम हो जाता है, क्योंकि मुद्रा का मूल्य गिर जाता है। महंगाई गरीबों पर अधिक प्रभाव डालती है, क्योंकि उनके पास अपनी आय बढ़ाने के सीमित विकल्प होते हैं। न्केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को बढ़ाकर और पैसे की आपूर्ति को कम करके महंगाई को नियंत्रित कर सकता है। न्सरकार खर्च को कम करके और करों को बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित कर सकती है। न्सरकार कुछ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को नियंत्रित कर सकती है और सब्सिडी प्रदान कर सकती है पेनाल्टी कम करे जो गलती से हुआ हो.उच्च महंगाई आर्थिक विकास को धीमा कर सकती है, क्योंकि यह निवेश और खपत को कम करती है।आर्थिक विकास पर जोड़ देना जरुरी है और हमेशा दूसरे देश की निर्भरता को कम करना छोटे उद्योग को ब?ावा देना सेना को यदि फ्री हैंड दिया है तो करने दीजिये उसे जो करना है जब मेरा सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट पर सिलेक्शन हेतु एस एस बी में गया तो इंटरव्यू लेने वाले ने साफ कह दिया था कम्युनिकेशन स्किल बहुत जरुरी है जो मुझमें कमी थी अत: उन्होंने बताया वहाँ इतना सोचने का टाइम नहीं होता है तुरंत ही दुश्मन पर हमला किया जाता है और कुछ भी मिस अंडरस्टैंडिंग हुई तो दुश्मन तुरन्त हमला कर देगा और अब सेना के प्रवक्ता से ही ऐ बात निकल कर आ रही है कि पाकिस्तानी सेना को टारगेट ना करने व आतंकवादी को टारगेट करने पर कुछ राफेल नस्ट हुए जबकी वहाँ की सेना ही आतंकवादी के लिए ही बनी है अत: सेना को कभी इसप्रकार की आदेश देने की जरुरत नहीं है और उनके साथ हमेशा विश्वास करना चाहिए देश सर्वोपरि है उससे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करनी चाहिए चाहे जंग कितनी लम्बी क्यों ना हो न्सप्लाई चेन मॅनॅग्मेंट का सही आकलन और तकनिकी पर फोकस करना चाहिए ब्रिक देशों के सम्मेलन में जाने के बाद भी अमेरिका का डॉलर ही चलने वाला है और अमेरिका की तकनिकी को अपने वैज्ञानिक द्वारा हासिल करना आखिर हम क्यों नहीं बना पा रहें है अपनी लड़ाकू विमान इसमें बीते सालों में अच्छा कार्य हुआ जैसे तेजस बना लेकिन इंजन कावेरी अमेरिका से आयात करना पड़ता है और यही सब कमजोरी का अमेरिका फायदा उठा लेता है और उधर चीन जो भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है जब किसी वस्तु या सेवा की मांग, उसकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं। न्कच्चे माल, श्रम या परिवहन की लागत में वृद्धि से भी कीमतें बढ़ सकती हैं।ऐसा नहीं है हमारे देश में प्रतिभा की कमी है लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल पृथ्वी और अग्नि के विकास में उनके योगदान के लिए उन्हें देश में 'भारत के मिसाइल मैन' के रूप में बहुत माना जाता था। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के शुरुआती दिनों में इसे विकसित करने में भी योगदान दिया अत: अब जनता के पॉकेट को खाली करने के बजाये सेना, वैज्ञानिक को अधिक महत्व देना आवश्यक है।

-(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

-संजय गोस्वामी)

थाईलैंड की पीएम व डोनाल्ड ट्रंप, नेतन्याहू, इंदिरा गांधी सहित अनेकों अंतरराष्ट्रीय हस्तियों को न्यायपालिका के फैसलों का सामना करना पड़ा है

वैश्विक स्तरपर सभी जानते हैं कि लोकतंत्र के प्रेस को मिलाकर चार स्तंभ होते हैं। विधायिका कार्यपालिका न्यायपालिका व मीडिया, जो अपने-अपने स्तरपर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पावरफुल होते हैं, परंतु अक्सर हम देखते हैं कि न्यायपालिका के पावरक्षेत्र में पंचायत समिति सदस्य से लेकर पार्षद व विधायक से लेकर संसद तथा मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री व स्टेट मंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री व पूरी मीडिया के प्लेटफॉर्म्स आते हैं,यांने अगर किसी भी कार्यक्षेत्र में कोई गड़बड़ी कानून का को तोड़ना उलंघन करना, भ्रष्टाचार करना या मानवाधिकार का हनन संविधान का उल्लंघन करते हैं तो न्यायिक क्षेत्र के पावर में आ जाते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि साफ सुथरे ईमानदार व्यक्ति को डरने घबराने की जरूरत नहीं, परंतु भ्रष्टाचार गलत आचरण से तो न्यायिक दायरे में आना ही पड़ेगा। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्यों के मंगलवार 1 जुलाई 2025 को थाईलैंड की पीएम को वहां के न्यायालय की संविधान पीठ ने7/2 के बहुमत से 1 जुलाई 2025 से पीएम पद के कार्य से निलंबित कर दिया है,जब तक संवैधानिक पीठ अपना फैसला नहीं सुनाती। पूरी दुनियाँ के प्रशासकीय व राजनीतिक क्षेत्र में खलबली मच गई है, क्योंकि यह एक बहुत बड़ी बात है। हालांकि विश्व के अनेक बड़े नेता डोनाल्ड ट्रंप, नेतन्याहू, इंदिरा गांधी सहित अनेको नेताओं को इन न्यायि? शक्तियों का सामना करना पड़ा है जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।न्यायालय की न्यायिक प्रक्रिया में खास से आम तक सभी व्यक्तियों को एक समान संहिता लागू होकर सजा या बरी होना खूबसूरती है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व में न्यायालय का पावर,पीएम से लेकर एक आम नागरिक तक को कानून का उल्लंघन करने पर न्यायिक शक्तियों का डर एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। साथियों बात अगर हम थाईलैंड की पीएम को संविधान पीठ द्वारा 7/2 बहुमत से पद से निलंबित करने की करें तो, संवैधानिक न्यायालय ने पीएम पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है।उनपर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है, क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है।इस बातचीत के लीक होने के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया था। कोर्ट ने 7-2 के अंतर से पीएम को पद से हटाया कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ शिकायत की जांच की जाएगी। अगर वह दोषी पाई गईं तो उन्हें हमेशा के लिए पद से हटाया जा सकता है।पीएम ने खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का मामला स्वीकार कर लिया है और अब जांच पूरी होने तक वह पीएम के पद पर काम नहीं कर सकेंगी। जब तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं होता, तब तक डिप्टी पीएम फुमथम वेचायाचाई सरकार चलाएंगे।किसी देश के पीएम को पद पर रहते हुए उसे निलंबित करना अपने आप में बहुत बड़ी बात होती है। साथियों बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट को शक्तियों की प्रक्रिया का सामना करने की करें तो,अब तक अमेरिकी अदालतों ने ट्रम्प प्रशासन के कम से कम 180 कार्यकारी आदेशों और नीतियों पर स्थाई या अस्थायी तौर पर रोक लगाई है। साथ ही, ट्रम्प ने खुद 11 प्रमुख फैसलों पर यू-टर्न लेते हुए पलटा है।रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने, संघीय कर्मचारियों की सामूहिक बर्खास्तगी और विदेशी सहायता रोकने जैसे आदेशों को अवैध या असंवैधानिक ठहराया है।वहीं, ट्रम्प ने फेडरल फंडिंग फ्रीज, अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा और टैरिफ नीतियों जैसे फैसलों को कई बार बदला या वापस लिया है।ट्रम्प के वो आदेश जिन्हें कोर्ट ने बदला ट्रंप ने वॉयस ऑफ अमेरिका को खत्म करने का फैसला लिया था, जिसे कोलोराडो की अदालत ने अवैध ठहराया। पर्यावरण नियमों को कमजोर करने वाले आदेशों को भी कैलिफोर्निया की अदालत ने रोका। वजह- वे क्लीन एयर एक्ट का उल्लंघन करते थे वाशिंगटन की अदालत ने गैर अमेरिकियों के लिए मतदान प्रतिबंध को असंवैधानिक माना। अप्रैल 2025 में एक हफ्ते में 11 मुकदमों में ट्रम्प प्रशासन को हार मिली।ट्रम्प के ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य अधिकारों को सीमित करने वाले आदेश को भी न्यूयॉर्क कोर्ट ने भेदभावपूर्ण ठहराते हुए अवैध ठहराया। इसके अलावा ट्रम्प के विदेशी फंडिंग से जुड़े आदेश को भी अदालत ने गलत माना।टैरिफ व बर्थ राइट के फैसले खुद पलटने को मजबूर हुए,ट्रम्प ने जिन नीतियों को बार-बार पलटा उनमें सबसे बड़ा मामला टैरिफ से जुड़ा है। साथ ही प्रवासी बच्चों की बर्थ राइट रोकने का फैसला भी आदेश के कुछ दिनों के भीतर ट्रम्प ने रद्द कर दिया।डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के तहत इबोला रोकथाम फंडिंग रद्द हुई, जिसे बाद में फिर बहाल किया गया।मेक्सिको-कनाडा के साथ व्यापार समझौते को रद्द करने की घोषणा की लेकिन दबाव के बाद इसे स्थगित किया। साथियों बात अगर हम भारत की तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी को इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले का सामना करने की करें तो,राजनारायण ने इंदिरा गांधी पर सात मुख्य आरोप लगाए थे,जैसे - चुनाव में विमानों और हेलीकॉप्टरों से उड़ान भरने के लिए सशस्त्र बलों की मदद लेना, मतदाताओं में कपड़े और शराब बांटना,चुनाव में गाय और बछड़े जैसे धार्मिक प्रतीक का उपयोग, मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक मुफ्त में पहुंचाना और सीमा से अधिक खर्च करना, लेकिन जस्टिस सिन्हा ने इन सात में पांच आरोपों को खारिज कर दिया,उन्होंने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (7) के तहत इंदिरा गांधी को दो भ्रष्ट आचरण का दोषी पाया, पहला - इंदिरा ने चुनाव में बेहतर संभावना प्राप्त करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली में राज्य के गैजेटेड अधिकारियों जैसे डीएम, एसपी और इंजीनियरों की मदद ली, दूँसरा, उन्होंने अपनी चुनावी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक गैजेटेड अधिकारी यशपाल कपूर की मदद ली, इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज रहे जस्टिस जगमोहन सिन्हा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण मामले में 12 जून, 1975 को अपने फैसले में इंदिरा के चुनाव को अयोग्य करार दिया था। साथियों बात अगर हम इजराइल के पीएम नेतन्याहू को इंटरनेशनल कोर्ट के फैसले का सामना करने की करें तो, आईसीसी के न्यायाधीशों ने इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ-साथ हमास के सैन्य कमांडर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं. एक बयान में कहा गया है कि एक प्री-ट्रायल चैंबर ने अदालत के अधिकार क्षेत्र में इजरायल की चुनौतियों को खारिज कर दिया था और बेंजामिन नेतन्याहू और योआव गैलेंट के लिए वारंट जारी किए थे। साथियों बात अगर हमबांग्लादेश की पूर्व पीएम को 6 माह की कंटेंप्ट आफ कोर्ट की सजा की करें तो बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने की कारावास की सजा सुनाई है। यह सजा सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियो क्लिप के आधार पर दी गई, जिसमें कथित तौर पर शेख हसीना को न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते और ट्राइब्यूनल को धमकी देते सुना गया था। तीन सदस्यीय ट्राइब्यूनल की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति गोलाम मुर्तुजा माजुमदार ने यह फैसला सुनाया।

किशन सनमुखदास भावनानीं

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है।

अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब?र्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। 'वा-ए-हिंद' जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें 'हाई रिस्क जॉन' की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजेक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं।

भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्तपोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। शनिवार को स्थानीय सियागंज किराना बाजार में ग्राहकी कमजोर रही। लेवाली से सूखे मेवों में मजबूती रही। खाद्य तेलों में कीमतें बनी रही। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त-सुस्त रहा। दलहनों में चने व मूंग अच्छे मालों में 50 रू. प्रति क्विंटल सुधर गये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शनिवार को किराना बाजार में ग्राहकी ठंडी रही। सूखे मेवों में छुटपुट लेवाली से बाजार मजबूत नज़र आये। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत नज़र आये। दलहनों में चना व मूंग में अच्छे मालों में पूछपरख से सुधार दर्ज हुआ। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4125, खोपरा गोला 340-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2210, सोया साल्वेंट 1100-1110, सोया रिफाइंड 1170-1180, कपास्या 1260, धूलिया 1270, कड़ी 1270,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1360-1370, मुम्बई पाम 1180, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6400-6600, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4200-4250, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में सामान्य कारोबार के बीच दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 112000, चाँदी (99) 111900, टंच 111400, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98300,

डीडीए की नई हाउसिंग स्कीम, दिल्ली में 177 नए फ्लैट होंगे उपलब्ध

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी में प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2025 को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में इस योजना को हरी झंडी मिली। योजना के तहत वसंत कुंज, द्वारका, रोहिणी, पीतमपुरा, जसोला और अशोक पहाड़ी जैसे प्रमुख इलाकों में कुल 177 फ्लैट और 67 कार/स्कूटर गैराज ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जाएंगे। इस योजना में उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के लिए आवास उपलब्ध होंगे। यह पहल राजधानी में बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए की गई है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपका कोई निर्णय अच्छा लाभ देगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोग दिल खोलकर निवेश कर सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को सक्सेस मिलने की संभावना थोड़ी कम है, क्योंकि उनके विरोधी उन्हें परेशान करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ नये संपर्क से लाभ लेकर आएगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको संतान के करियर में चल रही समस्याओं के लिए कोई अच्छा सुझाव मिल सकता है। आप अपने बॉस की बातों पर ढील बिल्कुल ना दें। जो विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में कमजोर हैं, उन्हें मेहनत अधिक करनी होगी, तभी उन्हें बेहतर रिजल्ट मिल सकेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धन-संपत्ति के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी कानूनी मामले में भी जीत मिलेगी। दोस्तों के साथ आप कुछ समय पुरानी यादों को साझा करेंगे। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। यदि आप किसी काम को लेकर परेशान है, तो उसमें आपके पिताजी की सलाह आपके लिए बेहतर रहेगी। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो उसमें आप अपने माता-पिता से आशीर्वाद अवश्य लेकर जाएं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचने के लिए रहेगा। आपकी धार्मिक कार्यों में भी काफी रूचि रहेगी। धन को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको काम को लेकर सलाह दें, तो आप उस पर अमल बहुत ही सोच विचारकर करें। आज का दिन आपके लिए जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचने के लिए रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपको अपनी दिनचर्या को बेहतर करने की आवश्यकता है। आप काम को लेकर कोई लापरवाही ना करें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई रुकी हुए डील फाइनल हो सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने भाई व बहनों से किसी बात को लेकर बहसबाजी में नही पड़ना है।

कन्या- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने किसी काम को लेकर अकस्मात यात्रा पर जा सकते हैं। आपके खर्च भी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाने की आवश्यकता है। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। कारोबार में भी आपकी योजनाएं आपको बेहतर लाभ देगी, जिससे टेंशन भी बनी रहेगी। आप अपने कुछ नए उपकरणों को शामिल कर सकते हैं। आपको अपने कामों को थोड़ा ध्यान रखकर निपटाने की आवश्यकता है। आप अपने घर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से परिवार में किसी पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है। सरकारी योजना में धन लगाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। करियर में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर यदि मतभेद चल रहे थे, तो वह भी दूर होंगे। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप किसी की कही सुनी बातों में ना आएं। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। आपका पूजा-पाठ में खूब मन लगेगा और जरूरी कामों को नजरअंदाज करने से बाद में आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी।

मकर- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, जिससे उनके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। रोजगार को लेकर इधर-उधर भटक रहे लोगों के कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आएंगे। आपको अपनी पारिवारिक मामलों को घर में रहकर ही निपटना बेहतर रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आपके आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में कोई गलती करने से बचना होगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपको अपने दिनचर्या को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करनी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर करने वाला है। राजनीति में कार्यरत लोगों को काम निकालने के लिए अपने व्यवहार में मधुरता बनाए रखनी होगी। आप खुला खर्च करेंगे, जिस कारण बाद में आपको धन की कमी का सामना भी करना पड़ सकता है। आप अपनी पैतृक संपत्ति संबंधित मामलों में

शब्दजाल - 7958

शब्दजाल में दस फूलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मु	हु	मे	रि	दु	च	मे	ली	च	ट	र्जी
मो	खु	क	च	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ग	पी	जा	म्पा	र	ग	बा	द	ह	प	ल
रा	ग	ए	रा	ह	जा	रा	ल	ह	गु	प्रे
गु	ल	मो	ह	र	ह	ला	कि	यो	ला	प
ल	ड़	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	ब	न
न	र	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ज	र	य	र	क	म	ल	वि	रे
र	या	बा	नी	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	गं	व	शि	के	त	की	ल
बां	स	प	ज	न	धा	घ	गु	ड़	ह	ल

कमल,गुलाब,मोगरा,चमेली,चम्पा,हजारा, रजनीगंधा,केतकी,गुड़हल,गुलमोहर

शब्दजाल - 7957 का हल

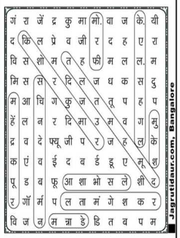

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6902

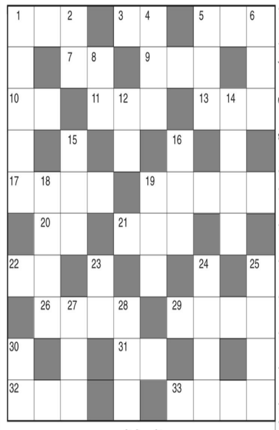

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6901

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	मकर में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.42 बजे से
सिंह	07.58 बजे से
कन्या	10.10 बजे से
तुला	12.20 बजे से
वृश्चिक	14.35 ब.से
धनु	16.51 बजे से
मकर	18.56 बजे से
कुंभ	20.43 बजे से
मीन	22.15 बजे से
मेष	23.46 बजे से
वृष	01.26 बजे से
मिथुन	03.24 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 194 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 06.53 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.28 बजे तदनन्तर विष्टि 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872404 **जूलियन दिन** 2460869.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 17 **विशेष** जयापार्वती व्रत समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अद्भुत मांग

प्रख्यात संत बाबा गुलाब चंद अघोरी अपने अद्भुत चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध थे। उनके चमत्कार देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते थे। लोगों को लगातार चमत्कार दिखाते-दिखाते बाबा ने उनमें महारत हासिल कर ली। इससे उनमें अभिमान आ गया। उन्हें अहसास हो गया कि वह कुछ भी कर सकते हैं। वह जिन लोगों से मिलते, अपने चमत्कारों या अपनी सिद्धियों की चर्चा जरूर करते। एक दिन बाबा गुलाब चंद संत साहित्य के लेखक सुदर्शन सिंह 'चक्र' की एक कविता पढ़कर गदगद हो उठे। चक्र जी की कविता से बेहद प्रभावित होकर उन्होंने उनसे कहा, 'आज तुम जो मांगोगे वही मिलेगा। मांगो, दिल खोलकर मांगो।' बाबा की बात पर चक्र जी बोले, 'नहीं बाबा, मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस मैं भगवान की भक्ति तथा साहित्य की साधना करता रहूं, यही मेरी आकांक्षा है।' चक्र जी के यह कहने पर भी बाबा बार-बार उनसे आग्रह करते रहे और बोले, 'आज मैं अपनी ओर से पहली बार आग्रह कर रहा हूं। नहीं मांगोगे तो बाद में पछताओगे।' यह सुनकर चक्र जी ने कहा, 'बाबा मैं जो मांगूंगा, उसे आप दे भी पाओगे या नहीं, पहले यह विचार कर लीजिए।' इस पर बाबा बोले, 'नहीं, तुम जो मांगोगे वह अवश्य मिलेगा, मैं तुमसे वादा करता हूं।' इसके बाद चक्र जी बोले, 'बाबा, तो आप यह आशीर्वाद दीजिए कि भारत में जितने रोगी हैं वे सब निरोगी हो जाएं, जो दरिद्र हैं वे दरिद्र न रहें।' चक्र जी की अद्भुत मांग सुनकर बाबा हैरान हो गए और फूट-फूट कर रोने लगे। वह चक्र जी के सामने नतमस्तक होकर बोले, 'आज तुमने मेरा अभिमान नष्ट कर दिया। आज मुझे यह पता चल गया है कि मनुष्य सभी कुछ करने की क्षमता नहीं प्राप्त कर सकता। चाहे वह कितनी ही सिद्धियां प्राप्त कर ले, वह अक्षम ही रहेगा। सर्व सक्षम तो केवल ईश्वर है।' बाबा की बात सुनकर चक्र जी वहां से चले गए।

सूडोकु नवताल- 7211

★★★ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7210 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 8426

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेंद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरूर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8425 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ।

गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसके विपरीत गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे सस्ता होकर 94.44 रुपये और डीजल 1.09 रुपये घटकर 87.51 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में राहत की खबर है। यहां पेट्रोल की कीमत 18 पैसे घटकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें अगले कुछ दिनों में और बदल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन दरों पर पड़ेगा। आम जनता को फिलहाल थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन आगे की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करेगी।

भारत अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से कर रहा भुगतान- आईएमएफ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहा है। इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य शीर्षक वाले नोट के मुताबिक 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट आना शुरु हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। नोट में कहा गया कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इस प्लेटफॉर्म से मिले सबूत बताते हैं कि इंटरऑपरेबिलिटी यूजर्स के डिजिटल भुगतान के अनुभव को बेहतर बना सकती है और इससे नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की दर में भी इजाफा हो सकता है। आईएमएफ ने नोट में कहा कि इंटरऑपरेबिलिटी सीधे तौर पर यूजर्स को अपना पसंदीदा ऐप चुनने की आजादी देती है, जिससे वे उपलब्ध ऐप्स की विविधता और गुणवत्ता का पूरा लाभ उठाते हैं। इंटरऑपरेबिलिटी नए प्रोवाइडर्स के प्रवेश को भी सुगम बना सकती है और मौजूदा प्रदाताओं को अपने ऐप्स अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे यूजर्स को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। यूपीआई को बढ़ावा देने एनपीसीआई ने 2016 के आखिर में भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) ऐप लॉन्च किया था। जून में यूपीआई लेनदेन की मात्रा सालाना आधार पर 32 फीयदी बढ़ी। पिछले साल जून की तुलना में लेनदेन मूल्य में 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दैनिक यूपीआई लेनदेन की संख्या मई के 602 मिलियन से बढ़कर जून में 613 मिलियन हो गई है।

एकल अभियान संच द्वारा जारी अखण्ड रामचरित मानस पाठ, महिला मंडल ने किया गायन

कल सावन के पहले सोमवार को कोटेश्वर धाम में कांवड़ियों का लगेगा मेला

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्मनगरी लांजी में श्रावण मास के पावन अवसर पर गुरू पूर्णिमा पर्व से ही विविध धार्मिक आयोजन प्रारंभ हो जाते हैं। श्रावण मास पर कावंड यात्रा, रूद्राभिषेक सहित जगह-जगह अखण्ड रामायण पाठ, सुन्दर काण्ड सहित विविध धार्मिक आयोजन देवालयों, शिवालयों में आयोजित किये जाते है। इसी धार्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत कोटेश्वर धाम में एक अद्भुत भव्य 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा 11 जुलाई से प्रारंभ किया गया है। जिसका समापन 10 अगस्त को कोटेश्वर धाम में महाआरती एवं महाप्रसादी के साथ किया जायेगा। रामचरित मानस पाठ के शुभारंभ अवसर पर मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल समेत कई बड़े नेता और धार्मिक लोग उपस्थित हुए थे। तो वहीं दूसरे दिन भी अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का गायन महिला मंडली द्वारा किया गया। तो वहीं दादा कोटेश्वर नाथ मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का दर्शन के लिए आना-जाना लगा रहा।

दादा कोटेश्वर महादेव को जल चढ़ाने उमडेंगे कावड़ यात्री

धर्म नगरी लांजी जहां प्राकृति की छटा बिखेरती सुरम्य वादियों मे आदिकाल से साक्षात भगवान श्री कोटेश्वर महादेव का वास है। सिद्धपीठ एवं 108 उपलिंगो में से एक भगवान श्री कोटेश्वर महादेव की महिमा का सम्पूर्ण जिले तथा संभाग एवं आस पास के पड़ोसी राज्यों मे इनकी महिमा का गुणगान व्याप्त है। 11 जुलाई से एक माह तक चलने वाले श्रावण मास में लाखों श्रृद्धालु भक्तजन कोटेश्वर धाम मे श्री कोटेश्वर भगवान के दर्शनों के लिए पंहुचेंगे साथ ही हजारों की संख्या में कांवडिये भी नदी के उद्गम स्थल, पवित्र सरोवर, झील आदि से कांवड़ यात्रा के माध्यम से जल लाकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाता है। श्रावण मास के प्रारंभ होते ही धार्मिक आस्था का केन्द्र कोटेश्वर धाम एवं लांजी नगरी में संपूर्ण माह भक्ति की गंगा बहते दिखाई देगी। इसी के साथ कांवड यात्राओ का दौर प्रारंभ हो गया है। वहीं मंदिरो में रामायण, सुन्दर काण्ड पाठ सहित अनेको पूजन-अर्चन कार्य पूर्ण किए जाएंगे। देखा जाये तो श्रावण मास भी अपने आप मे एक धार्मिक माह के रूप में देखा जाता है और इस धार्मिक माह पर अनेको धार्मिक आयोजन पूर्ण होंगे। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवड यात्रा 14 जुलाई प्रथम सोमवार से प्रारंभ हो रही है। समिति के कार्यालय से प्रातः 07 बजे कांवड़ यात्री छोटी बाघनदी के उद्गम स्थल चहेली सीतापाला के लिए प्रस्थान करते है। उद्गम स्थल से जल लेकर 42 किमी की पद यात्रा कर कोटेश्वर धाम पंहुचकर श्री कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं।

निःशुल्क जांच शिविर में 274 रोगियों की हुई जांच

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के बाजार चौक स्थित दशन हॉस्पीटल लांजी में 12 जुलाई को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ शुभम पटले एमबीबीएस एमडी, डॉ वैभव तुरकर छाती रोग एवं क्रिटीकल केयर विशेषज्ञ, डॉ धवल सावंत एमबीबीएस डीएनबी, डॉ अश्विन एम बुरडे बालरोग विशेषज्ञ एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ, डॉ वर्षा सिंह एमबीबीएस, डॉ संतोष कुमार रतोने जनरल फिजीशियन, चंद्रदीप रामटेके नेत्र सलाहकार ने निःशुल्क जांच किया। जानकारी में बताया गया कि शिविर में बीपी, शुगर, नेत्र जांच, बच्चों के स्वास्थ्य की जांच, किडनी की जांच के अलावा अन्य जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही जरुरत मंदों को निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया।

विभिन्न प्रकार के मरीजों की हुई जांच

दशन क्लिनिक में निःशुल्क कैंप का आयोजन किया जिसमें कई तरह के रोगी आए जांच के लिए पहुंचे हैं। शुगर, बीपी, थाईराइड के मरीजों की मैंने जांच की है। उनको परहेज करने लिए सलाह दी गई है साथ ही समय-समय पर दवाई लेने की सलाह दिया गया है।

डॉ शुभम पटले
एमबीबीएस, एमडी

शिविर में 274 रोगियों की जांच

दशन हॉस्पिटल में आयोजित निःशुल्क जांच शिविर में 274 रोगियों की जांच की गई। जिसमें अस्तिरोग के 50 मरीज, छातीरोग के 35 मरीज, आंखों के 40 मरीज के अलावा अन्य 150 मरीजों की सामान्य जांच की गई। इसके साथ ही सभी जरुरतमंद मरीजों की निःशुल्क जांच के अलावा दवाईयों का भी वितरण किया गया।

खार खोद रहे शेषराम घोरमारे की आकाशीय बिजली गिरने से मौत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुलसुली चौकी के ग्राम जूनेवानी में शुक्रवार, 11 जुलाई 2025 को आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे 65 वर्षीय किसान शेषराम घोरमारे की मृत्यु हो गई। मृतक के पुत्र लेखराम घोरमारे ने पुलिस को बताया कि उनके पिता दोपहर करीब 2 बजे धान के लिए खार खोदने खेत गए थे। उस समय तेज बारिश के साथ बिजली कड़क रही थी। शाम करीब 5 बजे गांव की भागरती बाई ने फोन पर सूचना दी कि शेषराम खेत में गिरे हुए हैं और उठ नहीं रहे। लेखराम ने खेत पहुंचकर देखा तो उनके पिता की मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद परिजनों की मदद से शव को लांजी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां शव को मर्चुरी में रखा गया। लेखराम की शिकायत पर पुलिस ने मर्ग क्रमांक 46/25, धारा 194 बी.एन.एस.एस. के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। देर शाम होने के कारण शव का पोस्टमार्टम 12 जुलाई को करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। लेखराम ने बताया कि उन्हें अपने पिता की मृत्यु को लेकर कोई संदेह नहीं है और यह हादसा आकाशीय बिजली गिरने से हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को लाडली बहनों के खातों में अंतरित की 26वीं किश्त

बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 790 लाडली बहनों के खाते में पहुंची 41.99 करोड़ रुपये की राशि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 12 जुलाई को उज्जैन की कालिदास अकादमी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और गैस सिलेंडर उज्जवला योजना के हितग्राहियों के खातों में जुलाई माह की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस कार्यक्रम का बालाघाट जिले के सभी आंगनवाडी केन्द्रों में प्रसारण दिखाया गया। कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ हितग्राही महिलायें उपस्थित थी। लाडली बहना योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 609 बहनों के खाते में 02 करोड़ 36 लाख 61 हजार 50 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 675 बहनों के खाते में 04 करोड़ 53 लाख 54 हजार 950 रुपये, विकासखंड बिरसा की 27 हजार 222 बहनों के खाते में 03 करोड़ 30 लाख 78 हजार 900 रुपये, विकासखंड कटंगी की 34 हजार 991 बहनों के खाते में 04 करोड़ 22 लाख 16 हजार 550 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 632 बहनों के खाते में 03 करोड़ 83 लाख 26 हजार 800 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 686 बहनों के खाते में 04 करोड़ 70 लाख 66 हजार 300 रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 626 बहनों के खाते में 04 करोड़ 53 लाख 81 हजार 900 रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 611 बहनों के खाते में 04 करोड़ 69 लाख 39 हजार 550 रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 370 बहनों के खाते में 02 करोड़ 68 लाख 44 हजार 100 रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 33 हजार 193 बहनों के खाते में 04 करोड़ 29 हजार 50 रुपये की राशि जमा हुई है। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8926 बहनों के खाते में 01 करोड़ 06 लाख 13 हजार 300 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5872 बहनों के खाते में 69 लाख 61 हजार 400 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3813 बहनों के खाते में 45 लाख 20 हजार 850 रुपये, नगर परिषद बैहर की 2685 बहनों के खाते में 31 लाख 29 हजार 450 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2458 बहनों के खाते में 29 लाख 50 हजार 700 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2421 बहनों के खाते में 28 लाख 75 हजार 650 रुपये की राशि जमा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप माह अगस्त में लाडली बहनों को 1250 रुपये की राशि के अतिरिक्त 250 रुपये की राशि रक्षाबंधन के उपहार के रूप में प्रदान की जाएगी।

मकान में आग लगने से घर में रखी वासिंग मशीन, टीवी व अन्य सामान जल कर हुआ राख

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 11मस्जिद के पीछे शनिवार को सुबह लगभग 11.30 बजे मकान में अचानक आग लग जाने से घर में रखी वासिंग मशीन, टीवी एवं अन्य सामान जल कर राख हो गया। घटना के संबंध में आबिद शेख पिता खालिक शेख ने जानकारी में बताया कि वह और उसका परिवार दूसरी मंजिल में रहता है। आज सुबह मैं अपने काम पर चला गया था एवं पत्नी बच्चे को छोड़ने स्कूल गई हुई थी। इस बीच मोहल्ले वालों ने घर से तेज धुआं निकलते हुए देखा गया एवं सूचना दी। आकर देखा तो पुरे कमरे भर धुआं ही धुआं था। फायर ब्रिगेड को सूचना देकर बुलाया गया, जिसने पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि सुबह से लाइट गुल थी, सुबह हीटर में पानी गर्म करने के बाद हीटर को उठाकर वासिंग मशीन पर रख दिया एवं बटन बंद करना भूल गए। जब लाइट आई तो घर पर कोई नहीं था, चालू हीटर गर्म होकर वासिंग मशीन को जलाते हुए आग पकड़ ली। इस घटना से वासिंग मशीन, टीवी के अलावा घर का काफी सामान जल कर नष्ट हो गया। घर पर यदि कोई होता तो निश्चित ही इतनी बड़ी घटना घटित नहीं होती।

कैंपस प्लेसमेंट से टाटा मोटर्स कंपनी पुणे में 21 छात्रों का चयन हुआ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के बालाघाट रोड स्थित बालाजी प्रा. आईटीआई लांजी में 12 जुलाई को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से टाटा मोटर्स कंपनी पुणे द्वारा छात्रों का इंटरव्यू लिया गया। जानकारी में बताया गया कि इंटरव्यू में चयन होने के बाद इन उम्मीदवारों को नौकरी प्रदान की जा रही है। इस प्लेसमेंट में छात्रों का चयन होने पर छात्रों को नौकरी के साथ 2 साल में पॉलिटेक्निक का डिप्लोमा भी कंपनी द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। इस कंपनी में हर माह 16180 रुपए वेतन के साथ बस, खाने की सुविधा, ड्रेस, डिप्लोमा की बुक फ्री में दी जाएगी। जिससे छात्र नौकरी के साथ पढ़ाई भी कर पाएंगे। इसमें उन छात्रों को लाभ मिलेगा पैसे के अभाव में आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। बालाजी आईटीआई लांजी में छात्र-छात्रओं को पढ़ाई के साथ रोजगार का अवसर भी दिया जाता है। बताया गया कि कैंपस प्लेसमेंट में लांजी ही नहीं बालाघाट के कुल 43 छात्र उपस्थित हुए। जिनमें 21 छात्रों का चयन हुआ है। इस कैंपस प्लेसमेंट में कंपनी के एचआर उपस्थित हुए साथ ही नागेंद्र रामटेक्कर, राकेश रामटेक्कर, संदीप सहारे, राम भोंडेकर, प्रदीप भटेरे, विजय मातरे, कृष्ण कुमार शेंडे, निशा भीमटे, पार्वती घोरमारे, विजय धारणे सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

पंद्रहवीं पुण्यतिथि 13/07/2025
चिट्ठी ना कोई संदेश जाने
वह कौन सा देश जहां तुम चले गये

स्व.श्री आशिष महिमेहरो
जन्म-14 जून 1986
महाप्रयाण-13 जुलाई 2010

स्व.श्री आशिष महिमेहरो
(छोटू पटेल)
पंद्रहवीं पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन
एवं ईश्वरीय विधान के आगे नतमस्तक ...
:: श्रद्धानवत् ::
युवराज पटेल, श्रीमती विद्या पटेल, अनिल पटेल (राजा),
श्रीमती किर्ती पटेल, श्रीमती अंजू-राजकुमार करहि, कु.अनिता पटेल,
ओम, चिया एवं पटेल परिवार, समस्त मित्रगण लांजी

आफत की बारिश ने रामपायली में मचाया अपना कहर आमजन जीवन को किया अस्त व्यस्त

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। अनवरत हो रही बारिश से जन जीवन और खेती किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे है। रामपायली क्षेत्र भी लगातार हो रही बारिश से काफी प्रभावित हुआ है, जहां जीवन दायिनी चंदन नदी अपने उफान पर है तथा रामपायली की प्रारंभिक सीमा से बहने वाला नाला भी अपने रौद्र रूप में बहता दिखाई दे रहा है। जिससे ग्राम के नीचले हिस्से के वार्ड नं.३,४,५,६ बाढ़ से प्रभावित दिखाई दे रहे है। चंदन नदी में आई बाढ़ से रामपायली और बिठली के बीच निर्माणाधीन पुलियां प्रभावित हुआ है। वहीं रामपायली में निर्माणाधीन मंदिर घाट एवं मोक्षधाम भी चपेट में आ गए है। रामपायली की प्रारंभिक सीमा से बहने वाला नाला भी पूर्णतः अपने उफान पर है तथा यहां से पूर्व में बाढ़ आने पर आसानी से बह जाने वाला पानी इस बार आस पास के खेतों में पूर्णतः जमा हो गया है। जिसकी वजह मुख्यतः नाले के किनारे बने नाले की सीमा में दीवार खड़ी करने से आस पास के किसानों के खेतो में पानी भर गया है जिससे किसान बेहद चिंतित है। नाला जहां से बारिश में खेतों का पानी सीधा चंदन नदी में समा जाता हैं वह इस बारिश में अपने विपरीत दिशा में बाढ़ का पानी खेतों में फैलाता चला गया । जिसका मुख्य कारण शासन के राजस्व अभिलेख में दर्ज नाले की सीमा में प्रॉपर्टी डीलर के द्वारा जमीन खरीद कर बाउंड्री वाल का निर्माण करना है। किंतु शासन प्रशासन के द्वारा इस ओर ध्यान नही देना गंभीर चिंतन का विषय है। मुख्य मार्ग पर मौजूद इस नाले पर से राजस्व के अधिकारी कर्मचारी आए दिन गुजरते रहते है । किंतु नाले पर इस तरह निर्मित बाउंड्री वाल के निर्माण से किसानों की खेती प्रभावित हुई है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो बालाघाट द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में आयोजित किया गया । इस अवसर पर संगोष्ठी और प्रश्न मंच भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर बढ़ती हुई जनसंख्या के दुष्परिणामों के बारे में विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर आरसेटी बालाघाट के डायरेक्टर श्री एस. बी. भोडेकर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री प्रतिभा टेंभरे, फैकेल्टी श्रीमति अनीता चौधरी, इकाई प्रभारी अजय बैस , शिवम कटरे सहित प्रशिक्षणार्थियों महिलाओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी अजय बैस ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं बढ़ती हुई जनसंख्या के परिणाम पर परिचर्चा के माध्यम से बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य,पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों पर इसका असर पढ़ रहा है। जागरूकता कार्यक्रम एवं संचार गतिविधियों के माध्यम से आगे आने वाली पीढ़ी को इसके बारे में बताया जा रहा है। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक श्री एस.बी. भोंडेकर,वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मास्टर ट्रेनर प्रतिभा टेंभरे, अनीता चौधरी ने भी महिला मुद्दे एवं समाज में हो रहे सामाजिक बदलाव पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि जागरूकता के भाव में समाज में तेजी के साथ जनसंख्या वृद्धि हुई और अब नई पीढ़ी जनसंख्या वृद्धि के परिणाम को देख रहे हैं ।कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने अपने अनुभव रखें कि पहले किस तरीके से लिंग भेद था और जागरूकता के कारण बेटा, बेटियों में कोई फर्क नजर नहीं आ रहा है। इस अवसर पर परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में फैकेल्टी अंकित लिल्हारे , शिवम कटरे सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सरकार की साख का कौन बैठा रहा बट्टा...

अफसरों का दावा मप्र में उर्वरक का भरपूर स्टॉक...उधर खाद की किल्लत और कालाबाजारी से किसान परेशान...

भोपाल। मप्र में यूरिया खाद की कमी से किसान परेशान हैं। शासन और प्रशासन द्वारा खाद की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा है लेकिन हालत ऐसे नहीं हैं। वितरण केंद्रों पर किसानों की भीड़ लग रही है। आरोप है कि निजी दुकानों पर यूरिया 400 से 500 रुपए में बेचा जा रहा है। महंगा खाद खरीद कर किसान खेतों में डालने को मजबूर हैं। वहीं कई जगह नकली खाद के कारण फसलें खराब हो रही है। एक तरफ सरकारी वितरण केंद्रों पर खाद नदारद है, वहीं निजी दुकानों पर ऊंची कीमत पर खाद आसानी से मिल रहा है। अफसरों का दावा है कि मप्र में उर्वरक का भरपूर स्टॉक है, उधर खाद की किल्लत और कालाबाजारी से किसान परेशान हो रहे हैं। ऐसे में सवाल भी उठ रहे हैं कि सरकार की साख का कौन बट्टा बैठा रहा है।

मप्र में खाद की किल्लत और कालाबाजारी से किसान परेशान है। खरीदी केंद्रों पर किसान एक बोरी खाद के लिए मारामारी कर रहे हैं, वहीं निजी दुकानों पर खाद आसानी से मिल रहा है। किसानों का आरोप है कि

सरकारी यूरिया कालाबाजारी के जरिए निजी दुकानदारों के पास पहुंच रहा है। जिसे किसानों को महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। किसान रात से ही शासकीय केंद्रों के बाहर लाइन में लगने को मजबूर हैं। आधार कार्ड और भू-अभिलेख लेकर घंटों तक इंतजार करना पड़ता है, फिर भी खाद मिलने की कोई गारंटी नहीं रहती। किसानों के अनुसार एक एकड़ फसल में कम से कम दो बोरी खाद की जरूरत होती है, लेकिन इस समय मांग और आपूर्ति में भारी असंतुलन है।

यूरिया के 200 और डीएपी के 600 रुपए वसूली

एक तरफ सरकार दावा कर रही है कि प्रदेश में पर्यापत खाद है वहीं दूसरी तरफ किसान डीएपी और यूरिया की किल्लत से जूझ रहे हैं। मक्का, सोयाबीन, धान और अरहर की फसलों पर छिड ?ाव के लिए किसान यूरिया के लिए परेशान है, लेकिन खाद की अनुपलब्धता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश की कृषि उपज मंडियों की सरकारी खाद दुकान पर किसानों को 18-46 खाद नहीं मिल रही है। इसकी जगह उन्हें 20-20-13 खाद दी जा रही है। किसानों को खाद के साथ लिक्विड खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। यूरिया के लिए 200 रुपए और डीएपी के लिए 600 रुपए अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। लिक्विड नहीं खरीदने पर खाद देने से मना किया जा रहा है। शासकीय समितियों और विपणन संघ के भंडारण केंद्रों में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। डीएपी का सरकारी मूल्य 1350 रुपये प्रति बोरी है, जबकि खुले बाजार में यह 1500 से 1700 रुपये तक बेचा जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थिति सिर्फ डीएपी तक सीमित नहीं है। यूरिया खाद की स्थिति और भी खराब है।

रात में हो रही खाद की ब्लैक मार्केटिंग

किसानों ने आरोप लगाया कि वितरण केंद्र से रात के अंधेरे में खाद की ब्लैक मार्केटिंग की जा रही है, जबकि सुबह से कतार में लगे किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ता है। नंबर लगाने के नाम पर भी पैसों की मांग की जा रही है। कृषि विभाग की सलाह थोड़ा-थोड़ा यूरिया उठाएं,कोई कमी नहीं है। बैतूल के कृषि विभाग के उप संचालक डॉ. आनंद बड़ोनिया ने बताया कि 4 लाख 43 हजार हेक्टेयर में खरीफ की फसल ली जा रही है। पिछली बार 2 लख 11 हजार में मक्का था। इस बार 2 लाख 40 हजार हेक्टेयर में। मक्का लग चुका है। पिछले साल से तुलना करे तो गत वर्ष 98 हजार मैट्रिक टन खपत हुई थी खरीफ में अभी इस साल जुलाई में ही 52500 मीट्रिक टन बांट चुके है। हमारे पास यूरिया लगातार आ रहा है लगातार खर्च हो रहा है। अभी कलेक्टर ने चार रैक के लिए पत्र लिखा है ताकि लगातार यूरिया मिलता रहे।

टोकन वितरण केंद्रों पर लंबी कतारें

शिवपुरी में रबी की फसल के लिए खाद की भारी किल्लत हो गई है। किसानों को यूरिया और डीएपी खाद नहीं मिल पा रही है। यही हाल पूरे मप्र में हो गया है। इसे लेकर किसान सड? जाम भी कर चुके हैं। टोकन व्यवस्था होने के बावजूद भी हालात बेकाबू हैं। किसानों को टोकन और खाद के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। कई जगहों पर तो मारपीट तक की नौबत आ गई है। शिवपुरी जिले में खाद की कमी की वजह से अन्नदाता परेशान हैं। खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जिला प्रशासन ने टोकन सिस्टम लागू किया है लेकिन उसके बावजूद भी स्थिति नियंत्रण में नहीं है। टोकन लेने के लिए ही किसानों में धक्का-मुक्की और मारपीट हो रही है।

होलसेल से ही शुरू हो जाती है कालाबाजारी

एक तरफ किसान को फसल बचाने के लिए खाद नहीं मिल रही है, वहीं दूसरी ओर मुनाफाखोर होलसेल से लेकर रिटेल तक किसानों को लूटने में लगे हैं। किसानों को ऊंचे दामों पर खाद खरीदनी पड़ रही है। खाद के बड़े होलसेलर छोटे खाद भंडारों को जो यूरिया और नैनो यूरिया उपलब्ध कराया है, उसके कच्चा-पक्का रसीद और बैंकिंग स्लिप को देखकर यह स्पष्ट होता है कि होलसेल स्तर से ही खाद की कालाबाजारी शुरू हो जाती है। सरकार गांव गांव में सोसायटी के जरिए कम दामों पर खाद, बीज, यूरिया उपलब्ध कराती है। लेकिन किसानों का कहना है कि इन दिनों सोसायटियों में यूरिया खाद नहीं दिया जा रहा है, जिससे यूरिया की किल्लत हो गई है। अब व्यापारी किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। किसानों का कहना है कि व्यापारी मनमानी कर रहे हैं।

विपक्ष का आरोप

कांग्रेस के साथ ही विपक्ष की अन्य पार्टियों के नेता आरोप लगा रहे हैं कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मप्र के होते हुए भी किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की छवि खराब करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा मप्र में खाद की कम सप्लाई करवाई जा रही है। जब इस संदर्भ में शिवराज सिंह चौहान का जवाब जानने के लिए कई बार मोबाइल पर कॉल किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

कलेक्टर-एसपी लिखकर दें, ई-ऑफिस पर चल रही हैं फाइलें

भोपाल। प्रदेश सरकार राजधानी में मंत्रालय से लेकर सभी विभागाध्यक्ष कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के बाद अब संभाग एवं जिला स्तर पर लागू करने के अंतिम चरण में है। सामान्य प्रशासन विभाग ने पिछले महीने सभी संभागायुक्त, जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर 30 जून तक हर सरकारी कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए थे। अब शासन ने सभी जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि वे 31 जुलाई तक अवगत कराएं कि उनके यहां ई-ऑफिस पर शासकीय कार्य हो रहा है। साथ ही चेतावनी दी है कि ई-ऑफिस प्रणाली लागू नहीं होने की स्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। दरअसल, सामान्य प्रशासन विभाग ने पिछले साल नवंबर में ही सभी जिलाधीश, संभागायुक्त को कार्यालयों में 31 मार्च 2025 तक पूर्णतः ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए थे। लेकिन कुछ कार्यालयों द्वारा अभी तक भी ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य नहीं किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में सभी सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य करना सुनिश्चित कराएं। खास बात यह है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिलों को तकनीकी टीम एनआईसी और एमपीएसईडीसी के माध्यम से मुहैया कराई है। साथ ही सभी जिलाधीशों को एक ई-ऑफिस क्रियान्वयन टीम गठित करने के निर्देश दिए है।

दिल्ली में होगा कांग्रेस जिलाध्यक्षों के चयन पर मंथन

भोपाल। मप्र कांग्रेस में संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज हो गई है। दिल्ली में 15 और 16 जुलाई को होने वाली एक बड़ी बैठक में प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों के चयन पर मंथन होगा। इस बैठक में प्रदेश के सभी ऑब्जर्वर शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि संगठन सृजन की रिपोर्ट के आधार पर हर जिले से करीब 6 नामों का पैनल तैयार किया गया है।

बता दें कि राष्ट्रीय संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें नामों के पैनल पर विस्तृत चर्चा होगी। संभावित जिला अध्यक्षों को चर्चा के बाद दिल्ली बुलाया जाएगा। जीतू पटवारी ने कहा कि जुलाई के आखिरी हफ्ते में जिला अध्यक्षों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। यह कदम पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को गति देने के लिए उठाया जा रहा है।

वल्लभ भवन का रेनोवेशन कराएगी सरकार

86 करोड़ में बदलेगी पुराने वल्लभ भवन की सूरत, इसी माह शुरू होगा काम

भोपाल। वल्लभ भवन की पुरानी बिल्डिंग का रेनोवेशन इसी माह से शुरू हो जाएगा। इसकी शुरुआत पांचवें माले से होगी जहां नई बिल्डिंग बनने के पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम सचिवालय के अफसर व स्टाफ बैठते रहे हैं। इसके बाद चौथे, तीसरे, दूसरे, पहले और फिर ग्राउंड फ्लोर का रेनोवेशन किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल ने यहां बैठकर काम करने वाले 19 विभागों के अफसरों के साथ को-आर्डिनेशन कर काम शुरू कराने के निर्देश जीएडी के रजिस्ट्रार और लोक निर्माण विभाग के अफसरों को दिए हैं।

जीएडी के एसीएस के रूप में जॉइन करने के बाद ली गई बैठक में एसीएस शुक्ल ने कहा कि पुराने भवन के फायर सेफ्टी सिस्टम और इलेक्ट्रिसिटी लाइनों को व्यवस्थित किया जाएगा। इसलिए सुरक्षा प्रबंधों का पूरा ख्याल रखा जाए। शुक्ल ने रजिस्ट्रार मनोज श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि विभागों के अफसरों के साथ समन्वय बनाकर उन्हें शिफ्ट कराएं, ताकि ठेकेदार इसी माह से काम शुरू कर सके। बताया जा रहा है कि ठेकेदार जुलाई के अंतिम सप्ताह में काम शुरू कर सकता है। पहले उसके द्वारा डंपिंग यार्ड (गोदाम) का निर्माण किया जाएगा। रेनोवेशन पर पीडब्ल्यूडी 86.08 करोड़ रुपए खर्च करने जा रहा है। इसमें 49.76 करोड़ रुपए में सिविल वर्क और 36.32 करोड़ से बिजली के काम पूरे किए जाने हैं।

रेनोवेशन के दौरान इन कामों पर होगा फोकस

वल्लभ भवन दो व तीन की तरह केबिन बनाए जाएंगे। सभी कमरों में सेंट्रलाइज्ड एसी लगाए जाएंगे। पुराने वल्लभ भवन के मूल स्ट्रक्चर के साथ कोई छेड़छाड़ किए बगैर भवन की खूबसूरती बढ़ाई जाएगी। सभी विभागों में टॉयलेट मॉड्युलर होंगे। भवन में ग्रीनरी का विशेष ख्याल रखा जाएगा। अस्थायी डंपिंग यार्ड (गोदाम) भी बनाया जाएगा जिसमें खराब फर्नीचर और अन्य सामग्री रखी जाएगी। एसीएस ने कहा कि रेनोवेशन के दौरान सभी विभागों के बीच समन्वय बना रहे। इस दौरान उन्हें बताया गया कि काम शुरू होने के चलते कंट्रोल रूम भी बना दिया गया है। गुजरात की ठेका लेने वाली फर्म की टीम 15 जुलाई तक आएगी। पहले गोदाम बनाया जाएगा और इसके बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में काम चालू हो जाएगा। एक फ्लोर का काम पूरा करने में तीन से चार माह लगेंगे। इस तरह काम पूरा होने में दो साल लग जाएंगे।

नए वल्लभ भवन की थीम पर रेनोवेट होंगे कमरे

वल्लभ भवन की सात साल पहले बनाई गई दो बिल्डिंग की थीम पर ही पुराने वल्लभ भवन को रेनोवेट किया जाएगा। इस भवन के नॉर्थ-साउथ एलिवेशन को नया रूप दिया जाएगा। इसकी इंटरनल लाइटिंग एलईडी होगी। इसमें एयर कंडीशनिंग के लिए वेरिएबल रेफ्रिजेंट वॉल्यूम (वीआरवी) सिस्टम लगाया जाएगा। इसका आउटडोर भवन से बाहर होगा।

काम पूरा होने तक शिफ्ट होते रहेंगे विभाग

वल्लभ भवन -1 में 19 विभाग और 10 मंत्रियों के बैठने की व्यवस्था बनाई जाएगी। इसमें विभाग के प्रमुख सचिव से लेकर उनके स्टाफ तक के सभी कर्मचारी-अधिकारियों को एक ही फ्लोर पर बैठाने के हिसाब से निर्माण किया जाएगा। भवन के बेसमेंट में नया रिकॉर्ड रूम भी बनाया जाएगा। साथ ही बैंक, लाइब्रेरी, पोस्ट ऑफिस, डिस्पेंसरी, झूलाघर, कैंटीन और विजिटर रूम रहेंगे। काम पूरा होने तक विभागों की शिफ्टिंग की जाती रहेगी।

फायर सेफ्टी के लिए 10 पंप लगेंगे

यहां फायर सेफ्टी के लिए 10 पंप भी लगाए जाएंगे। इनमें 2 इलेक्ट्रिक पंप, 6 जॉकी पंप और 2 डीजल पंप शामिल हैं। आग लगने पर बिजली नहीं कटती है तो आग बुझाने का काम इलेक्ट्रिक पंप के जरिए किया जाएगा। बिजली कट हो जाती है तो डीजल पंप ये काम करेंगे। जॉकी पंप का काम पानी के प्रेशर को बढ़ाना है।

अब कांग्रेस विधायक और नेताओं की होगी ट्रेनिंग

- धार के मांडू में होगा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, दिल्ली से आएंगे ट्रेनर

भोपाल। मप्र में भाजपा के बाद अब कांग्रेस भी एक्टिव होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस अपने विधायकों और नेताओं को प्रशिक्षण देने जा रही है। बताया जा रहा है कि यह प्रशिक्षण धार जिले के मांडू में 21 और 22 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। यह कांग्रेस का दो दिवसीय शिविर होगा। ऐसे में कांग्रेस अब एक बड़े कदम की ओर बढ़ रही है।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस के इस शिविर को नव संकल्प नाम दिया गया है, जिसका उद्देश्य भविष्य की रणनीति तैयार करना और आगामी मानसून सत्र में सत्ता पक्ष को घेरने की योजना बनाना है। इसके लिए दिल्ली से विशेष ट्रेनर यहां आएंगे। जिसमें उन्हें सिखाया जाएगा कि सत्ता पक्ष को कैसे जवाब देना है और जनता के बीच जाकर सरकार की कमियों को कैसे उजागर करना है। साथ ही, विधायकों और संगठन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के गुर भी सिखाए जाएंगे।

वीसी के जरिए जुड़ेंगे दिग्गज नेता

इस शिविर में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड? और केसी वेणुगोपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विधायकों को संबोधित करेंगे। यह व्यवस्था इसलिए की गई है क्योंकि 21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। वहीं, मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा। इस प्रशिक्षण के जरिए कांग्रेस मप्र में अपनी स्थिति को मजबूत करने और संगठन को नई दिशा देने की तैयारी में है।

इन विषयों पर ट्रेनिंग लेंगे विधायक

कानूनी मामलों, फर्जी केस, जांच एंजेसियों के प्रेशर से निपटने की रणनीति- ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स जैसी केन्द्रीय संस्थाओं द्वारा राजनीतिक दबाव में की जाने वाली कार्रवाइयों, पुलिस के फर्जी केस और कानूनी मामलों को कैसे सुलझाया जाए। इस विषय पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा संबोधन दे सकते हैं। कांग्रेस की स्थापना से लेकर अब तक के इतिहास और पार्टी की विचारधारा के बारे में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन सत्र में संबोधन दे सकती हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी मप्र में कांग्रेस के मौजूदा संगठन और आगामी 2028 के चुनाव के हिसाब से तैयार किए जा रहे संगठनात्मक ढांचे और व्यवस्थाओं पर सत्र में संबोधन दे सकते हैं। संगठन में विधायकों की भूमिका और पार्टी के कामों को प्राथमिकता से पूरा कराने के कैलेंडर पर भी जानकारी दे सकते हैं। विधायक सोशल मीडिया के जरिए अपने क्षेत्र में किए जा रहे कामों, दौरों और कार्यकर्ताओं के नवाचारों को शेयर करने पर एक्सपर्ट जानकारी देंगे।

राज्यविधान मंडलों को सुदृढ़ बनाने तय होगा फॉर्मूला

- पीठासीन अधिकारियों की बैठक कल राजधानी भोपाल में

भोपाल। पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक 14 जुलाई को भोपाल में होगी। विधानसभा में होने वाली इस बैठक में 7 राज्यों के स्पीकर शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्यविधान मंडलों में समिति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, उनकी कार्यप्रणाली, कार्यकुशलता तथा कार्यनिष्पादन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाना है। यानी बैठक में विधानसभाओं के अध्यक्ष तय करेंगे की विधानसभा कमेटी को कैसे ताकतवर बनाया जाए।

गौरतलब है कि सत्र को सुचारू रूप से चलाने और डेकोरम मेंटेन करने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सात सदस्यों की एक कमेटी का गठन किया है। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर इस कमेटी के अध्यक्ष हैं। जानकारी के अनुसार, पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक के जो प्रमुख एजेंडे हैं उनमें समितियों का विस्तार होगा और संख्या बढ़ेगी। सिफारिशों का क्रियान्वयन ठोस तरीके से होगा। विधानसभा में दिए गए आश्वासनों की पूर्ति का तरीका तय किया जाएगा और शासन में बैठे अधिकारियों की सदन के प्रति जवाबदारी तय की

जाएगा। सत्र के दौरान शांति व्यवस्था और सरकार का कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे, इसको लेकर इस बैठक में चर्चा की जाएगी।

बैठक के मिनिट्स लोकसभा को सौंपे जाएंगे

मप्र के स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में राजस्थान के स्पीकर वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश के सतीश महाना, पश्चिम बंगाल के विमन बैनर्जी, सिक्किम के मिग्मा नोरबू शेरपा, हिमाचल प्रदेश के कुलदीप सिंह पठानिया और ओडिशा की स्पीकर सूरमा पाढ़ी शामिल होंगे। इनके साथ विधानसभाओं के प्रमुख सचिव या सचिव भी आ रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पीठासीन सम्मेलन में यह कमेटी बनी थी। मप्र को पहली बार इस तरह की कमेटी की अध्यक्षता मिली है। इसकी पहली बैठक 14 जुलाई को भोपाल विधानसभा में सुबह 10:30 बजे से है। इसके बाद कमेटी के लोग उज्जैन जाएंगे। बताया जा रहा है कि कैग की ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय गड़बडि ?ों के साथ फाइनेंशियल मामलों का रिव्यू करने वाली वित्तीय समितियों और तदर्थ समितियों (जैसे प्रश्न संदर्भ, आश्वासन, सदस्य सुविधा) की ताकत बढने् वाली है। इसी को आधार बनाकर नई व्यवस्था देशभर के राज्यों में लागू होगी। बैठक के मिनिट्स बाद में लोकसभा को सौंपे जाएंगे।

समितियों को और तकतवर बनाने की कवायद

आश्वासन समिति और सदन में की गई घोषणाओं के अमल के साथ विशेषाधिकार हनन के मामलों में भी गंभीरता घटती जा रही है। सालों तक आश्वासन पूरे नहीं होते। घोषणाओं पर अफसर ध्यान कम देते हैं। इसीलिए देशभर में राज्यों की विधानसभाओं की समितियों को और तकतवर करने की पहल हुई है। यहां बता दें कि मप्र विधानसभा में इस समय एक दर्जन से अधिक समितियां हैं। इनमें कार्यमंत्रणा, गैरसरकारी सदस्यों के विधेयकों और संकल्पों की समिति, विशेषाधिकार हनन समिति, कृषि विकास समिति, नियम समिति, आचरण व याचिका-अभ्यावेदन, महिला बाल विकास, प्राक्कलन, लोक-लेखा समिति, सरकारी उपक्रम समिति जैसी समितियां शामिल हैं। बताया गया है कि पहली बार विधानसभा की इन समितियों की ताकत बढ़ाई जा रही है, जिससे उनकी प्रासंगिकता शासन और सत्ता के स्तर पर और मजबूत हो।

मप्र की अदालतों में लगेगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर

- विधि विभाग ने हाईकोर्ट को भेजा पत्र

भोपाल। मप्र की सभी अदालतों में अब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाई जाएगी। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने इस संबंध में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर आग्रह किया है। यह मांग ओबीसी एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन ने उठाई थी, जिसके बाद एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कर्नाटक की तर्ज पर मध्य प्रदेश की अदालतों में भी डॉ. अंबेडकर की तस्वीर लगाने की मांग की थी। इस कदम को संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने के रूप में देखा जा रहा है।

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस मांग को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और रजिस्ट्रार जनरल को ज्ञापन भेजा था। एसोसिएशन के अध्यक्ष परमानंद साहू और वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि यह मांग समानता के आधार पर की गई थी।

दर्द में भी रिकॉर्ड तोड़ते ऋषभ पंत, धोनी को पछाड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक बार फिर दिखा दिया कि क्यों उन्हें टीम इंडिया की रीढ़ कहा जाता है। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन पंत के खेलने को लेकर संदेह था, क्योंकि पहले दिन विकेटकीपिंग के दौरान उनकी उंगली में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे। उनकी गैरहाजरी में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन जब बल्लेबाजी की बारी आई तो पंत न केवल मैदान पर उतरे, बल्कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में जब टीम मुश्किल में थी, पंत ने न केवल विकेट बचाया, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वह एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में किसी एक टेस्ट सीरीज में एशियाई विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में अपने गुरु महेंद्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया। पंत ने इस सीरीज में अब तक 361 रन बना लिए हैं, जबकि धोनी ने 2014 में इंग्लैंड में 349 रन बनाए थे। यही नहीं, पंत ने अपने ही पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा है, जो उन्होंने 2018 में ऑस्ट्रेलिया में 350 रन बनाकर बनाया था। इससे पहले वह 2021 में भी इंग्लैंड में 349 रन बना चुके हैं।

जब भारत की टीम 107 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में थी, तो पंत ने केएल राहुल के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। उन्होंने न केवल विकेट रोके, बल्कि चतुराई से रन भी बटोरे। उन्होंने 33 गेंदों में 19 रन बनाकर दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद पारी खेली, जबकि केएल राहुल 113 गेंदों में 53 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

गौरतलब है कि पंत ने यह उपलब्धि तब हासिल की जब वह दर्द में खेल रहे थे। चोट के बावजूद उन्होंने अपनी तकनीक और साहस का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी बल्लेबाजी ने न सिर्फ भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा, बल्कि यह भी दिखा दिया कि मुश्किल समय में टीम को संभालने का माद्दा उनमें है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने तीन विकेट पर 145 रन बना लिए थे और इंग्लैंड की पहली पारी के 387 रनों के जवाब में 242 रन पीछे था। अब तीसरे दिन सभी की निगाहें इस पर होंगी कि पंत और राहुल की जोड़ी भारत को कितनी दूर तक ले जा सकती है।

भारत में एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप, असमंजस में पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली। भारत में इस साल होने वाले एशिया कप हॉकी और जूनियर हॉकी विश्व कप को लेकर पाकिस्तान की स्थिति असमंजस में नजर आ रही है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी टीमों के आने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया है और विदेश मंत्रालय व गृह मंत्रालय से अनुमति भी मिल गई है। इसके बावजूद पाकिस्तान सरकार अपनी सीनियर और जूनियर हॉकी टीम को भारत न भेजने का मन बना रही है। दरअसल, पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अगस्त-सितंबर में बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में भाग लेने और नवंबर-दिसंबर में चेन्नई में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए अपनी सरकार से अनुमति मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक मौजूदा राजनीतिक हालात और हाल ही में दोनों देशों के बीच हुए तनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार इसकी मंजूरी देने के मूड में नहीं है। पाकिस्तान सरकार के गठबंधन दलों का मानना है कि हालिया घटनाओं के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा एक बड़ा सवाल बन गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर तनाव और गोलीबारी की घटनाओं से माहौल और बिगड़ गया। इसके चलते पाकिस्तान में यह राय बन गई है कि मौजूदा हालात में टीम को भारत भेजना खतरे से खाली नहीं होगा। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान हॉकी महासंघ अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और एशियाई हॉकी महासंघ से यह मांग कर सकता है कि इन टूर्नामेंटों को भारत से हटाकर किसी तटस्थ स्थल जैसे मलेशिया या ओमान में कराया जाए। हालांकि, पीएचएफ के सूत्रों के अनुसार ऐसा होना लगभग नामुमकिन है क्योंकि इन देशों के पास मेजबानी के लिए जरूरी लगभग एक लाख डॉलर की रकम जुटाना मुश्किल होगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पिछले साल चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लिया था, जहां वह छह टीमों में पांचवें स्थान पर रहा था। उस आयोजन में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी थी और भारत ने प्रतियोगिता जीत ली थी। इस अनुभव के बावजूद इस बार हालात ज्यादा तनावपूर्ण माने जा रहे हैं। पाकिस्तान में कई लोग भारतीय मीडिया की रिपोर्टों को लेकर भी नाराजगी जता रहे हैं। कुछ भारतीय मीडिया रिपोर्टों में पाकिस्तानी टीम को अनुमति दिए जाने की आलोचना के बाद पाकिस्तान में आशंकाएं और गहरी हो गई हैं। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के युवा मामलों के प्रमुख राणा मशूद ने कहा कि वे चाहते हैं कि पाकिस्तानी टीम भारत जाकर उसे हराए, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए ऐसा करना उचित नहीं होगा। इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान में इस दौरे को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है और टीम के भारत आने की संभावना फिलहाल कमजोर पड़ती दिख रही है।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति पर भड़के माइकल वॉन

- बोले सिर्फ जुर्माना काफी नहीं, पांचों दिन पूरे हों 90 ओवर

लंदन । लॉर्ड्स के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति ने विवाद खड़ा कर दिया है। टेस्ट के दूसरे दिन सिर्फ 75 ओवर ही फेंके जा सके, जबकि पहले दिन 83 ओवर ही कराए गए थे। इस तरह दोनों दिनों में कुल करीब 23 ओवर कम रह गए। इसे लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कड़ी नाराजगी जताई है। वॉन ने कहा है कि सिर्फ जुर्माना लगाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि नियम ऐसा होना चाहिए कि टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन में 90 ओवर का कोटा हर हाल में पूरा किया जाए। एक मीडिया चैनल से बातचीत में माइकल वॉन ने कहा कि जुर्माना खिलाड़ियों को रोकने का असरदार तरीका नहीं है क्योंकि आज के क्रिकेटर काफी अमीर हैं और उन पर थोड़े-बहुत फाइन का कोई असर नहीं होता। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि जुर्माना लगाना कोई हल है। ये खिलाड़ी

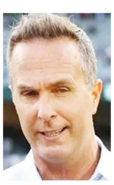

बहुत अमीर हैं और उन पर इसका असर नहीं पड़ेगा। वॉन ने यह भी सवाल उठाया कि आखिर ऐसा क्यों होता है कि पहले चार दिनों में ओवर कोटा पूरा नहीं हो पाता लेकिन पांचवें दिन टीमों को मजबूरी में पूरे 90 ओवर फेंकने ही पड़ते हैं।

वॉन ने कहा कि यह कोई नया मामला नहीं है बल्कि पिछले काफी समय से टेस्ट क्रिकेट के लिए यह एक बड़ी समस्या बनी हुई है। वॉन का मानना है कि गर्म मौसम और खिलाड़ियों की चोट के कारण समय जरूर बर्बाद होता है, लेकिन इसके बावजूद ओवर पूरे करने की जिम्मेदारी निभानी ही चाहिए। उनके मुताबिक यह समझ से परे है कि पांचवें दिन तो पूरा कोटा आराम से पूरा किया जाता है मगर बाकी दिनों में इतनी सुस्ती क्यों बरती जाती है।

इस बहस ने एक बार फिर टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट को लेकर कड़े नियमों की जरूरत को रेखांकित किया है। आईसीसी पहले से ही धीमी ओवर गति पर फाइन और अंक कटौती जैसे दंड लगाता रहा है, लेकिन वॉन जैसे दिग्गजों की राय में यह पर्याप्त नहीं है। उनका सुझाव है कि नियम को इतना सख्त बनाया जाए कि कोई भी टीम चाहकर भी दिन में 90 ओवर से कम न करा सके। यह बहस ऐसे समय में हो रही है जब टेस्ट क्रिकेट अपने आकर्षण को बनाए रखने के लिए कई तरह के बदलाव देख रहा है और दर्शक भी चाहते हैं कि उन्हें पूरे दिन का खेल देखने को मिले।

सिनर और अल्कारेज के बीच होगा विम्बलडन 2025 का फाइनल

जोकोविच हारे फाइनल जीतने का सपना टूटा, सेमीफाइन में टेलर भी हारे

लंदन। विम्बलडन 2025 का फाइनल कौन-कौन के बीच होगा। इसका फैसला हो गया है। सेमीफाइनल में इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हरा कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर रही है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी टेलर फ्र?ट्ज को स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने हरा दिया है।

अब विम्बलडन 2025 का पुरुष वर्ग का फाइनल डिफेंडिग चैम्पि?यन कार्लोस अल्कारेज और नंबर 1 खिलाड़ी जैनि सिनर के बीच खेला जाएगा। सिनर पहली बार विम्बलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। जहां वह कल यानी रविवार को होने वाले पुरुष सिंगल्स फाइनल में कार्लोस अल्कारेज के सामने होंगे।

23 साल के सिनर ने 38 साल के नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार विम्बलडन फाइनल में जगह बनाई। दोनों के बीच यह मुकाबला महज 1 घंटे 55 मिनट तक खेला जाएगा। सिनर ने मैच में 36 शानदार शॉट लगाए, 12 ऐस मारे और सिर्फ 2 डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहली सर्व पर 81 फीसदी और दूसरी सर्व पर 63 फीसदी अंक जीते।

विश्व के नंबर 1 सिनर ने पूरे मैच पर अपना कंट्रोल बनाए रखा और जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। वहीं विम्बलडन से पहले तक जैनिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच आमने-सामने का रिकॉर्ड 5-3 का था, जिसमें सिनर ने अपने सबसे हालिया मुकाबले में जीत हासिल की थी। वहीं सिनर 2018 के बाद से विम्बलडन में नोवाक जोकोविच को हराने वाले कार्लोस अल्कारेज के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वैसे जोकोविच ने 7 बार विम्बलडन खिताब जीता है। पहली बार उन्होंने 2011 में ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था, वहीं 2022 में उन्होंने आखिरी बार इस ट्रॉफी को जीता था।

सेमीफाइनल में जीत के बाद जैनिक सिनर ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा, यह वही टूर्नामेंट है जिसे वह बचपन में टीवी पर देखा करते थे, कभी सोचा भी नहीं था कि वह फाइनल खेलेंगे। यह एक शानदार अनुभव था, उनहोंने कहा कि मैं जानता हूं कि मैं और मेरी टीम कितनी मेहनत कर रहे हैं, आज मेरे पापा और भाई भी आए हैं, इसलिए यह पल और भी खास हो गया। मेरी तरफ से देखा जाए तो आज मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही, मेरी मूवमेंट भी बेहतर थी, मुझे लगता है कि हम सभी ने देखा, खासकर तीसरे सेट में कि जोकोविच थोड़े इंजर्ड लग रहे थे, लेकिन मैंने खुद को शांत रखा और अपनी सबसे अच्छी टेनिस खेलने की कोशिश की।

22 साल के कार्लोस अल्कारेज ने फ्रिट्ज को हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई। दो बार के चैम्पि?यन अल्कारेज ने वर्ल्ड नंबर 5 टेलर फ्र?ट्ज को चार सेटों में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6(6) से हराकर लगातार तीसरी बार विम्बलडन फाइनल में जगह बनाई। वहीं उनकी विम्बलडन में लगातार 20वीं जीत रही। अल्कारोज 2021 के बाद से विम्बलडन में किसी टॉप-5 खिलाड़ी से नहीं हारे हैं। 2021 में जब वह 18 साल के थे और वर्ल्ड रैंकिंग में 75वें नंबर पर थे, तब उन्होंने पहली बार विम्बलडन खेला था, लेकिन अब चार साल बाद उन्होंने सेमीफाइनल में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6(8) से जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल में जीत के बाद उन्होंने कहा कि आज बहुत गर्मी थी, खेलने के लिए काफी मुश्किल हालात थे, लेकिन वह आज अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। सेमीफाइनल में खेलना आसान नहीं होता, लेकिन मैंने नर्वसनेस को संभाला और शांत रहकर सोच समझकर खेला, इस बात पर मुझे गर्व है, उन्होंने कहा कि मैं अपनी जीत की लय या रिकॉर्ड के बारे में सोचता ही नहीं हूं, मेरा सपना है कि मैं इन खूबसूरत कोर्ट्स पर खेलूं, दुनिया के सबसे शानदार टूर्नामेंट में टेनिस खेलना ही मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।

केएल राहुल सुनील गावस्कर के साथ खास सूची में शामिल

नई दिल्ली। लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने शानदार अर्धशतक जमाकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में उनकी इस फिफ्टी ने उन्हें पाकिस्तान के दिग्गज सईद अनवर और भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग से आगे पहुंचा दिया। राहुल अब उन चुनिंदा एशियाई ओपनर्स की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने एसइएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 10 से अधिक बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

यह राहुल के टेस्ट करियर का 19वां अर्धशतक और एसइएनए देशों में 11वां अद्धर्शतक हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का नाम है जिनके नाम 19 बार 50 प्लस स्कोर दर्ज हैं। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणरत्ने 12 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अब राहुल 11 स्कोर के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने सईद अनवर, वीरेंद्र सहवाग और बांग्लादेश के तमीम इकबाल को पीछे छोड़ दिया जिनके नाम एसइएनए देशों में 10-10 बार 50 से अधिक का स्कोर है।

राहुल की इस पारी ने न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ाया बल्कि टीम इंडिया को भी इंग्लैंड की मजबूत पहली पारी के जवाब में संभलने का मौका दिया। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 3 विकेट पर 145 रन बना लिए थे और अभी भी इंग्लैंड के 387 रनों के मुकाबले 242 रन पीछे है। टीम को केएल राहुल से तीसरे दिन एक बड़ी पारी की उम्मीद है।

आस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट खेलना गर्व की बात : मिचेल स्टार्क

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में अपने करियर का 100वां टेस्ट खेलेंगे। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले ऑस्ट्रेलिया के केवल 12वें फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज बन जाएंगे। साथ ही, स्टार्क 400 टेस्ट विकेट पूरे करने से भी महज पांच विकेट दूर हैं। 14 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में इस मुकाम तक पहुंचने को उन्होंने अपने लिए गर्व की बात बताया। स्टार्क ने कहा कि बचपन में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनका सपना था, लेकिन कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि वह एक भी टेस्ट खेल पाएंगे। 99 टेस्ट पूरे करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने विकास में जोश हेजलवुड और पैट कमिंस की दोस्ती और साझेदारी को अहम बताया। स्टार्क ने कहा कि दोनों ने उन्हें वोबल सीम गेंदबाजी समेत कई तकनीकी पहलुओं में मदद की और उनके करियर को संवारने में

बड़ा योगदान दिया।

तीनों तेज गेंदबाजों ने अब तक 37 टेस्ट एक साथ खेले हैं। स्टार्क ने इसे खास बताते हुए कहा कि तीनों एक ही जगह से आते हैं, साथ ट्रेनिंग करते हैं, रिहैब में साथ वक्त बिताते हैं और एक-दूसरे को मुश्किल दौर में भी प्रेरित करते हैं। स्टार्क ने कहा, हम सभी जानते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं। यही वजह है कि हम इतने लंबे वक्त तक टॉप स्तर पर टिके रह सके हैं। स्टार्क ने अपनी फिटनेस के बारे में भी खुलकर बात की। 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उंगली में चोट के बावजूद उन्होंने एमसीजी टेस्ट में गेंदबाजी की थी। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज होने के नुकसान भी हैं शरीर पर निशान, दर्द, झटके वह तभी मैदान में उतरते हैं जब उन्हें भरोसा होता है कि वह अपना 100 फीसदी दे सकते हैं।

आईपीएल को लेकर भी उन्होंने साफ कहा कि वर्षों तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट छोड़ने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के फैसले पर स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और मुझे लगता था कि मैं इसके लायक हूं। मैंने आईपीएल छोड़ा ताकि ऑस्ट्रेलिया के लिए 99 टेस्ट खेल सकूं, परिवार के साथ वक्त बिता सकूं और अपने शरीर को तैयार रख सकूं। मैं पीछे मुड़कर कुछ नहीं बदलना चाहूंगा।

भविष्य को लेकर स्टार्क बहुत आगे नहीं देखना चाहते लेकिन उन्होंने माना कि आने वाली गर्मियां (जिसमें एशेज भी शामिल है) उनके लिए बड़ी चुनौती होंगी। साथ ही वह टी20 वर्ल्ड कप और 2027 के संभावित वनडे वर्ल्ड कप में भी खेलना चाहते हैं। स्टार्क ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा टेस्ट क्रिकेट ही रहेगा और आने वाले समय में फिट और असरदार बने रहना उनका मुख्य लक्ष्य होगा।

लॉर्ड्स टेस्ट में बुमराह का शानदार पांच विकेट हॉल और कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने लॉर्ड्स टेस्ट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। एजबेस्टन टेस्ट में आराम के बाद तीसरे मुकाबले में उतरे बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 5 विकेट झटके और पूर्व कप्तान कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में बुमराह अब सबसे आगे निकल गए हैं। उनके नाम विदेशी सरजमीं पर अब 13 बार पांच विकेट लेने का कारनामा दर्ज हो गया है, जबकि कपिल देव के नाम यह उपलब्धि 12 बार थी।

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने जबरदस्त गेंदबाजी की और इंग्लैंड की पहली पारी को 387 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड ने दूसरे दिन 4 विकेट पर 251 रन से आगे खेलना शुरू किया था। बुमराह ने सुबह के सत्र में जोफ्रा आर्चर को आउट कर अपना 15वां टेस्ट पांच विकेट हॉल पूरा किया। यह इस सीरीज में उनका दूसरा पांच विकेट था। उन्होंने हेडिंग्ले टेस्ट की पहली पारी में भी पांच विकेट लिए थे।

बुमराह के शानदार स्पेल की बदौलत इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। हालांकि जेमी स्मिथ और ब्राइडन कार्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जेमी स्मिथ ने 50 से ज्यादा रन बनाए और ब्राइडन कार्स ने भी अहम अर्धशतक लगाया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर 387 तक पहुंचा। बुमराह के 5 विकेट के बावजूद उनका जश्न बेहद शांत रहा। विकेट लेने के बाद भी उन्होंने ज्यादा उत्साह नहीं दिखाया और साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने उनका हाथ पकड़कर ऊपर उठाया ताकि वे अपनी इस उपलब्धि को सेलिब्रेट करें।

दुनिया के चर्चित रेसलर्स जॉन सीना 2025 में कहेंगे रिंग को अलविदा

जॉन सीना ने सुपर सीना युग की आलोचना पर दिया करारा जवाब, 2025 में कहेंगे रिंग को अलविदा

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूई के अनडिस्प्यूटेड चैंपियन और दुनिया के सबसे चर्चित रेसलर्स में से एक जॉन सीना इन दिनों अपने 'रिटायरमेंट टूर' पर हैं। उन्होंने साफ किया है कि दिसंबर 2025 में वह आखिरी बार रिंग में नजर आएंगे। लेकिन अपने करियर के इस अंतिम दौर में भी वह आलोचनाओं से बच नहीं पा रहे। खासकर उनके 'सुपर सीना' दौर को लेकर कुछ फैंस ने उन पर आरोप लगाए कि इसी वजह से डब्ल्यूडब्ल्यूई बच्चों के शो जैसा हो गया और इसकी गंभीरता भी घट गई।

हाल ही में एक वीडियो में जॉन सीना ने ऐसी टिप्पणियों का जवाब दिया। एक कमेंट का हवाला देते हुए जिसमें लिखा था, सुपर सीना युग ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को बच्चों के देखने लायक बना दिया, सीना ने कहा, यह आपका नजरिया है, दोस्त। मैं 25 सालों से जॉन सीना हूं। यह मेरा सबसे लंबा चला हुआ किरदार है। मैं जो सुन रहा हूं, वह उन लोगों का नजरिया है जिन्हें शायद मेरा काम पसंद नहीं आया। जॉन सीना ने यह भी कहा कि उन्हें अपने 25 साल लंबे करियर और उसमें निभाए गए किरदारों पर गर्व है और वह इससे पूरी तरह संतुष्ट हैं। उनकी प्रतिक्रिया दिखाती है कि वह आलोचनाओं को लेकर सहज हैं और उन्हें अपना सफर संतोषजनक लगता है।

इसी वीडियो में सीना ने अपने सबसे मशहूर कैचफ्रेज यू कान्ट सी मी की उत्पत्ति का किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि यह मूव और कैचफ्रेज तब बना जब उन्हें

किसी ने चैलेंज किया कि वह इसे टीवी पर करके दिखाएं। यह सिग्नेचर मूव और लाइन उनके करियर की पहचान बन गई और फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय रही।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में नई भूमिका?

हालांकि जॉन सीना रेसलिंग से रिटायर हो जाएंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह डब्ल्यूडब्ल्यूई से पूरी तरह अलग हो जाएंगे। चर्चा है कि भविष्य में वह कंपनी में कोई नई भूमिका निभा सकते हैं, हालांकि फिलहाल इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जॉन सीना का यह रिटायरमेंट टूर उनके करियर का एक यादगार समापन साबित हो सकता है, जहां वह फैंस के साथ अपने लंबे सफर का जश्न मना रहे हैं और आलोचनाओं का भी आत्मविश्वास से सामना कर रहे हैं।

इटली ने ऐतिहासिक कारनामा : टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। साल 2026 में होने वाले आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए इटली ने ऐतिहासिक रूप से क्वालीफाई कर लिया है। यह पहली बार होगा जब इटली की क्रिकेट टीम किसी टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। भारत और श्रीलंका में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए इटली ने यूरोप रीजन फाइनल में दूसरे स्थान पर रहते हुए टिकट कटाया। हालांकि, इटली को अपने आखिरी मैच में हेग में खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा। इटली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 134 रन बनाए, जिसे नीदरलैंड ने केवल 16.2 ओवर में 1 विकेट पर 135

रन बनाकर हासिल कर लिया। नीदरलैंड ने इस टूर्नामेंट में जर्सी और गर्नजी को हराकर कुल तीन जीत दर्ज कीं और छह अंक लेकर सीधे क्वालीफाई किया। दूसरी ओर, इटली और जर्सी के 5-5 अंक बराबर रहे, लेकिन बेहतर नेट रनरेट (इटली 0.612, जर्सी 0.306) के चलते इटली को वर्ल्ड कप का टिकट मिला।

इटली ने कुल चार मैच खेले। उसने 5 जुलाई को गर्नजी को 7 विकेट से हराया, 6 जुलाई को जर्सी के खिलाफ उसका मैच बारिश में रद्द हुआ, जिससे दोनों को एक-एक अंक मिला। इसके बाद 9 जुलाई को इटली ने स्कॉटलैंड को 12 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया और क्वालीफिकेशन की राह मजबूत की। स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दिन जर्सी से आखिरी गेंद पर हारकर बाहर हो गई। जर्सी ने जीतकर भी क्वालीफाई नहीं किया क्योंकि उसका रनरेट इटली से कम रहा। अब 2026 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में यूरोप से नीदरलैंड और इटली दोनों टीमें हिस्सा लेंगी।

जिले में अब तक 575 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 01 जून से 12 जुलाई 2025 तक 575 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 247 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। 12 जुलाई को प्रात- 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 06 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

कार्यालय अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 जुलाई को प्रात: 8:00 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 00 मिलीमीटर, वारासिवनी में 00 मिलीमीटर, बैहर में 20 मिलीमीटर, लांजी में 30 मिलीमीटर, कटंगी में 00 मिलीमीटर, किरनापुर में 02 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 00 मिलीमीटर, बिरसा में 08 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 00 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 00 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 06 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 12 जुलाई 2025 तक बालाघाट तहसील में 740 मिलीमीटर, वारासिवनी में 896 मिलीमीटर, बैहर में 717 मिलीमीटर, लांजी में 265 मिलीमीटर, कटंगी में 619 मिलीमीटर, किरनापुर में 528 मिलीमीटर, खैरलांजी में 235 मिलीमीटर, लालबर्रा में 686 मिलीमीटर, बिरसा में 411 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 664 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 564 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 575 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 896 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में और सबसे कम 235 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 280 मिलीमीटर, वारासिवनी में 319 मिलीमीटर, बैहर में 317 मिलीमीटर, लांजी में 129 मिलीमीटर, कटंगी में 230 मिलीमीटर, किरनापुर में 150 मिलीमीटर, खैरलांजी में 115 मिलीमीटर, लालबर्रा में 252 मिलीमीटर, बिरसा में 301 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 338 मिलीमीटर और तिरोड़ी तहसील में 285 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी पदाधिकारियों द्वारा केन्द्र सरकार से जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन सौंपा गया है। तत्संबंध मे पार्टी के जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी ने जानकारी दी की दिनांक 11/7/2025 को भारतीय शक्ति चेतना पार्टी शाखा बालाघाट की ओर से माननीय प्रधानमंत्री महोदय के नाम कलेक्टर महोदय को जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने एवं उसे प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने के दौरान भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी भगवती मानव कल्याण संगठन के जिला उपाध्यक्ष मोहन लाल नगपुरे भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ब्लाक अध्यक्ष बालाघाट मदन चौधरी,धनलाल देवारे टीम प्रमुख देवेंद्र राहंगडाले, नरेश नगपुरे सहित अन्य कई लोगों की उपस्थिति रही।

तहसील लामता मे पदस्थ नये तहसीलदार सुरेश उपाध्याय से स्थानीय पत्रकारों ने की औपचारिक मुलाकात

लामता(पद्मेश न्यूज)। दिनांक 12/07/2025 को अपरान्ह 3 बजे वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गजानेशन पत्रकार संघ के सभी पत्रकार साथियों ने तहसील लामता मे पदस्थ नए तहसीलदार सुरेश उपाध्याय जी से बैठक कर मुलाकात कर अपना परिचय दिया, एवं सभी पत्रकार बंधुओ ने तहसीलदार महोदय का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया,साथ ही क्षेत्र से सम्बंधित समस्याओ के बारे मे पत्रकारों ने तहसीलदार महोदय को अवगत कराया, जिसमे सर्वप्रथम लावारिस गौवंश को व्यवस्थित करने ग्राम पंचायत मे मुनादी कर पशु मालिकों को अपना गौवंश सँभालने के बारे मे गौशाला मे व्यवस्थित करने के सम्बंधित चर्चा कि गयी.. एवं बाजार हाट एवं मेन रोड पर ग्रामीणों के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के सम्बन्ध मे चर्चा कि गयी, साथ ही खुले मे मांस मछली विक्रय करने पर उचित कार्यवाही हो इस बिंदु पर भी जोर दिया गया.. फिलहाल बारिश कि वजह से किसानो के फसल को जो नुकसान हुआ उसकी जाँच मुवांजना के सम्बन्ध मे विशेष चर्चा की गई,उपस्थित पत्रकार में शतानंद त्रिवेदी, प्रहलाद पारधी, धनेशअसाटी, अतुल अग्रवाल, शत्रुघन ठाकरे, नंदकिशोर असाटी, सुशील कोचर,विनोद गेढ़ाम, की उपस्थिति रही।

अब प्लेटफॉर्म पर नहीं हो सकेगी वाहनों की एंट्री

- लगातार सुरक्षा उल्लंघनों के बाद रेलवे ने उठाया सख्त कदम, दोनों अवैध एंट्री पर की बैरिकेडिंग

भोपाल। रेलवे स्टेशन पर लगातार हो रहे सुरक्षा उल्लंघनों और प्लेटफॉर्म पर वाहनों के प्रवेश को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन ने अब सख्ती दिखा दी है। स्टेशन के दोनों प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को पूरी तरह सील कर दिया गया है। प्लेटफॉर्म-1 स्थित गार्ड लॉबी के पास बने वीआईपी गेट को बंद कर बैरिकेडिंग कर दी गई है, जबकि प्लेटफॉर्म-6 पर इटारसी एंड की ओर से आने वाले रास्ते को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

रेलवे ने यह कदम लगातार तीसरे दिन सामने आई अवैध वाहन प्रवेश की घटनाओं के बाद उठाया है। आरपीएफ ने न सिर्फ इन दोनों जगहों पर विशेष निगरानी का इंतजाम किया है, बल्कि साफ कर दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति चाहे आम नागरिक हो या रेलवे का कर्मचारी प्लेटफॉर्म पर वाहन लेकर नहीं पहुंच सकेगा।

गार्ड लॉबी का कर्मचारी निकला आरोपी, कार जब्त

मामले की शुरुआत सोमवार रात हुई, जब स्टेशन पर पदस्थ एक गार्ड अपनी कार लेकर वीआईपी एरिया के रास्ते सीधे प्लेटफॉर्म पर पहुंच गया। उसने बीना एंड की ओर स्थित इंजीनियरिंग साइडिंग के पास कार खड़ी कर दी। यह क्षेत्र आम यात्रियों के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित है और केवल तकनीकी स्टाफ व वीआईपी मूवमेंट के लिए सुरक्षित है। घटना का वीडियो मंगलवार को सामने आया। आरपीएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कार जब्त कर ली और रेलवे अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया। तीनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके वाहन जब्त किए जा चुके हैं।

अब हर गेट पर बैरिकेड और निगरानी

रेलवे ने अब सभी संभावित रास्तों पर स्थायी बैरिकेड लगाने और आरपीएफ की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। प्लेटफॉर्म नंबर-1 और प्लेटफॉर्म-6 के दोनों छोरों से अब वाहन तो क्या, बिना जांच कोई व्यक्ति भी आसानी से प्रवेश नहीं कर सकेगा। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्टेशन की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वीआईपी रास्ता अब केवल अधिकृत मूवमेंट के लिए ही खुला रहेगा और प्रत्येक मूवमेंट की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी।

कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ाई....159 नए केस

नई दिल्ली। कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ा दी है। देश में अब तक 206 एक्सएफजी के केस सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र (89) में हैं, फिर पश्चिम बंगाल (49), तमिलनाडु, केरल, गुजरात और दिल्ली में भी केस मिले हैं। सिर्फ मई महीने में 159 नए केस आए थे।

एक्सएफजी वेरिएंट मध्य प्रदेश में भी तेजी से फैल रहा है। एम्स भोपाल की रिपोर्ट के अनुसार 63 प्रतिशत से ज्यादा केस एक्सएफजी वेरिएंट के हैं। यहां कुल 44 में से 28 सैंपलों में एक्सएफजी वेरिएंट पहचाना गया है। कोरोना का एक्सएफजी वेरिएंट सबसे पहले कनाडा में मिला था और अब तक भारत सहित 38 देशों में फैल चुका है। कोविड के दूसरे वेरिएंट की तरह ही इससे भी सबसे ज्यादा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को है।

एक्सएफजी कोविड-19 वायरस का एक रिकॉंबिनेंट वेरिएंट है।

सहायक उपकरण मिलने से नौनिहालों के साथ वरिष्ठ नागरिकों के चेहरे पर आई खुशी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कक्षा दसवीं के दिव्यांग छात्र कोमल बनना चाहते हैं आईएएस अफसर मोटर ट्राईसाइकिल मिलने से उसका स्कूल जाना आसान होगा।लाडली बहना, उज्जवला गैस का लाभ मिलने के बाद 11 जुलाई को बेटे को ट्राई साइकिल मिलने से कोमल की माता मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को धन्यवाद दिया है उनका का आभार माना है। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुए दिव्यांग एवं वृद्धजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में 241 हितग्राहियों को विविध 712 उपकरण प्रदाय किये गये। इस शि विर में दिव्यांग जनों के साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण मिलने से उनके चेहरे पर खुशी आ गई है। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी अभिषेक सराफ की अगुवाई मे प्रारम्भ हुए चिन्हांकन एवं वितरण शिविर के एक और सफल चरण को पूरा किया गया। कार्यक्रम को गणमान्य जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एसडीएम गोपाल सोनी, आकाश अग्रवाल, मुकाअ.जपं बालाघाट श्रीमती ममता कुलस्ते,श्रीमती वन्दना कुसराम, भूपेंद्र अहिरवार तहसीलदार बालाघाट के सहयोग से आयोजित किया गया।

10,000 करोड़ से अधिक का आएगा अनुपूरक बजट

- मप्र में मानसून सत्र की तैयारियां शुरू

भोपाल। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जहां राज्य सरकार अपना पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी। सूत्रों के अनुसार, यह अनुपूरक बजट 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का रहेगा। इस बजट में लोक निर्माण विभाग को विशेष रूप से क्षतिग्रस्त पुलों और पुलियों के निर्माण के लिए स्वीकृत योजनाओं के तहत अतिरिक्त राशि आवंटित की जा सकती है। यह कदम बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और मरम्मत कार्यों को गति देने के लिए उठाया जा रहा है।

बता दें कि विधानसभा में मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जो 8 अगस्त तक चलेगा। मानसून सत्र में राज्य सरकार विधेयकों के साथ पहला अनुपूरक बजट भी पेश करेगी, जिसे सदन की मंजूरी मिलना तय है। विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही को पिछले साल ई विधान से जोडने् का फैसला किया गया था। ऐसे में 28 जुलाई से होने वाले सत्र में ई विधान के चलते विधायकों को टैबलेट दिए जा सकते हैं। इसमें सदन सभी सभी जानकारी के साथ प्रश्नोत्तरी, प्रदेश सरकार का बजट, विभागीय प्रतिवेदन समेत अन्य जानकारी डिजिटल फार्मेट में उपलब्ध रहेगी। विधायकों को तकनीकी के आधुनिक सेवाओं से जोडने् की प्रक्रिया में यह बड़ा कदम बताया जा रहा है। एनआईसी द्वारा इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पिछले माह प्रजेंटेशन भी दिया जा चुका है।

पिछले साल भी जुलाई में हुआ था सत्र

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में भी मानसून सत्र 1 जुलाई से 19 जुलाई तक प्रस्तावित था, लेकिन यह अपनी निर्धारित अवधि से पहले ही समाप्त हो गया था। उस दौरान 14 बैठकें प्रस्तावित थीं। लोकसभा चुनाव के कारण सरकार मार्च 2024 में पूर्ण बजट पेश नहीं कर पाई थी।

यूजीसी शुरु करेगी क्रेडिट फ्रेमवर्क, छोड़ी पढ़ाई फिर पूरी कर सकेंगे छात्र

-एनईपी से की उच्च शिक्षा को लचीला बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली,। उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र अब अपनी पढ़ाई को बीच में कभी भी छोड़ और शुरू कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें कम-कम एक साल की पढ़ाई पूरी करनी होगी। इस दौरान उन्हें स्नातक पाठ्यक्रमों में एक साल की पढ़ाई पर सर्टिफिकेट दिया जाएगा जबकि दो साल की पढ़ाई पर डिप्लोमा, तीन साल की पढ़ाई पूरी करने पर डिग्री और चार साल की पढ़ाई पूरी करने पर आनर्स की डिग्री दी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक इतना ही नहीं, छात्र अपनी बीच में छोड़ी गई पढ़ाई को आजीवन कभी भी पूरा कर सकेंगे। पूर्व में की गई उनकी पढ़ाई के क्रेडिट अंक उनके एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में जमा रहेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में उच्च शिक्षा को लचीला बनाने को लेकर की गई अहम सिफारिश के अमल को लेकर तैयार किए गए दिशा-निर्देशों का मसौदा जारी किया है।

साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों से 30 जुलाई तक सुझाव देने को कहा है। यूजीसी ने इस दौरान सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों को एक समान क्रेडिट फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा है, ताकि किसी संस्थान से पढ़ाई करके निकले छात्र को दूसरे संस्थान में दाखिला लेने में किसी तरह की दिक्कत न हो। यही नहीं, आयोग ने एक समान क्रेडिट फ्रेमवर्क और लर्निंग आउटकम के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों का एक कलस्टर भी तैयार करने का सुझाव दिया है ताकि बीच में पढ़ाई छोड़ने के बाद छात्रों को उन संस्थानों में आसानी से दाखिला मिल सके।

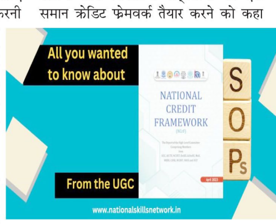

यह व्यवस्था ऑनलाइन डिग्री कोर्सों पर लागू नहीं होगी। बता दें एनईपी में उच्च शिक्षा को लचीला बनाने में जुड़ी इस अहम सिफारिश के अमल को यूजीसी ने यह ऐसे समय किया है, जब एनईपी के अमल को पांच साल पूरा होने जा रहा है। देश में एनईपी को 29 जुलाई 2020 को लागू किया गया था। यूसीजी ने पढ़ाई को कभी भी छोड़ने और शुरू करने के अमल को लेकर जारी मसौदे में साफ कहा है कि छोड़ी गई पढ़ाई को छात्र आजीवन कभी भी शुरू कर सकते है। बशर्ते उनके क्रेडिट का वैधता बरकरार हो। बता दें कि सभी विश्वविद्यालयों ने क्रेडिट की वैधता की अलग- अलग समयसीमा तय कर रखी है। वैसे औसतन यह पांच से दस वर्ष की है। बावजूद इसके यूजीसी ने कहा है कि कोई छात्र अपनी छूटी पढ़ाई को पूरा करना चाहता है तो वह क्रेडिट वैधता खत्म होने के बाद भी अपनी पूर्व पढ़ाई की मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान उनके खत्म हो चुके क्रेडिट का फिर से मूल्यांकन किया जाएगा।

यूट्यूब कर रहा बदलाव, अब कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए

नई दिल्ली,। ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूटूयूब अपनी मोनेटाइजेशन पॉलिसी में बदलाव कर रहा है। ये पॉलिसी 15 जुलाई 2025 से लागू होगी, जो यूटूयूब पार्टनर प्रोग्राम को लेकर है। मौजूदा वक्त में अगर आप यूटूयूब खोलते हैं, तब आपको एक जैसे ही कंटेंट दिखते हैं, इनसे निपटने के लिए यूटूयूब ये अपडेट ला रहा है। 15 जुलाई 2025 से यूटूयूब अपने पार्टनर प्रोग्राम रूल को कड़ा कर रहा है।नए नियमों के तहत मास प्रोड्यूस्ड, रिपिटेटिव और इनऑथेंटिक कंटेंट्स का एड रेवेन्यू कम होगा। हालांकि, कंपनी ने किसी चैनल को मोनेटाइजेशन करने की शर्तों को नहीं बदला है। यानी चैनल मोनेटाइज कराने के लिए आपके पास 1000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स होने चाहिए। इसके अलावा चैनल पर 12 महीनों में 4000 पब्लिक वॉच आवर होने चाहिए या फिर 1 करोड़ शॉर्ट्स व्यू 90 दिनों में आने चाहिए। हालांकि, अब शर्त सिर्फ इतनी नहीं रहेगी, बल्कि आपका कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए। यूटूयूब ये अपडेट स्पैम और एआई कंटेंट की संख्या को कम करने और ओरिजनल कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए लेकर आ रहा है। इस क्रिएटर्स जो इस अपडेट को मिस करते हैं, उन्हें डिमोनेटाइजेशन का सामना करना पड़ सकता है। एआई तकनीक की एंट्री के साथ ही यूटूयूब पर इसतरह के कंटेंट्स की बाढ़ सी आ गई है। कंपनी के हिसाब से इन लो-क्वालिटी मीडिया या कंटेंट को एआई की मदद से जनरेट किया जा रहा है। उदाहरण के लिए किसी फोटो पर आपको आसानी से एक एआई वॉयसओवर मिल जाएगा या फिर किसी वीडियो क्लिप पर एआई वॉयसओवर टाइप का कंटेंट आपको यूट्यूब पर मिल जाएगा।

बिहार को एनडीए ने बनाया क्राइम कैपिटल- अखिलेश का आरोप, चुनाव आयोग को भी घेरा

पटना। बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने राज्य की कानून-व्यवस्था और चुनाव आयोग की कार्यशैली पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने एनडीए सरकार पर बिहार को क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया बना देने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के लोग अब भगवान भरोसे हैं।

कांग्रेस नेता अखिलेश ने कहा, कि बिहार आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें हर कोई भगवान की तरफ देख रहा है। अकेले पटना में ही पिछले छह महीने में 116 से ज्यादा हत्याएं हो चुकी हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इसे एनडीए की विफल कानून व्यवस्था का नतीजा बताया और कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में है। चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट रिवीजन में आधार कार्ड को अनिवार्य नहीं मानने पर भी कांग्रेस नेता ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा, पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं ङ्क मेरी आधार, मेरी पहचान, लेकिन चुनाव आयोग इस पहचान को ही मान्यता नहीं दे रहा है। यह विरोधाभास है। उन्होंने यह भी बताया कि राहुल गांधी ने इसी मुद्दे को लेकर बिहार में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया था ताकि किसी नागरिक को मताधिकार से वंचित न किया जा सके।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में वोटर वेरिफिकेशन संभव नहीं

बिहार में गंगा के किनारे बसे 60प्रतिशत क्षेत्रों में हर साल बाढ़ आती है, इस पर ध्यान दिलाते हुए सिंह ने कहा, इन इलाकों में एक जिला से दूसरे जिला जाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में मात्र 25 दिनों में वोटर लिस्ट रिवीजन कराना संभव नहीं है। इलेक्शन कमीशन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

अखिलेश सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग को आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड को पहचान पत्र के रूप में शामिल करने की सिफारिश की है।

महंगे मोबाइल-लग्जरी शौक में बर्बाद मिडिल क्लास

नई दिल्ली। आज के समय में हर कोई लाइफस्टाइल के मामले में दूसरे से बेहतर बनने की होड़ में लगा नजर आता है, फिर चाहे इसके लिए वो कर्ज के जाल में ही क्यों न फंस जाए। ये सच है और आंकड़े भी कुछ इसी ओर इशारा कर रहे हैं, कि लोग अब घर खरीदने या बनवाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी लाइफस्टाइल को लेकर कर्ज में डूब रहे हैं और उनके ऊपर ईएमआई का बोझ बढ़ता जा रहा है। एक एक्सपर्ट्स के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि खासतौर पर मिडिल क्लास, जो बैंक लोन या क्रेडिट कार्ड लोन ले रहा है, उसमें से 55 फीसदी घर के लिए यानी होम लोन नहीं हैं। ये लोन लाइफस्टाइल से जुड़ी चीजों पर खर्च करने के लिए लिए जा रहे हैं। यानी महंगे मोबाइल-बाइक्स या कार और अन्य सामानों के लिए उधारी ली जा रही है।

कैसे कर्ज के जाल में फंस रहा मिडिल क्लास?

उधार के पैसे से शौक पूरे करते हुए मौज करने वाले लोग जान-बूझकर ईएमआई के जाल में फंस रहे हैं, क्योंकि आज आपको महंगा आईफोन लेना हो, या फिर महंगी बाइक, या फिर कुछ और सामान हर महीने की आसान किस्तों में मिल ही जाता है। कुछ मामलों में जेब में पैसे न हों फिर भी आप जीरो डाउन पेमेंट ईएमआई पर अपनी मनचाही चीज खरीद सकते हैं। इस मामले में क्रेडिट कार्ड अहम रोल निभा रहा है, दरअसल, ईएमआई नहीं भी बनवाओ, फिर भी इसके जरिए किसी चीज को खरीदने पर तुरंत जेब खाली नहीं करनी होती, बल्कि इससे पेमेंट करने पर बकाया चुकाने के लिए कुछ समय मिल जाता है।

यही कारण है कि देश में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल खास तौर पर तेजी से बढ़ा है। रिपोर्ट की मानें तो बीते 13 सालों में क्रेडिट कार्ड पर खर्च 13 गुना बढ़ गया है और 1.2 लाख करोड़ रुपये से अब बढ?र 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

पर्सनल खर्च के लिए आधे से ज्यादा लोन

पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि भारत का घरेलू ऋण उपभोग तेजी से बढ़ रहा है, जबकि परिसंपत्ति निर्माण से दूर जा रहा है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट में फाइनेंशियल एक्सपर्ट प्रांजल कामरा बताते हैं कि औसत पर्सनल लोन सिर्फ पिछले दो वर्षों में 23 फीसदी तक बढ़ गया है और इस उधारी का आधे से ज्यादा हिस्सा अब व्यक्तिगत जरूरतों पर खर्च हो रहा है। अपनी एक लिंक्डइन पोस्ट में कामरा ने बचाया कि प्रति व्यक्ति उधारकर्ता का औसत ऋण 2023 में 3.9 लाख रुपये से बढ?र मार्च 2025 तक 4.8 लाख रुपये हो गया।

क्रेडिट कार्ड बना कर्ज का बड़ा जरिया

सबसे बड़ा बदलाव यह है कि भारतीय अब कैसे और क्यों उधार ले रहे हैं? तो इसे आंकड़ों के जरिए समझते हैं। कामरा के मुताबिक, गैर-आवासीय खुदरा ऋण अब कुल ऋण का 55 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो होम लोन से कहीं ज्यादा है। बता दें कुल लिए जा रहे लोन में होम लोन का हिस्सा सिर्फ 29 फीसदी है। जबकि, 55 फीसदी में क्रेडिट कार्ड बकाया, व्यक्तिगत ऋण और कार ऋण शामिल हैं। मतलब ऐसे लोन हैं, जो आमतौर पर परिसंपत्ति निर्माण के बजाय उपभोग से जुड़े हैं। इसे रिटेल लोन ग्रोथ के आंकड़ों को देखकर आसानी से समझा जा सकता है।

अब लाइफस्टाइल और संतुष्टि के लिए कर्ज

मीडिल क्लास कैसे तेजी से कर्ज के जंजाल में फंसता जा रहा है, इसे तमाम आकडों के जरिए समझाते हुए प्रांजल कामरा ने इस बदलाव का सार कुछ इस तरह से दिया। उन्होंने कहा कि हमारे माता-पिता संपत्ति बनाने के लिए उधार या लोन लेते थे, आज ज़्यादातर लोग तात्कालिक संतुष्टि पाने के लिए उधार ले रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि आंकड़े संरचनात्मक उपभोक्ता बदलाव का संकेत हैं या फिर किसी वित्तीय खतरे का। रिटेल लोन में में तेज बढ़ोतरी ने केंद्रीय बैंक को भी चिंतित किया है और हालिय महीनों में भारतीय रिजर्व बैंक ने बार-बार बढ़ते पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड बकाया को घरेलू बैलेंस शीट के लिए एक संभावित जोखिम के रूप में चिह्नित किया है।

शादी टूटने की रंजिश...

लड़की से रंजिश भुनाने आये युवक ने लड़की और उसके पिता पर चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला

87 वर्षीय वृद्धा और 3 वर्षीय बालक से भी की मारपीट, वारासिवनी थाने के ग्राम बुदबुदा में दिनदहाड़े हुई वारदात, हमले में गंभीर रूप से घायल लड़की और उसके पिता जिला अस्पताल से हायर सेंटर रिफर, घटना के बाद सिरफिरे युवक धनेंद्र ठाकरे फरार-जांच में लगी वारासिवनी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बुदबुदा में एक सिरफिरे युवक ने घर में घुसकर एक लड़की और उसके पिता पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया वहीं एक तीन वर्षीय मासूम बच्चे और वृद्धा को लाठी से मारपीट कर दिया। 12 जुलाई को दिनदहाड़े यह सनसनीखेज वारदात इस लड़की से शादी टूटने की रंजिश को लेकर हुई। इस खूनी वारदात में गंभीर रूप से घायल लड़की सीमा पिता बस्तीराम राणा 26 वर्ष और उसके पिता बस्तीराम पिता सुखराम राणा 52 वर्ष दोनों ग्राम बुदबुदा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस ने जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचकर पूछताछ और मौके की कार्रवाई की। गंभीर रूप से घायल दोनों पिता पुत्री को जिला अस्पताल बालाघाट से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर नागपुर रेफर कर दिया गया है। इन पिता पुत्री को चाकू से हमला कर फरार युवक धनेंद्र ठाकरे ग्राम सावंगी निवासी बताया गया है। जो इस वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बुदबुदा निवासी बस्तीराम राणा खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी कुंता राणा, मां चुनन राणा और दो बच्चे जिनमे सीमा राणा और बेटा मनीष राणा है। बताया गया की सीमा राणा बी एस सी कर चुकी है और वह बालाघाट में किराए से रहकर पढ़ाई के साथ-साथ वह गोंदिया रोड स्थित एक होटल में अकाउंटेंट का भी काम करती है और उसका भाई मनीष राणा ग्राम चँदोरी में स्थित पेट्रोल पंप में कैशियर है। बताया गया कि धनेंद्र ठाकरे ग्राम सावंगी निवासी बस्तीराम राणा का रिश्ते में भांजा लगता है जो नागपुर में प्लंबर का काम करता है। यह भी बताया गया है कि पिछले वर्ष सीमा की शादी धनेंद्र ठाकरे से तय हो गई थी किंतु शादी तय होने के बाद सीमा राणा के परिजनों को धनेंद्र ठाकरे के गलत हरकतों के सम्बंध में पता चला वह शराब पीने का आदी था। इसी दौरान इसी वर्ष माह जनवरी में धनेंद्र ठाकरे और सीमा के बीच मोबाइल से बात नहीं करने को लेकर विवाद हो गया था। तब धनेंद्र ठाकरे आवेश में आकर पेट्रोल लेकर सीमा राणा के रूम पहुंचा और सीमा राणा को पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की, किंतु, वह कामयाब नहीं हो पाया और धनेंद्र ठाकरे ने स्वयं पर ही पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। जिससे वह झुलस गया । धनेंद्र ठाकरे को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया था। जिला अस्पताल से धनेंद्र ठाकरे को उसके परिजनों ने नागपुर ले जाकर उसका इलाज करवाये थे।

धनेंद्र ठाकरे

इस दौरान सीमा बालाघाट में ही रहकर पढ़ाई के साथ होटल में काम कर रही थी। कुछ दिन पहले ही सीमा राणा कृषि कार्य के सिलसिले में अपने गांव बुदबुदा गई थी। इन दिनों धनेंद्र ठाकरे भी नागपुर से अपने इलाज करवा कर अपने गांव सावंगी में ही रह रहा था और वह शादी टूटने की रंजिश बनाये हुये था और सीमा राणा से रंजिश भुनाने का मौका भी देख रहा था। उसे मालूम हुआ की सीमा राणा इन दिनों अपने गांव बुदबुदा में ही है । तब उसने शादी टूटने की रंजिश भुनाने की ठानी । 12 जुलाई को सुबह सीमा राणा अपनी दादी चुनन बाई राणा और अपने बहन के बेटे अभी 3 वर्ष के साथ में घर में थी और उसके माता-पिता परिवार के अन्य लोग कृषि कार्य करने के लिए खेत चले गए थे। 11:30 और 12:00 के बीच धनेंद्र ठाकरे चाकू लेकर बुलेट मोटरसाइकिल से ग्राम बुदबुदा सीमा राणा के घर पहुंचा और घर में घुसकर धनेंद्र ठाकरे ने चाकू से सीमा राणा के सीधे गले में वार कर दिया। उस समय सीमा राणा की दादी चुनन बाई राणा और बालक अभी भी था। जिन्होंने धनेंद्र ठाकरे को चाकू से वार करते देखे और चिल्लाने लगे तभी धनेंद्र ठाकरे ने चुनन बाई और बालक अभी को लाठी से मारपीट किया। चाकू का वार गले में लगने से सीमा राणा घर में ही गिर गई थी ।इसी दौरान जब धनेंद्र ठाकरे सीमा राणा पर हमला करके घर से निकल रहा था तभी सीमा राणा का पिता बस्तीराम राणा साइकिल में खेत से अपने घर खाना खाने के लिए आया ही था। तभी धनेंद्र ठाकरे ने बस्तीराम राणा के ऊपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू का वार बस्तीराम राणा के सर मस्तक कनपटी में लगने वह भी घायल हो गया और जमीन पर गिर गया। बताया कि इस दौरान पास पड़ोस में के रहने वाले भी खेत गए हुए थे। मोहल्ला भी सुनसान समान था किंतु किसी व्यक्ति ने इस वारदात को देखा और बस्तीराम राणा के खेत में जाकर बताया। खबर मिलते ही बस्तीराम राणा की पत्नी कुंता राणा के अलावा परिवार के अन्य लोग मोहल्ले पड़ोस के लोग भी आ गए । तब तक धनेंद्र ठाकरे फरार हो चुका था ।घर में बस्तीराम राणा और उसकी बेटी सीमा राणा घायल हालत में पड़े हुए थे। दोनो को तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है। डॉ. शुभम लिल्हारे ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल बस्तीराम राणा और उसकी बेटी सीमा राणा का प्रारंभिक इलाज किये और दोनों पिता पुत्री के के घाव में टांके लगवाएं ।सीमा राणा का गला चाकू के वार से आधा गला कट चुका था। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले, प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले आरक्षक मुकेश मानेश्वर प्रारंभिक तौर पर दोनों घायलों के साथ आये उनके परिजनों से पूछताछ की और सीमा राणा के भी बयान दर्ज किए, बयान के वीडियो रिकाडिंग की गई । घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस थाने से उप निरीक्षक धर्मराज सिंह बघेल, सहायक उप निरीक्षक राजेश सनोडिया ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर पूछताछ और मौके की कार्यवाही किये। जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद बस्तीराम राणा और उनकी बेटी सीमा राणा को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर नागपुर रेफर कर दिया गया है इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जा रही है।

सावंगी वाले धनेंद्र ठाकरे ने लड़की और उसके पिता को चाकू से मारा- काशीराम राणा

घायल के परिजन काशीराम राणा ने बताया कि सावंगी वाले धनेंद्र ठाकरे ने लड़की और उसके पिता को चाकू से मारा और उसकी मां और छोटे बच्चों को डंडे से मारपीट किया। उन्होंने बताया कि पहले लड़की की शादी धनेंद्र ठाकरे से करने वाले थे। जनवरी में धनेंद्र ठाकरे का लड़की के साथ मोबाइल में बात नहीं करने को लेकर विवाद हुआ था तभी धनेंद्र ठाकरे ने पेट्रोल डालकर लड़की को मारने का प्रयास किया था जिससे शादी टूट गई थी। इस रंजीत को लेकर धनेंद्र ठाकरे मोटरसाइकिल से आया और मौका देखकर चारों को मारपीट किया लड़की और उसकी उसके पिता को चाकू मार दिया।

कार की ठोकर से मालवाहक ऑटो में सवार एक व्रद्ध और ऑटो चालक घायल

रेंगाटोला फोरलेन ब्रिज में हुई दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रेंगाटोला फोरलेन के ब्रिज के नीचे बेलगाम कार ने माल वाहक ऑटो को ठोस मार दी। इस कार की ठोकर से जहां माल वाहक ऑटो छतिग्रस्त हो गया वहीं इस माल वाहक ऑटो में सवार एक वृद्ध और ऑटो चालक घायल हो गए। दोनों घायल जिनमे रामाजी साव पिता रघु साव डोहरे 87 वर्ष ग्राम लिंगमारा हेटी टोला थाना रामपायली और ऑटो चालक जमाल खान पिता हामिद खान 50 वर्ष वार्ड नंबर 3 गोस नगर बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमाल खान माल वाहक ऑटो में सामान ढुलाई का काम करते हैं। 12 जुलाई को सुबह जमाल खान अपने बेटे अजहर खान के साथ अपना माल भाग ऑटो में सामान लेकर के लिंगमारा गए थे। और 11:30 बजे करीब लिंगमारा से दोनों पिता पुत्र मालवाहक ऑटो लेकर के बालाघाट लौट रहे थे तभी इसी मालवाहक ऑटो में रामाजी साव भी बैठकर लिंगमारा से बालाघाट आने निकले थे। रेंगाटोला समीप गर्रा रोड पर स्थित फोरलेन ब्रिज के नीचे से जब यह माल वाहक ऑटो जा रही थी तभी सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार ने ऑटो को ठोस मार दी। कार की जबरदस्त ठोकर से माल वाहक ऑटो छतिग्रस्त हो गया वहीं ऑटो में सवार जमाल खान और रामाजी साव घायल हो गए। इस दुर्घटना में रामाजी साव गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गए थे। दोनों घायल को। 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।जिला अस्पताल पुलिस ने जमाल खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा 4 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा 2 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट